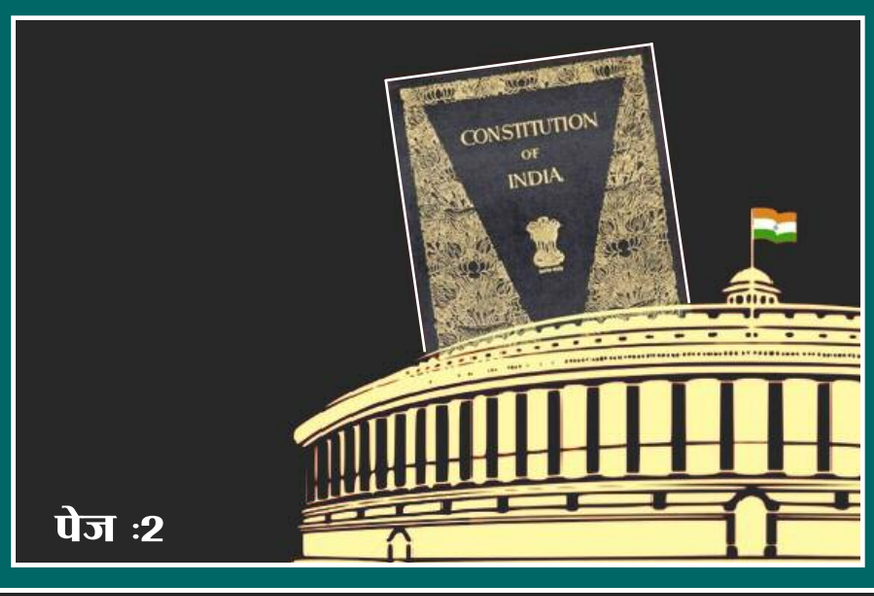

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक सबसे बड़ी खबर

भव्य खबर

RNI No.- DELHIN/2016/68043

नई दिल्ली संस्करण, नई दिल्ली, मंगलवार, 22 अप्रैल 2025, वर्ष : 9, अंक : 26 पृष्ठ : 08, मूल्य : 02 रुपया

नई दिल्ली से प्रकाशित व दिल्ली, एनसीआर, यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखण्ड, महाराष्ट्र, गुजरात में प्रसारित

पोप फ्रांसिस नहीं रहेः वेटिकन ने जारी किया शोक संदेश, दुनियाभर में शोक की लहर

वेटिकन सिटी, (एजेंसी)। कैथोलिक ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस का 88 साल की उम्र में निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से फेफड़ों में इन्फेक्शन की शिकायत के चलते अस्पताल में भर्ती थे। वेटिकन कैमरलेन्गो कार्डिनल केविन फेरेल ने पोप फ्रांसिस के निधन की घोषणा की है। पोप फ्रांसिस के निधन से वेटिकन समेत संपूर्ण दुनियां में शोक की लहर है।

ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस का वेटिकन सिटी में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। निमोनिया की शिकायत के चलते पोप फ्रांसिस को पिछले दिनों अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पॉप फ्रांसिस के निधन की वेटिकन सिटी द्वारा घोषणा कर दी गई है। पोप फ्रांसिस ने 88 साल की उम्र में अंतिम सांस ली। जानकारी अनुसार निधन से एक दिन पूर्व ही अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने उनसे मुलाकात की थी। पोप फ्रांसिस के निधन से वेटिकन समेत पूरी दुनिया में शोक की लहर है।

यहां बताते चलें कि पोप फ्रांसिस पिछले एक हफ्ते से ब्रोंकाइटिस से पीड़ित थे। इसके चलते उन्हें शुक्रवार, 14 फरवरी को जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस दौरान उनका निमोनिया और एनीमिया का इलाज चल रहा था, लेकिन उनकी हालत बिगड़ती गई। इलाज के दौरान कैथलिक चर्च के वेटिकन ने बताया था कि पोप की ब्लड टेस्ट रिपोर्ट में किडनी फेल होने के लक्षण दिखे। इसके साथ ही प्लेटलेट्स भी कम पाई गईं। हालांकि इलाज के बाद उन्हें अस्ताल से डिस्चार्ज भी कर दिया गया था।

संक्षिप्त समाचार

बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की याचिका पर जस्टिस गवई बोले- आप चाहते हैं कि हम राष्ट्रपति को दखल का आदेश दें?

नई दिल्ली/ भव्य खबर। जस्टिस भूषण रामाकृष्ण गवई ने सोमवार को कहा कि सुप्रीम कोर्ट पर कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में अतिक्रमण करने के आरोप लग रहे हैं और उनसे राष्ट्रपति के दखल का आदेश देने के लिए कहा जा रहा है। व फ संशोधन कानून के विरोध में बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा को लेकर दाखिल याचिकाओं पर उन्होंने यह टिप्पणी की है। कोर्ट से इलाके में तत्काल पैरामिलिट्री फोर्स की तैनाती की मांग की गई है। एडवोकेट विष्णु शंकर जैन ने कहा कि मामला सुनवाई के लिए लगा है। मैं कुछ अतिरिक्त दस्तावेज दाखिल करना चाहता हूं। उन्होंने यह भी कहा कि इलाके में शांति सुनिश्चित करने के लिए कोर्ट केंद्र को फोर्स तैनात करने का आदेश दे। जस्टिस बी आर गवई ने कहा कि आप चाहते हैं कि हम राष्ट्रपति को दखल का आदेश दें? हम पर पहले ही कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में अतिक्रमण का आरोप लग रहा है। जैन ने कहा कि उनकी याचिका मंगलवार को सुनवाई के लिए लगी है, लेकिन वह कुछ अतिरिक्त दस्तावेज दाखिल करना चाहते हैं। उन्होंने बंगाल में राष्ट्रपति शासन की भी मांग की।

बिहार में पडड्ने वाली है भीषण गर्मी, 25 अप्रैल से चलेगी गर्म हवा, हीटवेव मचाएगी कहर

पटना/ भव्य खबर। बीते एक ह ते के दौरान बिहार के मौसम में बदलाव देखा गया। आंधी-तूफान बारिश और ओलावृष्टि से लोगों को गर्मी से राहत मिली। वहीं अब एक बार फिर मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले 3-4 दिनों में पटना समेत बिहार के कई जिलों में तापमान 5 से 6 डिग्री सेल्सियस ऊपर बढड्ने की संभावना है। इसलिए लोगों को गर्मी से सतर्क रहना पड़ेगा। योंकि बिहार में मौसम ने एक बार फिर से करवट ली है। पटना मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक आशीष कुमार ने कहा कि पटना सहित बिहार के अधिकांश जिलों में तापमान बढड्ने की संभावना है। बिहार के अधिकांश भागों में अगले तीन दिन तक भीषण गर्मी की संभावना व्यक्त की गई है। भारत मौसम विज्ञान केंद्र पटना के निदेशक आशीष कुमार का कहना है कि मौसम में नमी का प्रवाह एवं तापमान में वृद्धि के कारण लोगों को उमस भरी गर्मी का एहसास होगा। आद्रता एवं तापमान के संयुक्त प्रभाव के कारण लोगों को गर्मी ज्यादा महसूस होती है यह अगले तीन दिनों तक बिहार के लोगों महसूस होगा। आशीष कुमार का कहना है कि अभी जिस तरीके का मौसम में बदलाव हो रहा है, इससे सबसे ज्यादा रात के तापमान में वृद्धि देखने को मिलेगी। बिहार के अधिकांश जिलों लिए मौसम विभाग ने वार्म नाइट का अलर्ट जारी किया है। राज्य के पश्चिमी एवं दक्षिणी भाग में यहां तापमान 40 डिग्री से ऊपर जाएगा और आम तापमान से 5 डिग्री सेल्सियस मौसम में बढ़ोतरी होगी। बिहार में 4 दिनों के बाद हीट वेव चलने का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने 25 एवं 26 तारीख से हीटवेव चलने का अलर्ट जारी किया है। अगले तीन से चार दिनों में बिहार के मौसम में 4 से 5 डिग्री तापमान में बढ़ोतरी की संभावना की है।

राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग- आज जमू-कश्मीर में संविधान बचाओ अभियान शुरू करेगी कांग्रेस

जम्मू / भव्य खबर। कांग्रेस की जम्मू और कश्मीर इकाई 22 अप्रैल को संविधान बचाओ अभियान शुरू करेगी। कांग्रेस राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग भी कर रही है। यह अभियान डेढ़ महीने तक चलेगा। कांग्रेस जमू और कश्मीर के प्रत्येक जिले और विधानसभा में राज्य के दर्जे के आंदोलन को तेज करेगी। पार्टी ने कहा कि यह भाजपा सरकार की भ्रामक रणनीति को उजागर करेगा। जम्मू और कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) के प्रमुख तारिक हमीद कर्रा ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के निदेशों को लागू करने के लिए एक विस्तृत कार्यक्रम बनाया है । 22 अप्रैल को सभी जिलों और लॉकों के वरिष्ठ नेताओं की एक विस्तारित बैठक के कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए पीसीसी मु यालय में वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं की एक बैठक आयोजित की गई थी। इसके बाद 29 अप्रैल को जमू में नरेंद्र मोदी सरकार के संविधान पर हमले के खिलाफ प्रांत स्तरीय विरोध रैली होगी।

झारखंड में 8 न सलियों का एनकाउंटर बोकारो में 1 करोड़ का इनामी भी ढेर, कई हथियार बरामद

बोकारो / भव्य खबर। झारखंड के बोकारो में सोमवार सुबह सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में आठ न सली मारे गए हैं। एनकाउंटर जिले के लुगू और झुमरा पहाड़ के बीच जंगली इलाके में हुई। झारखंड डीजीपी अनुराग गुप्ता के मुताबिक, मुठभेड़ में एक करोड़ रुपए का इनामी न सली प्रयाग मांझी उर्फ विवेक भी मारा गया। अब तक कुल 8 न सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। बाकी न सलियों की पहचान में जुटे हुए हैं। अभी और न सलियों के छिपे होने की जानकारी है। सर्च ऑपरेशन जारी है। घटनास्थल से एक एके सीरीज की राइफल, 1 एसएलआर, 3 इंसास राइफल कई हथियार भी बरामद किए गए हैं। गुप्त सूचना के आधार पर सीआरपीएफ और जिला पुलिस के जवान सर्च ऑपरेशन चला रहे थे।

हमारे आज के निर्णय तय करेंगे एक हजार साल का भविष्यः पीएम मोदी

-17वें सिविल सेवा दिवस कार्यक्रम में बोले

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17वें सिविल सेवा दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार के लिए जिलों का समग्र विकास और लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार से चुनिंदा नवाचार पर ई-कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि इस बार का सिविल सेवा दिवस कई वजहों से बहुत विशेष है। इस साल हम अपने संविधान का 75वां वर्ष मना रहे हैं और ये सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के भी साल है। 21 अप्रैल, 1947 को सरदार वल्लभभाई पटेल ने आप सभी को स्टील फ्रेम ऑफ इंडिया कहा था। उन्होंने स्वतंत्र भारत की ब्यूरोक्रेसी की नई मर्यादाएं तय की थी। एक ऐसा सिविल सर्वेंट जो राष्ट्र की सेवा को अपना सर्वोत्तम कर्तव्य माने, जो लोकतांत्रिक तरीके से प्रशासन चलाए, जो ईमानदारी, अनुशासन और समर्पण से भरा हुआ हो।

पीएम मोदी ने कहा कि कुछ समय पहले मैंने लाल किले से कहा था कि आज के भारत को आने वाले 1 हजार साल की नींव को मजबूत करना है। एक हिसाब से देखें तो 1 हजार साल की सहस्त्राब्दी में पहले 25 साल बीत गए हैं। ये नई शताब्दी का 25वां साल है और नई सहस्त्राब्दी का भी 25वां साल है। हम आज जिन नीतियों पर काम कर रहे हैं, जो निर्णय ले रहे हैं, वो 1 हजार साल का भविष्य तय करने वाले हैं। उन्होंने कहा, विकसित भारत के हमारे लक्ष्य की प्राप्ति के लिए भी विकास रथ के हर चक्र को मिलकर चलना है। दृढ़ प्रतिज्ञ होकर हर क्षण, हर दिन इस लक्ष्य के लिए काम करना है। लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जीना है, जिंदगी खपानी है।

हर गांव को डिजिटल अर्थव्यवस्था का लाभ

पीएम मोदी ने कहा कि 2014 के बाद से देश में व्यवस्था परिवर्तन का एक बहुत बड़ा महायज्ञ शुरू हुआ है। हम इस तेज रफ्तार के साथ खुद को तेजी से ढाल रहे हैं। आज भारत की आकांक्षी समाज... भारत के युवा... भारत के किसान... भारत की महिलाएं... उनके सपनों की उड़ान आज जिस ऊंचाई पर है... वो अभूतपूर्व है। इन अभूतपूर्व आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए अभूतपूर्व गति आवश्यक है। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है की इस बार सिविल सेवा दिवस की थीम भारत का समग्र विकास रखी गई है। भारत का समग्र विकास यानी कोई गांव पीछे न छूटे। कोई परिवार पीछे न छूटे। कोई नागरिक पीछे न छूटे। असल प्रगति का मतलब छोटे बदलाव नहीं होता... बल्कि पूर्ण पैमाने पर प्रभाव होता है। हर घर में साफ पानी, हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, हर उद्यमी को वित्तीय पहुंच और हर गांव को डिजिटल अर्थव्यवस्था का लाभ। यही है- समग्र विकास।

विकसित भारत की नींव बहुत मजबूत

पीएम मोदी ने कहा कि मैं मानता हूं कि शासन में गुणवत्ता सिर्फ योजनाएं लॉन्च करने से नहीं आती, बल्कि शासन में गुणवत्ता से इससे तय होती है कि वो योजना कितनी गहराई तक जनता के बीच पहुंची और उसका कितना वास्तविक प्रभाव हुआ। पिछले 10-11 साल की देश की जो सफलताएं रही हैं, उन्होंने विकसित भारत की नींव को बहुत मजबूत किया है। आज देश इस मजबूत नींव पर विकसित भारत की भव्य इमारत का निर्माण शुरू कर रहा है। लेकिन निर्माण की इस प्रक्रिया में हमारे सामने चुनौतियां कम नहीं हैं। भारत अब दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन चुका है। ऐसे में बेसिक सुविधाओं की परिपूर्णता हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। आपको अंतिम छोर डिलीवरी पर हमेशा बहुत ज्यादा फोकस करते रहना है। समय के साथ देशवासियों की जरूरत और आकांक्षाएं तेजी से बदल रही हैं। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलते समय में हमें वैश्विक चुनौतियों पर भी गहरी नजर रखनी है। आप देख रहे हैं कि खाना, पानी और ऊर्जा सुरक्षा अब भी बड़ी चुनौती बनी हुई है। विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के लिए ये बहुत बड़ा संकट है।

भारत पहुंचे अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस

एयरपोर्ट पर दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस सोमवार को अपनी पहली आधिकारिक भारत यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे। सोमवार सुबह पालम एयरपोर्ट पर वेंस का विमान लैंड किया। इस दौरान उपराष्ट्रपति के साथ उनकी पत्नी उषा वेंस, बच्चे और अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ सदस्य भी मौजूद रहे। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का प्लेन सुबह 9:45 बजे दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर उतरा। यहां केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उनका स्वागत किया। पत्नी उषा के साथ वो प्लेन से नीचे उतरे। वेंस को गार्ड ऑफ ऑनर से भी सम्मानित किया गया। एयरपोर्ट पर कलाकारों ने भारतीय नृत्य कौशल का प्रदर्शन भी किया। वेंस के बच्चे इवान, विवेक और मीराबेल भारतीय परिधान में थे। तीनों बड़ी उत्सुकता से क्लासिकल डांस देखते नजर आए। वेंस का एयरपोर्ट से अक्षरधाम मंदिर जाने का कार्यक्रम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शाम को अमेरिकी उपराष्ट्रपति की मेजबानी करेंगे। इसके अलावा, वे (जेडी वेंस) विदेश मंत्री एस जयशंकर, एनएसए अजित डोभाल, विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री और अमेरिका में भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा से मुलाकात करेंगे।

बता दें कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस 21 से 24 अप्रैल तक भारत की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार शाम को 7 लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने आधिकारिक आवास पर उपराष्ट्रपति वेंस की मेजबानी करेंगे। इस बैठक में भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर चर्चा के साथ-साथ दोनों लोकतांत्रिक देशों के बीच रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को गहराने के तरीकों पर विचार किया जाएगा।

राहुल गांधी ने अमेरिका में उठाए सवाल बोले- महाराष्ट्र में बालिगों से ज्यादा वोटिंग कैसे हो गई?

बोस्टन (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी अमेरिका के दो दिवसीय दौरे पर हैं। यहां उन्होंने भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पहले मैं कई बार कह चुका हूं कि महाराष्ट्र में जितने बालिग नहीं हैं, उससे ज्यादा वोटिंग हुई। चुनाव आयोग ने हमें साढ़े पांच बजे वोटिंग का आंकड़ा बताया। इसके बाद 5ः30 से शाम 7ः30 के बीच 65 लाख वोटिंग हुई। दूसरा उन्होंने कहा कि 2 घंटे में 65 लाख वोटिंग नामुमकिन है। एक वोटर को वोट डालने में करीब 3 मिनट लगते हैं।

अगर आप गणित लगाएंगे तो पता चलेगा कि रात 2 बजे तक वोटर्स की लाइन लगनी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। बता दें कि राहुल गांधी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में फर्जी तरीके से वोटर्स जोड़े जाने का आरोप लगाया था। इस साल फरवरी में एक प्रेस

कॉन्फ्रेंस के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव में गड़बड़ी हुई। वोटर लिस्ट में नए मतदाता जोड़े गए, ताकि भाजपा की जीत हो सके। राहुल ने इलेक्शन कमीशन से वोटर्स का डेटा मांगा था। राहुल ने आरोप लगाया था कि लोकसभा चुनाव के लिए पांच साल में महाराष्ट्र में 32 लाख वोटर्स जोड़े गए, जबकि इसके पांच महीने बाद विधानसभा चुनाव के लिए 39 लाख वोटर्स को जोड़ा गया। उन्होंने चुनाव आयोग से पूछा कि पांच महीने में पांच साल से ज्यादा वोटर्स कैसे जोड़े गए?

भारत को इस साल अमेरिका के साथ व्यापार समझौता पूरा होने की उम्मीद : सीतारमण

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को इस शरद ऋतु तक भारत का अमेरिका के साथ व्यापार समझौते का पहला भाग सकारात्मक रूप से संपन्न होने की उम्मीद जताई है। वह दोनों देशों के बीच कई महत्वपूर्ण बैठकों में भाग लेने के लिए अमेरिका के दौरे पर हैं।

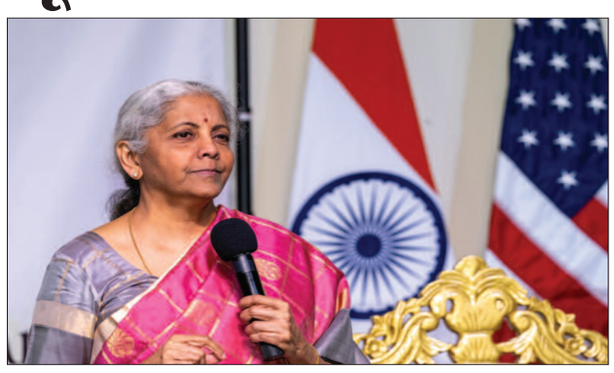

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सैन फ्रांसिस्को में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा, अमेरिका के साथ बातचीत का उद्देश्य केवल पारस्परिक टैरिफ संबंधी मामला नहीं है, बल्कि यह हमारे सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार के हित में है, जिसके साथ हमें समझौता करने की जरूरत है। सीतारमण ने कैलिफोर्निया के सैन फ्रांसिस्को में इंडिया कम्युनिटी सेंटर में आयोजित एक सामुदायिक सभा में प्रवासी भारतीयों से बातचीत की। सीतारमण ने एक कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान हमारा राजकोषीय घाटा बढ़ गया, लेकिन 2021 में हमने स्पष्ट संकेत दिया कि हम अपने राजकोषीय घाटे को कैसे प्रबंधित करना चाहते हैं। हमने साल-दर-साल लक्ष्य निर्धारित किए और 2026 तक राजकोषीय घाटे को 4.5 फीसदी से नीचे लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और हम हर साल बिना चूके इसी का पालन कर रहे हैं।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पांच दिवसीय अमेरिकी यात्रा पर हैं, जहां वह अंतरराष्ट्री य मुद्रा कोष और विश्व बैंक की वसंतकालीन बैठकों तथा जी-20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक में शामिल होंगी। इसके अलावा उनका अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेन्ट से भी मिलने का कार्यक्रम है तथा संयुक्त राज्य अमेरिका व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के अधिकारियों से भी बात करने की उम्मीद है।

नीले ड्रम और सांप के बाद कत्थई सूटकेस चर्चा में, वजह पति का बेरहमी से कत्ल

देवरिया (एजेंसी)। नीले ड्रम और सांप से डसवाने के बाद सोशल मीडिया में अब कत्थई सूटकेस की चर्चा है। अब यूपी के देवरिया से ऐसी ही एक नई कहानी सामने आई है। यहां बीवी ने इश्क में रोड़ा बने शौहर को रास्ते से हटाने के लिए प्रेमी को ही हत्या की सुपारी दे दी। रात में दोनों ने मिलकर मार डाला। हत्या के समय पत्नी ने जरा सा भी रहम नहीं दिखाया। पति बच न जाए, इसलिए उसके शरीर पर एक बार नहीं, बल्कि छह से अधिक बार धारदार हथियार से हमला कराया। पति के मर जाने का यकीन होने के बाद दोनों ने कत्थई रंग के सूटकेस में शव को रखा और फिर एक खेत में फेंक दिया।अब यह कत्थई रंग का सूटकेस चर्चा में आ गया है।

देवरिया के मईल थाना क्षेत्र के भटौली की घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। भटौली के रहने वाले नौशाद तीन भाई थे। यह सऊदी काम करने लगे तो घर की आर्थिक स्थिति मजबूत हो गई। इसके बाद वह गांव के बाहर जमीन खरीद कर मकान बनवा लिए। वहां उनकी पत्नी अपनी इकलौती बेटी के साथ रहती थी जबकि परिवार के अन्य सदस्य गांव वाले घर पर रहते हैं।पुलिस सूत्रों का कहना है कि इस बीच नौशाद की पत्नी का रिश्ते के भांजे से प्रेम हो गया। दोनों के प्रेम की चर्चा कई गांवों तक है। बताया जा रहा है कि एक वर्ष पहले नौशाद जब गांव आए थे तो इन दोनों का मामला उनके सामने भी आ गया। नौशाद ने सख्ती दिखाई तो पंचायत हुई। पंचायत में यह तय हुआ कि दोनों अब एक-दूसरे से नहीं मिलेंगे। लेकिन नौशाद के जाने के बाद दोनों का प्रेम पुनः परवान चढ़ गया। दोनों आए दिन मिलने लगे थे।

एक सप्ताह पहले ही सऊदी अरब से नौशाद कमाकर आए थे। अभी नौशाद के सूटकेस में कुछ कागजात रखे हुए थे। हत्या करने के बाद शव को ठिकाना लगाने के लिए नौशाद के सूटकेस को पूरी तरह से पत्नी व उसके प्रेमी ने खाली कर दिया, लेकिन एक कागजात उसी में छूट गया। इसके अलावा सूटकेस पर भी एयरपोर्ट वाला टैग लगा हुआ था। जब फोरेंसिक टीम सूटकेस से नमूना एकत्रित कर रही थी, उसी समय कागजात मिल गए। इसके बाद टीम गांव पहुंच गई और पड़ताल शुरू की तो पता चला कि नौशाद की पत्नी का गांव के रहने वाले भांजे से ही अवैध संबंध है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आईएएस स्वप्नील पॉल को लोक प्रशासन उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया

आईएएस पॉल ने प्रधानमंत्री मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया

असम/ भव्य खबर/ प्रमोद मल्ल। तिनसुकिया जिले को 2024 में प्रधानमंत्री के लोक प्रशासन उत्कृष्टता पुरस्कार के लिए "जिलों के समग्र विकास" की श्रेणी में चुना गया जिसमें जिला आयुक्त आईएएस स्वप्निल पॉल के नेतृत्व में इसकी उल्लेखनीय सर्वांगीण प्रगति को मान्यता दी गई है। यह पुरस्कार भारत के प्रधानमंत्री द्वारा 21 अप्रैल, 2025 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में सिविल सेवा दिवस समारोह के दौरान प्रदान किया गया!

इस श्रेणी में देश भर से केवल पाँच जिलों का चयन किया गया है, जो पिछले दो वर्षों में भारत सरकार की 11 प्रमुख फ्लैगशिप योजनाओं के कार्यान्वयन में प्रदर्शन का मूल्यांकन करता है। इनमें हर घर जल योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण और शहरी), मिशन इंद्रधनुष, आयुष्मान भारत - पीएम जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई), पीएम स्वनिधि, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, किसानों के लिए किसान क्रेडिट कार्ड योजना, पशुपालन और मत्स्य पालन, पीएम विश्वकर्मा, सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0, और पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना शामिल हैं।

तिनसुकिया के परिवर्तन के मूल में पॉल का दृष्टिकोण है कि इसे एक आदर्श जिला बनाया जाए जो विकास और स्थिरता के बीच संतुलन बनाए रखे। उनकी एक उल्लेखनीय उपलब्धि बायोमाइनिंग और बायोरेमेडिएशन के माध्यम से 1.53 लाख मीट्रिक टन विरासत अपशिष्ट का उन्मूलन है, जिससे तिनसुकिया पूर्वोत्तर भारत का पहला जिला बन गया है जो विरासत अपशिष्ट मुक्त हो गया है।

राव इंद्रजीत सिंह

केंद्रीय राज्य मंत्री, भारत सरकार

स्वच्छ हवा, पीने के लिए शुद्ध जल, खाने के लिए पौष्टिक भोजन तथा प्राकृतिक संसाधनों तक पहुंच, जो हमें सम्मान और उद्देश्य के साथ जीने में सक्षम बनाएं। ये विलासिता की चीजें नहीं हैं - ये तो जीवन का आधार हैं। लेकिन अब अपने आप से यह पूछें: क्या कोई ऐसी व्यवस्था, कोई ऐसा "बैंक" हो सकता है, जिससे हम इन आवश्यक वस्तुओं को, पीढ़ी दर पीढ़ी, कभी भी जमा किए बिना, लगातार निकालते रहें हैं ? आश्चर्यजनक रूप से, ऐसी व्यवस्था है। और यह प्रकृति ही है - जिसे हममें से कई लोग धरती माता कहते हैं।

धरती माता : वह मौलिक बैंक जिसे हम खाली कर रहे हैं

पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने के लिए क्या करना होगा? मूलतः इसका उत्तर सरल है: सांस लेने के लिए स्वच्छ हवा, पीने के लिए शुद्ध जल, खाने के लिए पौष्टिक भोजन तथा प्राकृतिक संसाधनों तक पहुंच, जो हमें सम्मान और उद्देश्य के साथ जीने में सक्षम बनाएं। ये विलासिता की चीजें नहीं हैं - ये तो जीवन का आधार हैं। लेकिन अब अपने आप से यह पूछें: क्या कोई ऐसी व्यवस्था, कोई ऐसा "बैंक" हो सकता है, जिससे हम इन आवश्यक वस्तुओं को, पीढ़ी दर पीढ़ी, कभी भी जमा किए बिना, लगातार निकालते रहें हैं ? आश्चर्यजनक रूप से, ऐसी व्यवस्था है। और यह प्रकृति ही है - जिसे हममें से कई लोग धरती माता कहते हैं। हजारों वर्षों से, यह जीवित ग्रह खामोशी से देता ही रहा है - जंगल जो हमारी हवा को शुद्ध करते हैं, नदियाँ जो हमारी प्यास बुझाती हैं, मिट्टी जो हमारी फसलों का पोषण करती है, और खनिज जो हमारे उद्योगों और प्रौद्योगिकियों को ईंधन देते हैं। हमें जीवित रखने वाला प्रत्येक संसाधन इसी एकल, स्व-विनियमन प्रणाली से प्रवाहित होता है। लेकिन फिलहाल यह संतुलन गंभीर खतरे में है। हमने धरती माता को एकतरफा बैंक खाते में बदल दिया है, जिसमें से हम बिना सोचे-समझे कुछ न कुछ निकाल लेते हैं, लेकिन बदले में बहुत कम देते हैं या कुछ भी नहीं देते हैं । उपभोग, लालच और इस भ्रम के कारण कि प्रकृति अनंत है, मानवता पारिस्थितिकी अतिसंकट के युग में प्रवेश कर चुकी है। हमारे जंगल चिंताजनक दर से खत्म हो रहे हैं। महासागर प्लास्टिक से भर रहे हैं। कई शहरों की हवा सांस लेने लायक नहीं रह गई है। भूजल भंडार कम हो रहा है और मिट्टी की उर्वरता घट रही है। जलवायु पैटर्न अनिश्चित हो गए हैं, बाढ़, जंगल की आग और लू जैसी चरम घटनाएं सामने आ रही हैं। प्रकृति अब चुप नहीं रही। पृथ्वी का प्रकोप अब दिखने लगा है - मिथक या रूपक के रूप में नहीं, बल्कि जीती-जागती हकीकत के रूप में। पृथ्वी अब हमारे लालच को बर्दाश्त नहीं कर सकती। भविष्य की पीढ़ियों के लिए पृथ्वी के पारिस्थितिक तंत्र और संसाधनों को संरक्षित करने की मानवता की जिम्मेदारी की याद दिलाने के लिए, हम अन्य 192 देशों के साथ मिलकर 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस मना रहे हैं। यह दिवस पृथ्वी ग्रह के स्वास्थ्य पर विचार करने, समुदायों को पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में शिक्षित करने और सतत पद्धतियों का समर्थन करने का दिन है ताकि जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और जैव विविधता की हानि को कम किया जा सके । इसने पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने और स्थिरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अनेक अंतर्राष्ट्रीय नीतियों के लिए मुख्य स्तोत्र का काम किया है। वर्ष 1970 में अपनी स्थापना के बाद से, इस आंदोलन ने वैश्विक पर्यावरण रूपरेखाओं को प्रभावित किया है, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा दिया है, और ऐतिहासिक समझौतों को प्रेरित किया है। पृथ्वी दिवस को अक्सर प्रतीकात्मक संकेतों तक सीमित कर दिया जाता है - एक सोशल मीडिया पोस्ट, एक वृक्षारोपण कार्यक्रम, एक स्कूल नाटक। यद्यपि जागरूकता महत्वपूर्ण है, लेकिन यह दिन केवल दिखावे के बारे में नहीं है। यह आत्मनिरीक्षण करने, कार्य करने, तथा शोषण से प्रबन्धन की ओर जाने का एक शक्तिशाली अनुस्मारक है। हमें ग्रह के साथ अपने संबंधों का मौलिक रूप से पुनर्मूल्यांकन करने की आवश्यकता है। बहुत लम्बे समय से हम प्रकृति को मात्र एक संसाधन के रूप में देखते आये हैं - जिसे जीता जा सकता है, खनन किया जा सकता है, वश में किया जा सकता है और उसका दोहन किया जा सकता है। लेकिन प्रकृति हमसे अलग नहीं है। यह हमारा प्रतिबिम्ब ही हैं। हम पेड़ों से निकलने वाली ऑक्सीजन में सांस लेते हैं। हम नदियों और जलभृतों में संग्रहित जल पीते हैं। हम भोजन उगाने और बीमारियों की रोकथाम के लिए स्थिर जलवायु और पारिस्थितिकी तंत्र पर निर्भर हैं। जब हम पृथ्वी को नुकसान पहुंचाते हैं, तो हम स्वयं को नुकसान पहुंचाते हैं। यदि मौलिक बैंक खाली हो रहा है, तो हमें ही वह सब कुछ जमा करना शुरू करना होगा जो हमने वर्षों से निकाला है।1.4 अरब से अधिक की आबादी वाला तथा विश्व में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक भारत, स्थायित्व और धरती माता को बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। ग्लासगो में वर्ष 2021 सीओपी26 शिखर सम्मेलन में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने पंचामृत की घोषणा की - एक पांच-सूत्री एजेंडा जिसमें वर्ष 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन प्राप्त करना, वर्ष 2030 तक नवीकरणीय स्त्रोतों से 50% ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करना और अर्थव्यवस्था की कार्बन तीव्रता को 45% कम करना शामिल है। ये साहसिक लक्ष्य हैं, और ये शब्दाडम्बर से जिम्मेदारी की ओर स्पष्ट बदलाव का संकेत देते हैं।सौर ऊर्जा भारत के सबसे शक्तिशाली जलवायु समाधानों में से एक बनकर उभरी है। फ्रांस के साथ मिलकर गठित अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन वैश्विक ऊर्जा कूटनीति को नया आकार दे रहा है। घरेलू स्तर पर, राष्ट्रीय सौर मिशन और पीएम-कुसुम जैसी पहल किसानों को सौर ऊर्जा चालित सिंचाई का उपयोग करने के लिए सशक्त बना रही हैं, जबकि गुजरात और राजस्थान जैसे राज्यों में बड़े सौर पार्क भारत में घरों और उद्योगों को बिजली देने के तरीके को पुनर्परिभाषित कर रहे हैं। सौर ऊर्जा पहले से ही भारत के नवीकरणीय ऊर्जा मिश्रण में 15% से अधिक का योगदान दे रही है - और यह बढ़ रही है। विद्युत गतिशीलता एक अन्य पक्ष है। एफएएमई (FAME) जैसी योजनाओं के साथ सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों को और अधिक किफायती और सुलभ बना रही है। भारतीय रेलवे 2030 तक नेट-जीरो बनने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके अतिरिक्त, शहर सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क का विस्तार कर रहे हैं और स्वच्छ ईंधन में निवेश कर रहे हैं। इन प्रयासों से न केवल उत्सर्जन में कमी आएगी बल्कि आयातित जीवाश्म ईंधन पर हमारी निर्भरता भी कम होगी। लेकिन पर्यावरण संरक्षण के लिए स्वच्छ ऊर्जा के अतिरिक्त और भी प्रयास किये जाने की आवश्यकता है।भारत के जैव विविधता और वन्यजीव संरक्षण कार्यक्रमों ने ठोस सफलता दिखाई है। प्रोजेक्ट टाइगर और प्रोजेक्ट एलीफेंट आवास-केंद्रित योजना के प्रशंसनीय उदाहरण हैं, जिनके कारण इन जानवरों की संख्या में वृद्धि हुई है। भारत में अब विश्व की 75% से अधिक बाघ आबादी निवास करती है। आर्द्रभूमि (वेटलैंड), जो बाढ़ और सूखे के विरुद्ध प्राकृतिक अवरोधक के रूप में कार्य करती हैं, को रामसर पदनाम के अंतर्गत संरक्षित किया जा रहा है। हरित भारत मिशन वनों के न केवल क्षेत्र को बल्कि उनकी पारिस्थितिक गुणवत्ता को भी बढ़ाने और सुधारने के लिए काम कर रहा है।

शहरी वायु प्रदूषण एक सतत खतरा बना हुआ है, लेकिन राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) जैसे अभियान तेजी से बढ़ रहे हैं। शहरों को वायु गुणवत्ता की निगरानी करने, स्वच्छ ईंधन अपनाने तथा अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार करने के लिए धनराशि दी जा रही है। स्वच्छ भारत अभियान, जिसका प्रारम्भिक लक्ष्य स्वच्छता था, अब इसका दायरा बढ़ाकर इसमें प्लास्टिक अपशिष्ट का पृथक्करण और खाद बनाना भी शामिल कर दिया गया है। जल संरक्षण भी जल शक्ति अभियान, अटल भू-जलयोजना और नदी पुनरुद्धार और जलभृत बहाली के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण दिखाने वाली नमामि गंगे जैसे प्रमुख कार्यक्रम के साथ विकसित हो रहा है।भारत का कृषि क्षेत्र, जिसे पारंपरिक रूप से जलवायु चुनौती के रूप में देखा जाता है, भी परिवर्तित हो रहा है।

परम्परागत कृषि विकास योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से जैविक खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है। सूक्ष्म सिंचाई और जलवायु-अनुकूल कृषि पद्धतियां लोकप्रिय हो रही हैं, जिससे कृषि के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने में मदद मिल रही है। सर्वाधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि इस संबंध में विधि निर्माण भी गति पकड़ रहा है। आधारभूत पर्यावरण संरक्षण अधिनियम से लेकर ई-कचरा, प्लास्टिक प्रबंधन और हरित भवन संहिता पर नए नियमों तक, भारत का कानूनी ढांचा समकालीन चुनौतियों का सामना करने के लिए विस्तारित हो रहा है। इसके अतिरिक्त, " पर्यावरण के लिए जीवनशैली (लाइफ)" पहल जैसे व्यवहार-परिवर्तन अभियान हमें याद दिलाते हैं कि पर्यावरणवाद केवल बड़ी नीति के बारे में नहीं है - यह छोटे, रोजमर्रा के विकल्पों के बारे में भी है। फिर भी हमें कमियों को स्वीकार करना होगा। विभिन्न राज्यों में पर्यावरण संरक्षण कानूनों के कार्यान्वयन में असंगति है। जलवायु वित्त अपेक्षित पैमाने पर नहीं है। विकास और संरक्षण को अभी भी विशेष रूप से शहरी नियोजन में प्रतिस्पर्धी एजेंडे के रूप में देखा जाता है। कानून और दिशा-निर्देशों के बावजूद कई क्षेत्रों में अवैध अतिक्रमण, वनों की कटाई और प्रदूषण जारी है।लेकिन आशा यही है कि यह गति वास्तविक है। इस क्षण को विशेष बनाने वाली बात यह है कि स्थिरता अब कोई छोटा मुद्दा नहीं रह गया है। यह मुख्यधारा की शासन व्यवस्था, बुनियादी ढांचा नियोजन, व्यापार नीति और नागरिक चेतना में प्रवेश कर रहा है।

कक्षाओं से लेकर बोर्डरूम तक, यह विचार जोर पकड़ रहा है कि हमें प्रकृति के साथ रहना चाहिए, उसके विरुद्ध नहीं।इस पृथ्वी दिवस पर, आइए हम यह न पूछें कि प्रकृति हमें अब भी क्या दे सकती है, हम यह पूछें कि अभी भी हम प्रकृति को वापस क्या दे सकते हैं। पेड़ लगाना अच्छी बात है। प्लास्टिक का उपयोग कम करना जरूरी है। लेकिन हमें और आगे बढ़ना होगा। सोच-समझकर उपभोग करें।

जब भी संभव हो सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें। ऐसी नीतियों और नेताओं का समर्थन करें जो स्थिरता को प्राथमिकता देते हैं। प्रकृति के साथ फिर से जुड़ें, न केवल छुट्टियों पर, बल्कि दैनिक जीवन में भी। बच्चों को पृथ्वी का रखवाला बनने के लिए शिक्षित करें, न कि केवल उसका उपयोग करने वाले बनने के लिए। पर्यावरण की सुरक्षा के लिए जवाबदेही निर्धारित करें - उद्योगों की, सरकारों की, और स्वयं की भी।

बिगरी बात बनै नहीं, लाख करौ किन कोय।
रहिमन फाटे दूध को, मथे न माखन होय॥

यदि हम अनियंत्रित शोषण के इस रास्ते पर चलते रहेंगे तो प्रकृति अपने आप को पुनः संतुलित करने के लिए अनुमति का इंतजार नहीं करेगी। क्योंकि मानव-निर्मित बैंक के विपरीत, धरती माता किसी प्रकार का राहत पैकेज नहीं देती। एक बार जब हम इस प्रणाली को दिवालिया बना देंगे, तो कोई बैकअप योजना नहीं बचेगी। और यह संभव है कि हम आगे आने वाली स्थिति के लिए तैयार न हों। कोई दूसरा ग्रह नहीं है। पृथ्वी दिवस को कैलेंडर की एक तारीख से बढ़कर होने दें। इसे नीति, लोगों और ग्रह के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ बनने दें।

संपादकीय

बयानबाजी में तल्खी

अमृता आर. पंडित

वक्फ (संशोधन) अधिनियम के कुछ विवादास्पद प्रावधानों पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा सवाल उठाए जाने पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने शनिवार को तल्ख अंदाज में सुप्रीम कोर्ट पर निशाना साधते हुए कहा कि कानून यदि शीर्ष अदालत ही बनाएगी को संसद भवन को बंद कर देना चाहिए। दुबे ने एक्स कर अपने पोस्ट में अपने कथन की बिना व्याख्या किए यह सब लिखा है। इसी तरह का बयान भाजपा के राज्य सभा सदस्य दिनेश शर्मा ने भी दिया है। अपने नेताओं के बयानों से घिरी भाजपा ने औपचारिक रूप से खुद को इन बयानों से अलग कर लिया है। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शब्द कहा कि दुबे या शर्मा के बयान उनके व्यक्तिगत विचार है, और पार्टी इनसे सहमत नहीं है। भाजपा सांसदों के बयानों पर कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने पलटवार करते हुए इन बयानों को अपमानजनक बताया। दुबे और शर्मा की टिप्पणियां ऐसे समय आई हैं, जब वक्फ (संशोधन) अधिनियम की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर शीर्ष अदालत में सुनवाई चल रही है। यह अधिनियम इस महीने की शुरूआत में संसद ने पारित किया था। अदालत द्वारा इस कानून के कुछ विवादास्पद प्रावधानों पर सवाल उठाए जाने के बाद केंद्र सरकार ने अगली सुनवाई तक उन्हें लागू न करने पर सहमति व्यक्त की है। इससे पहले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा था कि देश में ऐसे लोकतंत्र की कल्पना नहीं की थी, जहां न्यायाधीश कानून बनाएंगे अ ैर कार्यकारी जिम्मेदारी निभाएंगे और ह्यसुपर संसदह्न के रूप में काम करेंगे। दरअसल, धनखड़ सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश का जिक्र कर रहे थे जिसमें राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर विधेयक पर फैसला लेने की समय-सीमा तय की गई है। उनका कहना था कि पहली दफा है जब राष्ट्रपति को तय समय में फैसला लेने को कहा जा रहा है। शीर्ष अदालत द्वारा कोई सवाल उठाने या मौखिक टिप्पणी करने पर असहज होना परिपक्वता की कमी का परिचायक है। वैसे भी ये सवाल किसी राजनीतिक दल या व्यक्ति द्वारा नहीं उठाए थे कि इनमें राजनीतिक अर्थ खोजे जाएं। सुप्रीम कोर्ट और देश की तमाम अदालतें हमारे लोकतंत्र का अभिन्न अंग हैं। संविधान के संरक्षण का मजबूत आधार हैं। उत्पीड़ित महसूस कर रहा पक्ष अदालत का दरवाजा खटखटाता है। उसे विश्वास होता है कि उसका पक्ष अनसुना नहीं रहेगा। अदालतों पर उसका विश्वास है, जो किसी सूरत डमगमाना नहीं चाहिए। राजनीतिक मंतव्यवश हल्की बयानबाजी से बचा चाहिए।

चिंतन-मनन

मृत्यु का अर्थ

मृत्यु एक शात सत्य है। यह अनुभूति प्रत्यक्ष प्रमाणित है, फिर भी इसके संबंध में कोई दर्शन नहीं है। अब तक जितने ऋषि-महर्षि या संत-महंत हुए हैं, उन्होंने जीवन दर्शन की चर्चा की है। जीवन के बारे में ऐसी अनेक दृष्टियां उपलब्ध हैं जिनसे जीवन को सही रूप में समझा जा सकता है और जिया जा सकता है। किंतु मृत्युक को एक अवश्यंभावी घटना मात्र मानकर उपेक्षित कर दिया गया। मृत्यु के पीछ भी कोई दर्शन है, इस रहस्य को अधिक लोग पकड़ ही नहीं पाए। यही कारण है कि जीवन दर्शन की भांति मृत्यु दर्शन जीवन में उपयोगी नहीं बन सका। जैन दर्शन एक ऐसा दर्शन है जिसने जीवन को जितना महत्व दिया, उतना ही महत्व मृत्यु को दिया। बशत्रे कि वह कलात्मक हो। कलात्मक जीवन जीने वाला व्यक्ति जीवन की सब विसंगतियों के मध्य जीता हुआ भी उसका सार तत्व खींच लेता है। इसी प्रकार मृत्यु की कला समझने वाला व्यक्ति भी मृत्यु से भयभीत न होकर उसे चुनौती देता है। जैन दर्शन में इसका सवार्गीण विवेचन उपलब्ध है। मृत्यु का अर्थ है- आयुष्य प्राण चुक जाने पर जीव का स्थूल शरीर से वियोग।इसके कई प्रकार हैं। उन सबका संक्षिप्त वर्गीकरण किया जाए तो मृत्यु के दो प्रकार होते हैं- बाल मरण और पंडित मरण. असंयम और असमाधिमय मरण बाल मरण है। अकाल मृत्यु, आत्महत्या, अज्ञान मरण आदि सभी प्रकार के मरण बाल मरण में अंतर्निहित हैं। संयम और समाधिमय मृत्यु पंडित मरण है। जीवन के अंतिम क्षणों में भी संयम और समाधि का स्पर्श हो जाए तो वह मरण पंडित मरण की गणना में आ जाता है। कुछ व्यक्ति मौत के नाम से ही घबराते हैं। वे जीवन को महत्व देते हैं। अपना-अपना चिंतन है। मुझे इस संबंध में अपने विचार देने हों तो मैं मृत्यु को वरीयता दूंगा। क्योंकि जीवन की सार्थकता भी मृत्यु पर ही निर्भर करती है। किसी व्यक्ति ने तपस्या की है और जागरुकता के साथ धर्म की आराधना की है, तो उसका फल समाधिमय मृत्यु ही है।

लाभार्थी तक पहुंच अब आसान

भारत में 7वां पोषण पखवाड़ा अप्रैल में मनाया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य पोषण ट्रैकर के नए शुरू किए गए लाभार्थी मॉड्यूल के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। यह महत्त्वपूर्ण उपलब्धि सामुदायिक सशक्तिकरण के एक नये चरण की शुरू आत करता है, जिससे नागरिकों के हाथों में सीधे कार्ययोग्य पोषण डेटा उपलब्ध होता है। राष्ट्रीय पोषण नीति ढांचे उर्फ पोषण 2.0 दिशा-निर्देशों के दायरे में शुरू की गई यह नई सुविधा लंबे समय से चली आ रही चुनौती का समाधान करती है: आंगनवाड़ी कायरे में समुदाय का कमजोर स्वामित्व, जिसने अक्सर देश भर में पोषण हस्तक्षेपों की प्रभावशीलता को सीमित कर दिया है। पोषण ट्रैकर मोबाइल-आधारित एप्लिकेशन है जिसका उपयोग पहले से ही हर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा पोषण और बच्चों की देखभाल सेवाओं के वितरण पर वास्तविक समय डेटा प्रदान करने के लिए किया जाता है, अब स्तंभ भी हैं। इस मान्यता ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारत की आध्यात्मिक , सांस्कृतिक और कलात्मक परंपराएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक और प्रभावशाली हैं, जितनी वे सहस्त्रों वर्ष पूर्व थी। चूँकि भगवत गीता व नाट्यशास्त्र न केवल ग्रंथ है बल्कि मानवीय जीवन के लिए प्रेरणा स्त्रोत भारतीय दर्शन कलात्मक व सभ्यता के स्तंभ भी हैं तथा भारत की सांस्कृतिक धरोहर को ऐतिहासिक वैश्विक सम्मान मिलना अत्यंत गौरवपूर्ण बात है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, श्रीमद् भगवत गीता व भरत मुनि के नाट्य शास्त्र को यूनेस्को ने अपने मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रिकॉर्ड रजिस्टर में शामिल किया। साथियों बात अगर हम यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रिकॉर्ड रजिस्टर को जानने की करें तो, यह दस्तावेजी धरोहरों का अंतर्राष्ट्रीय मंच है। यूनेस्को द्वारा मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड कार्यक्रम विश्व की महत्वपूर्ण दस्तावेजी धरोहरों को संरक्षित करने, उनका डिजिटलीकरण और प्रचार-प्रसार करने और उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता देने के उद्देश्य से 1992 में प्रारंभ किया गया था, जिसका मुख्य उद्देश्य ऐसे ऐतिहासिक ग्रंथों, पांडुलिपियों, अभिलेखों, चित्रों, ऑडियो-विजुअल सामग्री और अन्य दस्तावेजी धरोहरों को संरक्षण प्रदान करना और इन्हें सार्वभौमिक विरासत के रूप में स्थापित करना है, जो मानव सभ्यता की स्मृति और संस्कृति को संरक्षित करते हैं। दस्तावेजों की सुरक्षा, डिजिटलीकरण और वैश्विक प्रदर्शन इस बात को सुनिश्चित करता है कि हमारी धरोहरें समय के प्रवाह में विलुप्त न हों बल्कि युगोंयुगों तक प्रासंगिक बनी रहें। यूनेस्को के इस रजिस्टर में किसी दस्तावेज को शामिल किया जाना उसकी वैश्विक मान्यता और कालातीत महत्व का प्रमाण होता हैयूनेस्को की अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार समिति और कार्यकारी बोर्ड द्वारा चयन की गई प्रविष्टियां न केवल संबंधित देशों की धरोहर को मान्यता देती हैं बल्कि शोध, शिक्षा और सांस्कृतिक संवाद को भी बढ़ावा देती हैं।मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड में भारत की 14 प्रविष्टियां व 2025 में यूनेस्को की दस्तावेजी धरोहरों की नई सूची में कुल 74 नए संग्रहों को स्थान दिया गया है, जिससे अब तक इस रजिस्टर में शामिल अभिलेखों की संख्या बढ़कर 570 हो गई है, जो 72 देशों और चार अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से संबंधित हैं। इस वर्ष की प्रविष्टियों में वैज्ञानिक क्रांति, ह्यइतिहास में महिलाओं का योगदानह्न और ह्यबहुपक्षवादह्न जैसे विषयों की झलक मिलती है, जिससे स्पष्ट होता है कि यूनेस्को का उद्देश्य केवल दस्तावेजों का संरक्षण ही नहीं बल्कि मानवता के सांझा मूल्यों और इतिहास की रक्षा भी है।गीता और नाट्यशास्त्र के शामिल होने के साथ अब भारत की कुल 14 प्रविष्टियां ह्यमेमोरी ऑफ द वर्ल्डह्न रजिस्टर में हो चुकी हैं, जिससे प्रमाणित होता है कि भारत अपने दस्तावेजी धरोहरों के संरक्षण और उन्हें विश्व मंच पर प्रस्तुत करने के प्रति प्रतिबद्ध है। इससे पहले ताम्रपत्र,ऋग्वेद,तुलसीदास की रामचरितमानस, पंचतंत्र और अष्टाध्यायी जैसी महत्वपूर्ण कृतियों को भी इसमें स्थान मिल चुका है। भारत के लिए यह न केवल सांस्कृतिक प्रतिष्ठा का विषय है बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए चेतना-संवर्धन का माध्यम भी है। साथियों बात अगर हम दोनों ग्रंथों को यूनेस्को रिकॉर्ड में शामिल करने पर भारतीय संस्कृति की वैश्विक विजय होने की करें तो, बहरहाल, गीता और नाट्यशास्त्र को यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया जाना केवल औपचारिक मान्यता नहीं है बल्कि यह भारत की चिरंतन संस्कृति, शाश्वत ज्ञान और कलात्मक उत्कृष्टता की वैश्विक विजय है। भगवद गीता और नाट्यशास्त्र को यूनेस्को द्वारा आधिकारिक रूप से विश्व स्मृति में शामिल किए जाने के बाद इनके संरक्षण, डिजिटलाइजेशन और अंतर्राष्ट्रीय शोध में तेजी आ सकती है। यह भारत की पोषण : लाभार्थी तक पहुंच अब आसान इसकी पहुंच उन लोगों तक हो गई है, जिन्हें यह सेवा प्रदान करना चाहता है। यह विशेष मॉड्यूल आपको अपने स्थान के सबसे नजदीकी आंगनवाड़ी केंद्र का पता लगाने में सक्षम बनाता है और गर्भवती या स्तनपान कराने वाली महिलाओं, 6 वर्ष तक के बच्चों और किशोरियों के लिए स्व-पंजीकरण की सुविधा प्रदान करता है। महिला लाभार्थी गर्भावस्था के तिमाही, एनीमिया की स्थिति, गर्भावस्था के दौरान वजन बढ़ने को रिकॉर्ड करने और टेक-होम राशन (टीएचआर) और गर्म पके हुए भोजन (एचसीएम) की प्राप्ति पर नजर रखने सहित अपने सेवा इतिहास की निगरानी करने के लिए इस मॉड्यूल का उपयोग कर सकती हैं। माता-पिता और देखभाल करने वाले भी अपने बच्चे की लंबाई और वजन की सक्रिय रूप से निगरानी करने, यह जांचने के लिए कि क्या वे विकास संबंधी क्षमताओं को प्राप्त कर रहे हैं, और टीएचआर और एचसीएम के लिए पात्रता सत्यापित करने के लिए ऐप का उपयोग कर सकते हैं। सबसे महत्त्वपूर्ण विशेषताओं में से एक यह है कि यह लाभार्थियों को आंगनवाड़ी सेवाओं की अपर्याप्त प्राप्ति से संबंधित शिकायतों के निवारण की मांग करने का अधिकार देता है। उदाहरण के लिए, स्तनपान कराने वाली मां, उसका पति या परिवार का कोई भी सदस्य अब टीएचआर न मिलने या स्थानीय आंगनवाड़ी केंद्र की समस्याओं, जैसे अनियमित रूप से खुलने या बुनियादी ढांचे की कमी जैसी समस्याओं की रिपोर्ट कर सकता है। पोषण ट्रैकर का लाभार्थी मॉड्यूल अपने लाभार्थियों के साथ सीधा संबंध स्थापित करके पोषण ट्रैकर को इंटरैक्टिव, नागरिक-केंद्रित, डिजिटल सार्वजनिक स्वास्थ्य और पोषण प्रणाली के लिए एक बेंचमार्क में बदलने के लिए कई आशाजनक रास्ते खोलता है।

डॉ. अनन्या अवस्थी

"भारतीय संविधान की गौरवगाथा"

राजेश श्रीवास्तव

भारतीय संविधान का निर्माण विश्व इतिहास की एक अद्वितीय और प्रेरणादायी प्रक्रिया थी। यह न केवल एक कानूनी दस्तावेज है, बल्कि स्वतंत्र भारत की आकांक्षाओं, सामाजिक न्याय और सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक भी है। 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ यह संविधान विश्व के सबसे लंबे लिखित संविधानों में से एक है। इसके निर्माण में संविधान सभा के सैकड़ों सदस्यों ने योगदान दिया, जिन्होंने विश्व के अनेक संविधानों से प्रेरणा लेकर इसे भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप ढाला। यह दस्तावेज भारत को एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित करता है। संविधान सभा की स्थापना दिसंबर 1946 में कैबिनेट मिशन योजना के तहत हुई। इसका उद्देश्य स्वतंत्र भारत के लिए संविधान तैयार करना था। शुरू में सभा में 389 सदस्य थे, जिनमें 292 ब्रिटिश प्रांतों, 93 देशी रियासतों और 4 मुख्य आयुक्त प्रांतों से थे। 1947 में भारत-पाकिस्तान विभाजन के बाद सदस्यों की संख्या घटकर 299 रह गई। इन सदस्यों ने 2 वर्ष, 11 माह और 18 दिन तक काम किया। सभा ने 11 सत्रों में 165 दिन विचार-विमर्श किया, जिसमें 114 दिन संविधान के प्रारूप पर चर्चा में बीते। 26 नवंबर 1949 को संविधान को अंतिम रूप दिया गया, और 26 जनवरी 1950 को इसे लागू किया गया। यह दिन भारत का गणतंत्र दिवस बन गया। संविधान सभा विभिन्न धर्मों, क्षेत्रों और विचारधाराओं का संगम थी। इसने भारत की एकता और विविधता को एक सूत्र में पिरोया। सभा ने 22 समितियाँ गठित कीं, जिनमें प्रारूप समिति सबसे महत्वपूर्ण थी। 7,635 संशोधन प्रस्ताव आए, जिनमें 2,473 पर चर्चा हुई। प्रारंभ में संविधान में 395 अनुच्छेद, 8 अनुसूचियाँ और 22 भाग थे। संविधान सभा में भारत के प्रमुख बुद्धिजीवी, स्वतंत्रता सेनानी और विधिवेत्ता शामिल थे। डॉ. भीमराव आंबेडकर, प्रारूप समिति के अध्यक्ष, को संविधान का मुख्य शिल्पी माना जाता है। उनकी कानूनी विशेषज्ञता और सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता ने संविधान को सामाजिक परिवर्तन का वाहक बनाया। उन्होंने मौलिक अधिकारों, जैसे अनुच्छेद 14 (कानून के समक्ष समानता), अनुच्छेद 15 (भेदभाव का निषेध) और अनुच्छेद 17 (अस्पृश्यता उन्मूलन), को आधार बनाया। नीति निर्देशक तत्वों में सामाजिक-आर्थिक समानता पर जोर दिया। डॉ. राजेंद्र प्रसाद, सभा के अध्यक्ष, ने बैठकों का कुशल संचालन किया। उनकी निष्पक्षता ने विभिन्न विचारधाराओं के बीच सामंजस्य स्थापित किया। उन्होंने प्रस्तावना को अंतिम रूप देने में योगदान दिया, जो न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को दर्शाती है। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने उद्देश्य प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जो प्रस्तावना का आधार बना। उनके विचारों ने संसदीय लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता को मजबूती दी। उनकी प्रगतिशील सोच ने संविधान को आधुनिक बनाया। सरदार वल्लभभाई पटेल ने 562 रियासतों को भारतीय संघ में शामिल किया। यह कार्य संघीय ढांचे को व्यवहारिक बनाता है। उन्होंने मौलिक अधिकारों और केंद्र-राज्य संबंधों पर सुझाव दिए। उनकी दृढ़ता ने संविधान को राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बनाया। के.एम. मुंशी ने सांस्कृतिक एकता पर जोर दिया। उन्होंने हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं की स्थिति को मजबूत किया। मौलिक अधिकारों को परिष्कृत करने में उनकी भूमिका उल्लेखनीय थी।अल्लादी कृष्णस्वामी अय्यर ने कानूनी ढांचे को मजबूत किया। संसदीय प्रणाली और न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर उनके सुझाव महत्वपूर्ण थे। एन. गोपालस्वामी अयंगार ने केंद्र-राज्य शक्तियों के बंटवारे को आकार दिया। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के विशेष प्रावधान (अनुच्छेद 370) पर काम किया। उनकी प्रशासनिक समझ ने संविधान को व्यावहारिक बनाया। बी.एन. राव, संवैधानिक सलाहकार, ने प्रारंभिक मसौदा तैयार किया और विश्व संविधानों का अध्ययन प्रस्तुत किया। संविधान सभा में 15 महिला सदस्य थीं, जिनमें हंसा मेहता, दुर्गाबाई देशमुख और राजकुमारी अमृत कौर शामिल थीं। हंसा मेहता ने लैंगिक समानता पर जोर दिया। उनके प्रयासों से अनुच्छेद 15 में लिंग आधारित भेदभाव को रोकने वाला प्रावधान जोड़ा गया। दुर्गाबाई देशमुख ने सामाजिक कल्याण और अल्पसंख्यक अधिकारों पर ध्यान दिया। राजकुमारी अमृत कौर ने स्वास्थ्य और शिक्षा को मजबूत किया। इन महिलाओं ने संविधान को समावेशी बनाया। मौलाना अबुल कलाम आजाद ने शिक्षा और धर्मनिरपेक्षता पर जोर दिया। श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने राष्ट्रीय एकता पर विचार व्यक्त किए। प्रेम बिहारी नारायण रायजादा ने संविधान की हस्तलिखित प्रति तैयार की। इसे नंदलाल बोस ने चित्रों से सजाया। यह प्रति भारतीय कला का उत्कृष्ट नमूना है।

संविधान सभा की प्रक्रिया में हर शब्द पर गहन विचार-विमर्श हुआ। यह भारत की सांस्कृतिक विरासत और भविष्य की आकांक्षाओं का संगम था।संविधान के निर्माण में विश्व के 10 से अधिक देशों के संविधानों से प्रेरणा ली गई। संयुक्त राज्य अमेरिका से मौलिक अधिकार और न्यायिक समीक्षा ली गई। अनुच्छेद 19 (अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) और अनुच्छेद 32 (संवैधानिक उपचार) इसके उदाहरण हैं। यूनाइटेड किंगडम से संसदीय लोकतंत्र और कानून का शासन अपनाया गया। भारत की संसद ब्रिटिश वेस्टमिंस्टर मॉडल पर आधारित है। लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका भी इससे प्रेरित है। आयरलैंड से नीति निर्देशक तत्व लिए गए। अनुच्छेद 39 (समान वेतन) और अनुच्छेद 41 (शिक्षा का अधिकार) इसके उदाहरण हैं। कनाडा से संघीय ढांचा और केंद्र-राज्य शक्तियों का बंटवारा अपनाया गया। संघ, राज्य और समवर्ती सूचियाँ इसके प्रमाण हैं। ऑस्ट्रेलिया से समवर्ती सूची और संसद की संयुक्त बैठक (अनुच्छेद 108) ली गई। फ्रांस से स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के आदर्श लिए गए, जो प्रस्तावना में दिखते हैं। सोवियत संघ से मूल कर्तव्य (अनुच्छेद 51ए) और सामाजिक कल्याण के विचार लिए गए। दक्षिण अफ्रीका से संशोधन प्रक्रिया (अनुच्छेद 368) अपनाई गई। जर्मनी के वाइमर संविधान से आपातकाल प्रावधान (अनुच्छेद 352, 356) लिए गए। जापान से उचित प्रक्रिया (अनुच्छेद 21) प्रेरित है। इन देशों की विशेषताओं को भारतीय संदर्भ में ढाला गया, जैसे अस्पृश्यता उन्मूलन और गांधीवादी सिद्धांत। यह संश्लेषण भारतीय संविधान को अद्वितीय बनाता है। यह विश्व की सर्वोत्तम विशेषताओं को आत्मसात करता है, साथ ही भारत की चुनौतियों–गरीबी, अशिक्षा, सामाजिक असमानता–को संबोधित करता है। मौलिक अधिकार सामाजिक भेदभाव को रोकते हैं। नीति निर्देशक तत्व गांधीवादी और समाजवादी आदर्शों को बढ़ावा देते हैं। संसदीय प्रणाली धर्मनिरपेक्षता को मजबूत करती है। संघीय ढांचा एकता को प्राथमिकता देता है। भारतीय संविधान 299 सदस्यों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। यह भारत की आत्मा का प्रतिबिंब है। यह स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को समर्पित है। यह विविधता को एकजुट करता है और सामाजिक परिवर्तन को प्रेरित करता है। विश्व के संविधानों से ली गई प्रेरणा ने इसे समय की कसौटी पर खरा उतरने वाला बनाया। यह विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की नींव है और भारत को प्रगतिशील भविष्य की ओर ले जाता है।

संक्षिप्त डायरी

पुलिस गिरफ्त में आते ही खुद को निर्दोष बताने लगी लेडी डॉन जिकरा

नई दिल्ली/ भव्य खबर। दिल्ली के सीलमपुर में कुणाल की हत्या के बाद से अब तक 9 लोग गिर तार किए जा चुके हैं। इसमें सबसे बड़ा नाम लेडी डॉन के नाम से मशहूर जिकरा का है। कुणाल हत्याकांड में 2 नाबालिग लड़कों का भी नाम है। आज लेडी डॉन ने कैमरे के सामने खुद को निर्दोष बताया है। उसने पुलिस गिर त के बीच कहा कि उसे बेवजह फंसाया जा रहा है। जिकरा ने कहा कि उसने कुणाल की हत्या नहीं की है। आज सीलमपुर हत्याकांड की मु य आरोपी लेडी डॉन जिकरा को पुलिस की निगरानी के बीच ले जाया जा रहा था। इस दौरान मीडिया वालों ने उसे घेर लिया। उनमें से एक ने पूछा कि तुमने कुणाल को यों मारा? मुंह को कपड़े से ढंके जिकरा ने कहा कि मैंने कुणाल को नहीं मारा। मुझे बेवजह फंसाया जा रहा है। इतना बोलने के बाद महिला कॉन्सटेबल ने उसे गाड़ी के अंदर बिठा दिया। इस दौरान भी वह यही दोहराती रही कि उसने कुणाल की हत्या नहीं की है और उसे फंसाया जा रहा है। दिल्ली पुलिस ने अब तक उारपूर्वी दिल्ली के सीलमपुर इलाके में 17 वर्षीय लड़के की चाकू मारकर हत्या करने के मामले में दो किशोरों सहित आठ लोगों को पकड़ा है। आठों आरोपियों को शनिवार को गिर तार किया गया। उनमें से छह की पहचान साहिल (18), सोहैब (35), नफीस (32), अनीश (19), जाहिदा (42) और विकास (29) के रूप में हुई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि 18 अप्रैल को, जिकरा (19), जो जेल में बंद गैंगस्टर हाशिम बाबा की पत्नी के लिए बाउंसर का काम करती थी। न्यू सीलमपुर का रहने वाला कुणाल 17 अप्रैल की शाम को जे-लॉक, झुग्गी सीलमपुर में चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। उसके परिवार के सदस्य उसे जेपीसी अस्पताल ले गए, जहां डॉ टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कुणाल की मां का रो-रोकर बुरा हाल है। मां ने अपने बेटे को मारने वालों के लिए भी उसी तरह मौत की दुआ की है। मां की मांग है कि उन आरोपियों को भी वैसे ही तड़पाकर मारा जाए जैसे उनके बेटे को मारा था।

दिल्ली में तीन फै टरियों में लगी आग, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली/ भव्य खबर। उार पश्चिमी दिल्ली के लॉरेंस रोड औद्योगिक क्षेत्र में स्थित तीन फै टरियों में सोमवार सुबह आग लग गई जिसके बाद अधिकारियों ने दमकल की 20 गाडिड़ों को घटनास्थल पर भेजा। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, फै टरियों में आग लगने की इन घटनाओं में कोई हताहत नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि एक फै टरी में कार्डबोर्ड पैकेजिंग सामग्री बनती थी, दूसरी में जूते और तीसरी फै टरी में मोजे बनते थे। डीएफएस के एक अधिकारी ने बताया कि लॉरेंस रोड के केपीएम इलाके में स्थित एक फै टरी में आग लगने की सूचना सुबह करीब सात बजकर 20 मिनट पर मिली। उन्होंने कहा, 'शुरू में दमकल की 14 गाडिड़ां घटनास्थल पर भेजी गईं तथा बाद में छह और गाडिड़ां भेजी गईं। आग बुझाने का काम पूर्वाह्न 11 बजकर 20 मिनट तक जारी रहा। अधिकारी ने बताया, 'आग ने तीन फै टरियों को अपनी चपेट में ले लिया। आग पर काबू पा लिया गया है। अधिकारी ने बताया कि आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। मामले की विस्तृत जांच की जाएगी।

हार के डर से पीछे हटी आप सीएम रेखा गुप्ता ने किया तीखा हमला

नई दिल्ली/ भव्य खबर। दिल्ली की मु यमंत्री रेखा गुप्ता ने हार के डर से 25 अप्रैल को होने वाले मेयर चुनाव से दूर रहने का फैसला करने के लिए सोमवार को आप की आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि यह फैसला अंदरूनी कलह और राजनीतिक शर्मिंदगी के डर से जुड़ा हुआ है। सीएम गुप्ता ने कहा, यह अच्छा है कि उन्हें समय रहते यह एहसास हो गया कि हवा उनके खिलाफ बह रही है। उन्होंने कहा आज आप के पार्षद और नेता अपने ही नेताओं से परेशान हैं। पार्टी दिल्ली में तेजी से अपनी जमीन खो रही है और लोग अब उन पर भरोसा नहीं करते। सीएम गुप्ता ने चुनाव परिणामों पर दोहरे मापदंड अपनाने के लिए आप पर निशाना साधा। सीएम गुप्ता ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, अगर वे कोई चुनाव जीतते हैं, तो वे इसे अपनी लोकप्रियता के संकेत के रूप में प्रचारित करते हैं। अगर वे चुनाव हार जाते हैं, तो वे ईवीएम और पूरी व्यवस्था को दोष देना शुरू कर देते हैं।

दिल्ली में 85 करोड़ की परिजोयना में हुआ बड़ा घोटाला

नई दिल्ली/ भव्य खबर। दिल्ली में जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने पूर्व की आम आदमी पार्टी सरकार पर सीवर के पानी को शुद्ध करने के लिए साफ-सफाई ताल परियोजना (ऑ सीडेशन पोंड) स्थापित करने के नाम पर 85 करोड़ खर्च कर बड़ा घपला करने का आरोप लगाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ताल परियोजना में करीब 40 करोड़ रुपये घास लगाने पर ही खर्च कर दिए गए। मंत्री ने कहा, बगैर मूल्यांकन कराए सीवर के पानी को साफ करने के लिए तमाम नई तकनीक उपलध होने के बाद भी ताल वाली एक अप्रचलित बहुत पुरानी प्रणाली अपनाई गई, जिससे साफ होता है कि किसी को लाभ पहुंचाने के लिए यह अनुपयोगी काम किया गया। जल मंत्री वर्मा ने निमार्णाधीन परियोजना पर खर्च हुई राशि की जांच के निर्देश दिए हैं और दोषियों पर कार्रवाई करने को कहा है। प्रवेश वर्मा ने लगातार तीसरे दिन तिलक ब्रिज पर जलभराव से निपटने के कार्यों का भी निरीक्षण किया। जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने रविवार को तिमारपुर स्थित इस परियोजना स्थल का औचक निरीक्षण किया और वहां अधिकारियों से विस्तृत जानकारी लेते हुए लंबे समय से इस अधूरी परियोजना की गंभीर खामियों पर सवाल उठाए। निरीक्षण में सामने आया कि यह परियोजना आज तक पूर्ण रूप से तैयार भी नहीं हो सकी है, जबकि इसमें अब तक जनता के कर के 85 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। वर्मा ने कहा, आप सरकार द्वारा किए गए भ्रष्टाचार का यह जीता-जागता उदाहरण है कि करीब 35 से 40 करोड़ रुपये सिर्फ घास और लैंडस्केपिंग पर खर्च कर दिए गए, जबकि करीब 45 करोड़ रुपये ताल बनाने में खर्च हुए। उन्होंने सवाल उठाया कि यह पैसा कहां गया? इसका जवाब जनता को चाहिए।

आप नहीं लड़ेगी मेयर का चुनाव, अब दिल्ली में होगी ट्रिपल इंजन की सरकार

-आप नेता सौरभ ने कहा-अब बीजेपी को बिना बहाना बनाए काम करना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में आगामी महापौर चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। चुनाव 25 अप्रैल को होना हैं और सोमवार को नामांकन दाखिल करने का आखिरी तारीख है। आप ने ऐलान किया है कि वह मेयर पद के लिए कोई उम्मीदवार नहीं खड़ा करेगी क्योंकि पार्टी के पास वर्तमान में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में पर्याप्त संख्या नहीं है, जहां बीजेपी बहुमत में है। इसके साथ ही बीजेपी दिल्ली में ट्रिपल इंजन सरकार स्थापित करने के लिए तैयार है जिसका नियंत्रण केंद्र, दिल्ली प्रशासन और अब एमसीडी पर भी होगा।

आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि हमने फैसला किया है कि इस बार मेयर का चुनाव नहीं लड़ेंगे। बीजेपी को अपना मेयर चुनकर अपनी स्थायी समिति बनानी चाहिए और बिना किसी बहाने के दिल्ली पर शासन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस दिन से दिल्ली में एमसीडी चुनाव तय हुए हैं, तब से सत्ता हथियाने की बीजेपी की बेचैनी सबके सामने दिख रही है, चाहे वह चुनाव टालकर एकीकरण करना हो, या परिसीमन के नाम पर बीजेपी के लिए छोटे-छोटे वार्ड बनाना हो या फिर लगातार भ्रष्ट तरीकों का इस्तेमाल करके मेयर और स्टैंडिंग कमेटी के चुनाव जीतने की कोशिश करना हो।

उन्होंने कहा कि अब बीजेपी के पास केंद्र है, उनके एलजी हैं, उनकी दिल्ली सरकार है, और एमसीडी भी उनके पास होगी, इसलिए अब उन्हें दिल्ली की जनता के सामने कोई बहाना नहीं बनाना चाहिए और उन्हें दिखाना चाहिए कि दिल्ली में पूरा प्रशासन कैसे चलाया जाता है। हार झेलने के बाद एमसीडी में बीजेपी की

ताकत 119 हो गई है, क्योंकि पिछले कुछ महीनों में कई आप विधायकों ने पार्टी छोड़ दी है। एमसीडी में मनोनीत सांसद और विधायक दोनों ही मेयर और डिप्टी मेयर के पदों के लिए होने वाले चुनावों में वोट देने के पात्र हैं। एमसीडी सचिव कार्यालय द्वारा जारी नोटिस के मुताबिक निगम 25 अप्रैल को अपनी साधारण बैठक आयोजित करेगा। दोपहर 2 बजे मेयर और डिप्टी मेयर के लिए चुनाव कराया जाएगा।

जीपीएस लगे टैंकर रेखा सरकार पर भड़की आप

नई दिल्ली। दिल्ली की बीजेपी सरकार और आम आदमी पार्टी के बीच आरोप प्रत्यारोप का दौर जारी है। एक बार फिर से आप के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि दो महीने पूरे होने पर लग रहा था कि बीजेपी कुछ बड़ा अनाउंस करेगी, कोई बड़ी योजना शुरू की जाएगी। नेता ने तंज करते कहा है कि ये बेहद हास्यास्पद है कि दो महीने के अंदर बीजेपी की सरकार फुलेरा की पंचायत बन गई है। आप नेता ने बीजेपी पर झूठ बोलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पार्टी के दिन रात झूठ बोलती है। उन्होंने साल 2015 की अखबार की रिपोर्ट दिखाते हुए कहा है कि टैंकर में जीपीएस लगे हुए थे, जल बोर्ड के अंदर उन्हें मॉनिटर कर सकते थे, 2023, 2024 में भी जीपीएस लगे हुए थे। रेखा सरकार पर निशाना साधते हुए सौरभ भारद्वाज ने कहा कि इस साल मुख्यमंत्री कहती हैं कि हमने जीपीएस लगे टैंकर की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि कोई इतना झूठ कैसे बोल सकता है। नेता ने कहा कि सरकार कहती है कि 1111 टैंकर शुरू किए। उन्होंने कहा कि सिर्फ और सिर्फ बयानबाजी और हेडलाइंस के लिए काम किया जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने बजट को लेकर भी सरकार को घेरा। आप नेता ने कहा कि इन्होंने एक लाख करोड़ बजट दिया जो झूठा है। उन्होंने कहा कि जितना रेवेन्यू आएगा उसको एड करके बजट बनाया जाएगा, लेकिन दिल्ली सरकार ने पहले एक लाख का बजट तय कर लिया और फिर उसके हिसाब से उसे रेवेन्यू में डिवाइड कर दिया।

भाजपा ने एमसीडी में सरदार राजा इकबाल सिंह को मेयर और जय भगवान यादव को डिप्टी मेयर कैंडिडेट बनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने एमसीडी में सरदार राजा इकबाल सिंह को मेयर और जय भगवान यादव को डिप्टी मेयर कैंडिडेट बनाया है। दिल्ली के मेयर चुनाव में आम आदमी पार्टी हिस्सा नही ले रही है। इससे भाजपा के लिए जीत का रास्ता और आसान हो जाएगा। आप दिल्ली अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा, हमने फैसला किया है कि हम इस बार मेयर के चुनाव में आम आदमी पार्टी का उम्मीदवार नहीं उतारेंगे। भाजपा को अपना मेयर चुनना चाहिए, भाजपा को अपनी स्थायी समिति बनानी चाहिए और बिना किसी बहाने के दिल्ली पर शासन करना चाहिए। सौरभ भारद्वाज ने कहा, जिस दिन से दिल्ली में एमसीडी चुनाव तय हुए हैं, तब से सत्ता हथियाने की भाजपा की बेचैनी सभी को दिखाई दे रही है, चाहे वो चुनाव टालकर एकीकरण करना हो, या परिसीमन के नाम पर भाजपा के लिए छोटे-छोटे वार्ड बनाना हो या फिर लगातार भ्रष्ट तरीकों का इस्तेमाल करके मेयर और स्थायी समिति के चुनाव जीतने की कोशिश करना हो। अब भाजपा के पास केंद्र है, उनके पास एलजी हैं, उनके पास दिल्ली सरकार है, और उनके पास एमसीडी भी होगी, इसलिए अब उन्हें दिल्ली की जनता के सामने कोई बहाना नहीं बनाना चाहिए।

'दिल्ली फतेह दिवस' को समर्पित जर्नैली मार्च आयोजित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से 'दिल्ली फतेह दिवस' के दूसरे और अंतिम दिन जर्नैली मार्च का आयोजन किया गया, जिसमें खालसा पंथ की विभिन्न जत्थेबंदियों ने दल-बल सहित भाग लिया। यह जर्नैली मार्च छत्ता पुल से शुरू होकर लाल किले पर समाप्त हुआ।

इस मौके पर संबोधित करते हुए कमेटी के प्रधान सरदार हरमीत सिंह कालका, जनरल सेक्रेटरी सरदार जगदीप सिंह काहलों और धर्म प्रचार कमेटी के चेयरमैन सरदार जसप्रीत सिंह करमसर ने बताया कि पहले लोगों को यह जानकारी नहीं थी कि खालसा ने दिल्ली पर फतेह (विजय) हासिल की थी। लोगों को तिस हजारी और मोरी गेट के ऐतिहासिक महत्व के बारे में नहीं पता था।

उन्होंने बताया कि जब मुगल हुकूमत ने दिल्ली के सभी दरवाजे बंद कर दिए थे, तब

खालसा फौज ने मोरी (सुरंग) बनाकर लाल किले में प्रवेश किया और विजय प्राप्त की। आज यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने सिख बच्चों को यह इतिहास बताएं, क्योंकि यही लाल किला वह जगह है जहां यह इतिहास लिखा गया।

उन्होंने बताया कि आज के जर्नैली मार्च में 96 करोड़ी बुढ़ा दल के मुखी बाबा बलबीर सिंह, संत समाज व अन्य संप्रदायों के प्रमुखों सहित संगत ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि गुरु हरकृष्ण पब्लिक स्कूल के बच्चों ने भी इस मार्च में हिस्सा लिया।

उन्होंने कहा कि कुछ लोग गुरु हरकृष्ण पब्लिक स्कूलों को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि ये कौम की ऐतिहासिक संस्थाएं हैं जहाँ बच्चों को विशेष शिक्षा दी जाती है। उन्होंने इन स्कूलों को चलाने में सहयोग देने के लिए स्टाफ का विशेष रूप से धन्यवाद किया।

उन्होंने दो दिवसीय 'दिल्ली फतेह दिवस' के आयोजन में सहयोग देने वाले दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के समस्त स्टाफ का भी आभार जताया, जिन्होंने खराब मौसम के बावजूद पूरी मेहनत से यह कार्यक्रम सफल बनाने में मदद की।

उन्होंने कहा कि 'दिल्ली फतेह दिवस' का अपना विशेष महत्व है और आने वाले समय में इसे और अधिक उत्साह के साथ मनाया जाएगा। उन्होंने इस दिवस के आयोजन में लंगर सेवा करने वाले महापुरुषों का भी विशेष रूप से धन्यवाद किया।

अवैध मीट की दुकानों पर कार्रवाई धार्मिक नहीं मनजिंदर सिंह सिरसा का बड़ा बयान

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में पर्यावरण मंत्री और राजौरी गार्डन से बीजेपी विधायक मनजिंदर ने अवैध मीट की दुकानों को बंद करने की मांग पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने इस मसले पर अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि इस तरह की कार्रवाई को धर्म के चश्मे से देखने की जरूरत नहीं है। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने उत्तरी दिल्ली के बुराड़ी में एक कार्यक्रम में साफ शब्दों में कहा शहर में अवैध मीट की दुकानों को बंद करने की जरूरत है। दिल्ली में जो भी अवैध दुकान हैं, उन्हें बंद किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा राष्ट्रीय राजधानी में यह मुद्दा बड़े पैमाने पर है। राजौरी गार्डन क्षेत्र में यह समस्या सबसे ज्यादा गंभीर है। हजारों अवैध बाजार और रंगाई इकाइयां खुल गई हैं। कर्मचारियों की सेवा के लिए सैकड़ों भोजनालय खुल गए हैं। अगर हम इन भोजनालयों को बंद नहीं करेंगे, तो लोग मजबूरन यहां जाएंगे। राजौरी गार्डन क्षेत्र में दौरे के दौरान उन्होंने कहा था कि अवैध और बिना लाइसेंस वाले कच्चे मांस की दुकानें, ढाबे, प्रदूषण फैलाने वाले तंदूर, अवैध डेनिम फैक्ट्रियां इन इलाकों में अपराध होते हैं और लोग असुरक्षित महसूस करते हैं।

दिल्ली भाजपा 5 मई तक प्रदेश भर में चलाएगी वक्फ सुधार जनजागरण अभियान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली भाजपा द्वारा आज से पूरे प्रदेश में वक्फ सुधार जनजागरण अभियान की शुरुआत की गई जिसको लेकर दिल्ली प्रदेश भाजपा कार्यालय में अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी एवं प्रदेश महामंत्री विष्णु मित्तल की उपस्थिति में एक बैठक की गई। बैठक में कार्यक्रम के संयोजक आतिफ रशीद, अल्पसंख्यक मोर्चा दिल्ली प्रदेश प्रभारी कारी मोहम्मद हारून, अध्यक्ष अनीश अब्बासी के अलावा अनेकों जिला अध्यक्ष वा प्रदेश टीम के लोग उपस्थित रहे।

इस मौके पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने मुस्लिम समाज को वक्फ संशोधन बिल से मिलने वाले लाभ के विषय में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 05 मई तक मंडल स्तर पर इस जन जागरण अभियान का आयोजन किया गया है ताकि विपक्ष द्वारा दिल्ली के लोगों को वक्फ संशोधन बिल को लेकर फैलाए जा रहे भ्रम को दूर किया जा सके।

अपने संबोधन में जमाल सिद्दीकी ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार किसी भी हालत में वक्फ बोर्ड को कमजोर नहीं करना चाहती है बल्कि उसे लौह स्तंभ की तरह और मजबूत करना चाहती है जिसके लिए कुछ संशोधन किए गए है और जो देश के मुसलमानों को धैर्यपूर्ण समझने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस बिल के माध्यम से देश के अनेकों राज्यों में भाजपा सरकार वक्फ प्रॉपर्टियों को कब्जे से मुक्त करवाएगी और गरीब, पिछड़े मुस्लिमों को उनका हक दिलवाने का काम करेगी और इसी कारण इन प्रापर्टी चोरों पर नकेल कसने के लिए ही ये संशोधन बिल लाया गया है।

श्री जमाल ने कहा कि आने वाले समय में भारत में मुसलमानों का विकास होने से कोई रोक नहीं सकता क्योंकि दुनिया में लोगों का भला करने के लिए अल्लाह अपना एक बंदा भेजता है और हमारे बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अल्लाह के उसी बंदे के रूप में कार्य कर रहे हैं। वहीं इस मौके पर भाजपा दिल्ली प्रदेश के महामंत्री विष्णु मित्तल ने कहा कि वक्फ़ बोर्ड का मतलब भ्रष्टाचार का अड्डा लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता के चलते और देश के मुसलमानो के अधिकारों की रक्षा करते हुए इस बिल को पास करवाया जिससे अब भ्रष्टाचारियों द्वारा कब्जाई जमीनें मुक्त हो सकेंगी और जरूरतमंदों के हितों में काम आ सकेंगी।

अल्पसंख्यक मोर्चा दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष अनीश अब्बासी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ सबका विकास का विस्तार हो रहा है जिसमें महिलाओं की सहभागिता को प्रमुख रूप से देखा जा रहा है। उन्होंने कहा के हम पीएम मोदी का धन्यवाद करते हैं कि उन्होंने वक्फ बिल को संशोधित करके देश के मुसलमानों को उनका हक दिलाने का काम किया है।

आर्टिस्ट राजेश कुमार की पुस्तक केदार से कैलाश का विमोचन संपन्न

-साहित्य प्रेमी मंडल की स्थापना के चालीस वर्ष पूर्ण

नई दिल्ली (एजेंसी)। साहित्य प्रेमी मंडल की स्थापना के चालीस वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भव्य स्वर गंगा कवि सम्मेलन तथा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर साहित्य प्रेमी मंडल के उपाध्यक्ष आर्टिस्ट राजेश कुमार की पुस्तक केदार से कैलाश तक तथा पत्रिका विनायक का विमोचन भी किया गया। किताब का संपादन कवि पी.के आजाद द्वारा किया गया जिस की प्रस्तावना कवि डॉ प्रवीण शुक्ल द्वारा लिखी गई है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा और अध्यक्ष के रूप में दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंदर गुप्ता की उपस्थिति रही। इस अवसर पर विधायक जितेन्द्र महाजन और संस्था के सचिव पंकज शर्मा ने समारोह को गरिमा प्रदान की। समारोह में पदमश्री कवि डॉ सुरेंद्र दुबे को अल्हड़ बीकानेरी सम्मान, डॉ हरिओम पंवार को साहित्य भारती सम्मान, डॉ विष्णु सक्सेना को काव्य किशोर सम्मान और बलराम श्रीवास्तव को निरालाश्री सम्मान से सम्मानित किया गया। प्रत्येक कवि को इक्यावन हजार रुपये सम्मान राशि, प्रशस्ति पत्र, अंग वस्त्र और प्रतीक चिन्ह प्रदान किए गए। इस अवसर पर आयोजित कवि सम्मेलन में डॉ प्रवीण शुक्ल के संचालन में पूनम वर्मा, रसिक गुप्ता और मुकेश शर्मा ने भी काव्य पाठ किया। संस्था के महासचिव डॉ प्रवीण शुक्ल ने संस्था की चालीस वर्ष की यात्रा और उसकी गतिविधियों पर प्रकाश डाला। संस्था के कोषाध्यक्ष निर्दोष शर्मा ने सभी का धन्यवाद किया। संस्था अध्यक्ष सुबेसिंह पराशर, सचिव आदेश शर्मा, सचिव पी.के आजाद ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। राजेश कुमार ने अपनी पुस्तक केदार से कैलाश तक के सफर की बारे में चर्चा की। संस्था के चालीस वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर डॉ कीर्ति काले ने अपनी संस्था अंतरराष्ट्रीय सकारात्मक साहित्य मंच की ओर से डॉ हरिओम पंवार, डॉ विष्णु सक्सैना, विधायक जितेन्द्र महाजन के साथ डॉ प्रवीण शुक्ल का सम्मान किया। अंत में सचिव पंकज शर्मा तथा योगिता शर्मा द्वारा पुस्तक के संपादक पी.के आजाद का सम्मान किया गया।

दिल्ली का स्वास्थ्य सिस्टम फिर से आएगा पटरी पर : विनोद जायस

-रेखा गुप्ता सरकार सभी मोर्चों पर मजबूती से काम में जुटी है

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली का स्वास्थ्य सिस्टम एक बार फिर से पटरी पर आने वाला है। दिल्ली की भाजपा सरकार ने इस ओर बड़ी तेजी से कदम उठाने शुरू कर दिए है। यह कहना है भारतीय जनता पार्टी उत्तर पूर्वी जिले के उपाध्यक्ष ठाकुर विनोद जायस का। विनोद जायस कहते है पिछले एक दशक में आम आदमी पार्टी की सरकार की वजह से दिल्ली का स्वास्थ्य सिस्टम एकदम से लचर हो चुका था। आलम यह रहा कि अस्पतालों तथा डिस्पेंसरियों से गरीब लोगो को पूरी दवाएं तक नहीं मिलती थी। मरीजों की पूरी जांच तक नहीं हो पाती थी। लोगो को मजबूरी में बाज़ार से महंगी दवा खरीदनी पडती थी। विनोद जायस कहते हैं जिस मौहल्ला क्लिनिक की वाहवाही करते आप पार्टी के नेता नहीं थकते थे उनमें डाक्टरों तथा अन्य स्टाफ की भारी कमी रहती थी लोगो को घटिया तथा सस्ती दवा वो भी आधी अधूरी मात्रा में मिलती थी। विनोद जायस कहते है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार सभी मोर्चों पर मजबूती से काम में जुटी है उसी तरह दिल्ली सरकार स्वास्थ्य सिस्टम को भी बेहतर बनाने की दिशा में कदम उठा रही है। विनोद जायस कहते हैं नई सरकार के आने के बाद दिल्ली में स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। आने वाले दिनों में राजधानी में 70 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की शुरुआत की जाएगी। सरकार की योजना के तहत हर विधानसभा क्षेत्र में एक आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोला जाएगा, जिससे स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर की जा सकें। सरकार का लक्ष्य है कि एक साल में कुल 1139 आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित किए जाएं। जिसकी घोषणा दिल्ली सरकार पहले ही कर चुकी है। विनोद जायस कहते हैं दिल्ली की मुख्यमंत्री ने यह भी कहा है कि केंद्र सरकार से दिल्ली सरकार को 2400 करोड़ रुपये दिए जाने हैं, जिसका इस्तेमाल दिल्ली में स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए किया जाएगा। 400 नए हेल्थ एंड वेल्थ सेंटर खोले जाएंगे। बीते दिनों मुख्यमंत्री ने कहा था कि दिल्ली के अस्पतालों में बेड नहीं हैं, डॉक्टरों की भी कमी है। 24 अस्पताल, जो कोरोना काल के दौरान शुरू किए गए थे, वो आज भी चालू हालात में नहीं हैं, पिछली सरकार ने काम नहीं किया। इसके साथ मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्पष्ट किया कि उनकी सरकार केंद्र सरकार की सभी योजनाओं को दिल्ली की जनता तक पहुंचाएगी, ताकि लोगों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके। विनोद जायस कहते हैं यह पहल प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के तहत केंद्र के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने के बाद की गई है और इसका उद्देश्य शहर के प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा नेटवर्क को मजबूत करना है।

महंगाई के विरोध में किया गया प्रदर्शन : गौरी शंकर शर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोक समाज पार्टी दिल्ली इकाई द्वारा आसमान छूती महंगाई में भी रसोई गैस सिलेंडर का दाम बढ़ाने के विरोध में जंतर मंतर नई दिल्ली पर धरना प्रदर्शन किया गया जिसकी अध्यक्षता लोकसभा पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव बच्चन सिंह करैतिया ने की। इस कार्यक्रम के संयोजक दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष (महिला सभा) कांता पिंगोलिया थीं। इस अवसर पर, पूर्वी जिला अध्यक्ष सतपाल, शाहदरा जिला अध्यक्ष अरविंद नागर (एडवोकेट), सरस्वती नेगी, कृष्णा पंत, पंकज पंत, सुरेश दुबे, चेतन दास, किशन पाल, गोपीचंद, रोहित चौहन, दीपांशु, कार्तिक, मनोज डी के वर्मा (एडवोकेट), कल्लन सिद्दीकी सहित सैकड़ों लोग शामिल थे। इस अवसर पर लोक समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरी शंकर शर्मा (एडवोकेट) ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा लोकसभा 2014 के चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी का जनता में यह विशेष नारा दिया गया कि बहुत हुई महंगाई की मार अबकी बार मोदी सरकार तब से लेकर अब तक वस्तुओं के दाम आसमान छूने जा रहे हैं। उसके बावजूद भारत सरकार सिलेंडर के दाम 50 रुपए बढ़ाकर दिल्ली की जनता ही नहीं पूरे देश के साथ विश्वासघात किया है। अभी फरवरी में 2025 में दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद और भाजपा के दिग्गज नेताओं नें कहा था कि दिवाली और होली पर मुफ्त सिलेंडर दिया जाएगा तथा सिलेंडर के दाम भी काम किए जाएंगे। दिल्ली की मुखिया रेखा गुप्ता को बनाया गया लेकिन होली में दिल्ली वासियों को मुफ्त सिलेंडर देने के बजाय उल्टा रसोई गैस के दाम बढ़ा दिया गया। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड तेल के दाम कम हो रहे हैं तो भारत सरकार डीजल पेट्रोल में दम काम करने के बजाय जीएसटी का रेट बढ़ा करके जनता को डीजल पेट्रोल पर कोई छूट नहीं दे रही है। इससे यही साबित होता है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार गोलवलकर के विचारों को साकार कर रहीं है। गोलवलकर की सोच थीं अगर लंबे समय तक शासन करना है तो देश की जनता को गरीब बना कर रखो जिससे जनता दो वक्त की रोटी के लिए जूझते रहे और सरकार के खिलाफ आवाज उठाने के लिए सोच न सके। उन्होंने आगे कहा की दामों को कंट्रोल करने के लिए जस्टिस वी एम तरकुंडे समिति की रिपोर्ट लागू किया जाना चाहिए अर्थात लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव सरकारी फंड से कराया जाना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी की सरकार पूंजीपतियों के फंड से सरकार बनती है इसलिए उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करती है। डॉक्टर राम मनोहर लोहिया ने नेहरू जी के टाइम पर ही यह आंदोलन करते थे कि दाम बांधों काम दो नहीं तो गद्दी छोड़ दो आज लोक समाज पार्टी ने उसी के तर्ज पर भारत सरकार से ज्ञापन में दाम बांधने और काम देने के साथ जस्टिस पीएम तारकुंडे समिति की रिपोर्ट लागू करने के लिए प्रधानमंत्री भारत सरकार को ज्ञापन दिया।

संक्षिप्त डायरी

श्री राधेश्याम त्रिपाठी छात्रवृत्ति पर-ीक्षा परिणाम घोषित, चयनित 100 मेधावी छात्रों में खुशी की लहर

सुलतानपुर/ भव्य खबर । सत्यपथ फाउंडेशन द्वारा आयोजित श्री राधेश्याम त्रिपाठी छात्रवृत्ति परीक्षा 2025 का बहुप्रतीक्षित परिणाम घोषित कर दिया गया है। फाउंडेशन के संरक्षक विवेक तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि परीक्षा के माध्यम से 100 मेधावी छात्र-छात्राओं का चयन किया गया है, जिनमें 58 बालक और 42 बालिकाएं शामिल हैं। इस वर्ष परीक्षा में तहसील क्षेत्र के 2430 छात्रों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 1820 छात्रों ने परीक्षा में प्रतिभाग किया। फाउंडेशन द्वारा चयनित छात्र-छात्राओं को कक्षा 9 से 12 तक हर वर्ष क्रमशः 9,000 से 12,000 रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी, जिससे उनकी माध्यमिक शिक्षा को मजबूत आर्थिक सहारा मिलेगा। एक मई को पं. राधेश्याम त्रिपाठी की जयंती के अवसर पर चयनित मेधावी छात्रों को सम्मानित किया जाएगा और छात्रवृत्ति की राशि सीधे उनके बैंक खातों में ट्रांसफर की जाएगी। इससे पहले सभी चयनित छात्रों का सत्यापन संबंधित विद्यालयों से कराया जाएगा।इस घोषणा से छात्रों और अभिभावकों में उत्साह का माहौल है। शिक्षा के क्षेत्र में यह प्रयास न सिर्फ प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने में सहायक है, बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को सशक्त बनाने की दिशा में एक सराहनीय कदम भी है।

भीषण अग्निकांड में दो साल की मासूम की जलकर मौत, मां गंभीर, घर का सारा सामान राख

सुलतानपुर/ भव्य खबर । बल्दीराय थाना क्षेत्र के पूरे लाला मजरे सोनवरसा गांव में रविवार रात एक दर्दनाक हादसे ने पूरे गांव को झकझोर दिया। हरीश वर्मा के छप्परनुमा मकान में रात करीब 12 बजे संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई, जिसमें उनकी दो वर्षीय बेटी पूनम की जलकर मौत हो गई, जबकि पत्नी गीता (35) गंभीर रूप से झुलस गईं। आग इतनी भयावह थी कि घर का सारा सामान जलकर राख हो गया। स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पाने की कोशिश की और तत्काल गीता को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। बताया जा रहा है कि पीड़ित का मकान बिजली ट्रांसफार्मर के बेहद करीब था और आशंका है कि चिंगारी गिरने से यह हादसा हुआ। घटना के वक्त हरीश की चारों संतानें–मनीष (11), सुजीत (6), सुनीता (4) और पूनम (2)–घर में सो रही थीं। जैसे ही आग लगी, बाकी बच्चों को तो किसी तरह बचा लिया गया, लेकिन मासूम पूनम को नहीं बचाया जा सका। सूचना पर पारा चौकी इंचार्ज चंद्रशेखर सोनकर और उनकी टीम मौके पर पहुंची। वहीं नायब तहसीलदार गुलाब सिंह व हल्का लेखपाल अरुण कुमार तिवारी ने क्षति का जायजा लेकर रिपोर्ट तैयार की।

ब्राह्मण समाज का फूटा गुस्सा: अनुराग कश्यप के खिलाफ प्रदर्शन

सुलतानपुर/ भव्य खबर । फिल्म निर्देशक अनुराग कश्यप द्वारा ब्राह्मण समाज के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर आक्रोशित ब्राह्मण समाज ने सोमवार को बटपरवा स्थित शंकरगढ़ और सुदानपुर बाजार में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। समाज के लोगों ने अनुराग कश्यप का पुतला दहन कर अपना गुस्सा जाहिर किया। इस मौके पर सौरभ मिश्र विनम्र ने कहा कि अनुराग कश्यप ने अपनी इंस्टाग्राम आईडी 10 से 'फुले' फिल्म के सेंसर बोर्ड द्वारा हटाए गए सीन को लेकर ब्राह्मण समाज पर अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणी की है। यह टिप्पणी न सिर्फ समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाती है, बल्कि देश के सांप्रदायिक सौहार्द को भी बिगाड़ने वाली है। संतोष पांडेय रिंकू और नरेन्द्र कुमार मिश्र ने कहा कि यह सीधा ब्राह्मण समाज पर हमला है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने मांग की कि सरकार और प्रशासन इस मामले में संज्ञान लेकर उचित कार्रवाई करे।प्रदर्शन में नितिन मिश्र, चन्द्र प्रकाश तिवारी, कामेश, लालू तिवारी, देवी प्रसाद तिवारी, अवधेश शर्मा, बृजेन्द्र मिश्र, अंकित पांडेय, राजेश मिश्र, मनोज मिश्र, राजकुमार तिवारी, अशोक, अनिल, सी.पी. मिश्र, राम जनक, लाल बहादुर और उदयभान सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

तेज रफ्तार ट्रक ने ली शिक्षक की जान, स्कूल जाते समय दर्दनाक

सुलतानपुर/ भव्य खबर । गोसाईगंज थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक हृदयविदारक सड़क हादसे ने जिले को झकझोर कर रख दिया। जूनियर हाईस्कूल बैदहा में तैनात शिक्षक सौरभ कुमार की एक तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से मौके पर ही मौत हो गई। घटना इटकौली चौराहे पर उस वक्त हुई जब सौरभ कुमार अपने विद्यालय जा रहे थे। अचानक पीछे से आ रहे ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि घटनास्थल पर ही उन्होंने दम तोड़ दिया। स्थानीय लोगों ने फौरन पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची, ट्रक को जब्त कर लिया गया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। इस दर्दनाक हादसे ने जिले के शिक्षा जगत को गहरे शोक में डुबो दिया है। विद्यालय के शिक्षक, छात्र और अभिभावक स्तब्ध हैं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

जिलाधिकारी ने जनसुनवाई में आई 75 शिकायतों में ज्यादातर का किया मौके पर डिस्पोजल

हमीरपुर/ भव्य खबर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई कर जन सामान्य की शिकायतों को सुना साथ ही अधिकारियों को शिकायतों का बेहतर और वख्त पर डिस्पोजल करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में करीब 75 शिकायते आईं, जिनमें से ज्यादातर शिकायतों का जिलाधिकारी ने बेहतर तरीके से फौरन डिस्पोजल कर दिया। जबकि बाकी शिकायतों के डिस्पोजल के लिये जिलाधिकारी ने सभी एसडीएम , खंड विकास अधिकारी सहित सभी अधिकारियों के साथ वर्चुअल/ जूम एप के जरिये से बैठक कर उनके फौरन डिस्पोजल के लियेनिर्देशित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी एसडीएम ,बीडीओ व अधिकारी अपने कार्यालय में जनसुनवाई कर जन समस्याओं का बेहतर तरीके से वख्त पर डिस्पोजल किया जाय, इसमें किसी भी तरह की लापरवाही न बरती जाए। जिलाधिकारी ने कहा की जनसुनवाई, आईजीआरएस सहित मामलों का सभी अधिकारी मौके पर जाकर बेहतर तरीके से डिस्पोजल कर वख्त पर रिपोर्ट दी जाए।

लखनऊ में AAP कार्यकर्ताओं को टांगकर ले गई पुलिस

ठूंसकर गाड़ी में भरा, फुले फिल्म की रिलीज रोकने के विरोध में कर रहे थे प्रदर्शन

लखनऊ। में AAP कार्यकर्ताओं ने फुले फिल्म की रिलीज रोकने के विरोध में प्रदर्शन किया। इस दौरान नारेबाजी की। कहा- सरकार दलित विरोधी है। ऐसी सरकार नहीं चलेगी। प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं को पुलिस टांगकर ले गई। उन्हें ठूंसकर वैन में भरकर धरना स्थल इको गार्डन भेज दिया। AAP कार्यकर्ताओं ने अपने तय प्रोग्राम के तहत हजरतगंज स्थित जीपीओ के सामने इकट्ठा हुए। यहां उन्होंने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता महेन्द्र सिंह ने बताया कि यह प्रदर्शन पार्टी के यूपी प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह के निर्देश पर किया जा रहा है। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं के हाथों में थीं। इन तख्तियों में माता सावित्री बाई फुले अमर रहें जैसे नारे लिखे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नरेंद्र मोदी मुदार्बाद के नारे भी लगाए। इनका प्रदर्शन दोपहर 2 बजे प्रस्तावित था। जब कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन के लिए जुटना शुरू किया तभी उनको हिरासत में ले लिया गया। प्रदर्शन शुरू होने के पहले कार्यकर्ता जब जुटने लगे तो पुलिस भी मुस्तैद हो गई। उनका प्रदर्शन टल जाए इसलिए ज्ञापन ले लिया गया। अपना प्रदर्शन शुरू होने से पहले बंद होता देख कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी शुरू कर दी। जब प्रदर्शन शुरू हो गया तो पुलिस ने भी कार्यकर्ताओं को उठा-उठाकर गाड़ी में डालना शुरू कर दिया। महेंद्र सिंह ने बताया कि 11 अप्रैल 2025 को रिलीज होने वाली फिल्म फुले पर केंद्र सरकार ने अपने सेंसर बोर्ड के जरिए रोक लगवा दी है, जिसे पार्टी अन्यायपूर्ण और लोकतंत्र विरोधी कदम मान रही है।

कहा कि पार्टी कार्यकर्ता प्रदेशभर में जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन करेंगे और राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपेंगे। लखनऊ समेत कई जिलों में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के जुटने की उम्मीद है। AAP का कहना है कि महात्मा फुले और सावित्रीबाई फुले की विचारधारा को दबाने की कोशिशों का पार्टी डटकर विरोध करेगी और समाज में समानता और न्याय की लड़ाई को जारी रखेगी।

ज़िक्रे पंजतन पाक कॉन्फ्रेंस उर्से मुकद्दस 27 को

संवाददाता

कुशीनगर। कप्तानगंज तहसील के अंतर्गत 27 अप्रैल दिन इतवार बाद नमाज ईशा जिक्रे पंजतन पाक कान्फ्रेंस का इनेकाद किया गया है जिस में सरपरस्ती हजरत अल्लामा व मौलाना महबूब आलम प्रिंसिपल मदरसा मोहम्मदिया कप्तानगंज जेरे सदारत हजरत अल्लामा व मौलाना मतलूब कादरी प्रिंसिपल दारुल उलूम अशाअतुल उलूम परतावल महाराजगंज तालीए कुरान कारी अबरार अहमद साहब, व हाफिज मोहम्मद सलीम कुरैशी साहब मंसूरगंज, जेरे क्यादत हजरत मौलाना मोहम्मद आजम कादरी साहब प्रिंसिपल मदरसा हाजा, जेरे निजामत मसरूर रजवी खड्डा बाजार कुशीनगर खतीबे नौजवान हजरत अल्लामा व मौलाना खुशीर्दुल इस्लाम साहब परतावल महराजगंज। खतीबे लाजवाब हजरत मौलाना फैजान रजा बरकाती देवरिया। खुषुषी खेताब हजरत अल्लामा व मौलाना खलीलुल्लाह चतुवेर्दी साहब सिवाना बिहार । शायरे इस्लाम इकबाल फैजी पडरौना कुशीनगर, नियाजुद्दीन वारसी साहब, आमिर उर्फ पट्टू हाशमी अली शेर साहब, राम प्यारे जायसवाल, ग्राम प्रधान आदित्य उपाध्याय, मिर्जा संजेंब बेग साहब मंसूरगंज, जनाब सज्जाद कुरैशी साहब मंसूरगंज, अराकिने कमेटी की मौजूदगी में प्रोग्राम होना तय है। हजरात प्रोग्राम में शरीक हो कर जलसा को कामयाब बनाने की अपील की गई।

शादी का खाना खाने से दो की मौत

बस्ती। के लालगंज थाना क्षेत्र के महसो गांव में एक शादी समारोह में खाना खाने से बड़ी संख्या में लोग बीमार पड़ गए हैं। 14 अप्रैल को हुए इस समारोह में दो लोगों की मौत हो चुकी है। 35 वर्षीय संगीता चौरसिया की लखनऊ के लोहिया अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हुई। इससे पहले एक अन्य महिला की भी मौत हो चुकी थी। पांच लोगों की स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है। शादी में शामिल हुए सैकड़ों लोगों की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। मरीजों को उल्टी-दस्त और पेट दर्द की शिकायत थी। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके से सैंपल लिए हैं। अभी तक बीमारी का कोई आधिकारिक कारण सामने नहीं आया है। मृतक संगीता चौरसिया के परिवार का हाल भी चिंताजनक है। उनका एक बच्चा निजी अस्पताल में है। दो बेटियों का इलाज बस्ती के कैली अस्पताल में चल रहा है। गांव के प्रधान की भी तबीयत खराब है। उनका फोन बंद आ रहा है। ग्रामीण दहशत में हैं। वे स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन से कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। दोषियों को सजा मिले और भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों, यह उनकी मुख्य मांग है।

सुरेश प्रसाद सिंह बने अध्यक्ष और संजय कुमार वर्मा महामंत्री

संवाददाता

कसया कुशीनगर। बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के निर्देश पर अधिवक्ता एसोसिएशन तहसील कसया के हुए चुनाव में सुरेश प्रसाद सिंह अध्यक्ष और संजय कुमार वर्मा महामंत्री चुने गए। सोमवार को संपन्न हुए चुनाव में सुरेश प्रसाद सिंह 41 मत प्राप्त कर विनोद शंकर मिश्रा (22 मत) को 19 मत से पराजित कर अध्यक्ष पद पर विजई हुए। विनोद प्रसाद वरिष्ठ उपाध्यक्ष, साहब हुसैन, उमा शंकर संयुक्त मंत्री, कोषाध्यक्ष राम चंद्र पहले

निर्वाचित हो चुके हैं। चुनाव प्रक्रिया मुख्य चुनाव अधिकारी/एल्डर कमेटी के चेयरमैन केदार नाथ राय, चुनाव अधिकारी/महामंत्री सुरेश यादव, कृष्ण कुमार तिवारी, बृजनंदन शर्मा, प्रदीप शर्मा की देख रेख में सम्पन्न हुई। निर्वाचित पदाधिकारियों को निवर्तमान अध्यक्ष गंधर्व मणि त्रिपाठी, राम नरेश राय, उपेंद्र तिवारी, फूलचंद यादव, प्रभाकर शुक्ला आदि वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने माल्यार्पण कर बधाई दी। इस दौरान सुभाष पाण्डेय, पूर्व महामंत्री संदीप सिंह बघेल, विजय सिंह, ओमप्रकाश लाल श्रीवास्तव, गोविंद तिवारी, राजेंद्र तिवारी, भैरो तिवारी, रविन्द्र तिवारी, पुरूषोतम शुक्ला, राजकुमार तिवारी, नागेन्द्र पांडेय, विनय मिश्रा, सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन कसया के अध्यक्ष वीरेंद्र श्रीवास्तव आदि ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी।

कुशीनगर में दूल्हे के 3 भाइयों समेत 6 की मौत

कुशीनगर। में बारातियों की ब्रेजा कार पेड़ से टकरा गई। हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। इनमें दूल्हे के तीन चचेरे भाई भी शामिल हैं। 2 लोग गंभीर रूप से घायल हैं।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। यह हादसा देखते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। शव क्षत-विक्षत अवस्था में कार में फंसे हुए थे। पुलिस ने एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद कार को गैस कटर से काटकर सभी को बाहर निकाला। कार में सवार 8 लोगों में से 6 की मौके पर ही मौत हो गई थी। 2 गंभीर घायलों को हॉस्पिटल भिजवाया।हादसा रविवार रात 10 बजे नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के भुजौली चौराहे पर हुआ। कार सवार देवगांव में एक शादी समारोह में शामिल होकर नरायनपुर चरगहा जा रहे थे। मृतकों की पहचान नरायनपुर चरगहा के सगे भाई हरेंद्र और योगेंद्र, कार चालक ओमप्रकाश, सगे भाई रंजीत और मुकेश, रामकोला थाना क्षेत्र के कुसम्हा निवासी भीम लक्ष्मण यादव के रूप में हुई है।रामकोला थाना क्षेत्र के नरायनपुर चरगांव के रहने वाले गोपाल मद्धेशिया के बेटे विकास की बारात रविवार को देवगांव गई थी। विकास के 3 चचेरे भाई हरेंद्र मद्धेशिया (28), योगेंद्र मद्धेशिया(32) पुत्र शंकर, मुकेश मद्धेशिया (26) पुत्र रामानन्द, गांव के ही रंजीत मद्धेशिया पुत्र राजेंद्र (26), राजकिशोर, कार चालक ओमप्रकाश मद्देशिया पुत्र कृष्णा मद्देशिया (28) और कुसम्हा गांव के भीम यादव (24) पुत्र लक्ष्मी और भठई निवासी बजरंगी ब्रेजा कार से रात 10 बजे बारात में शामिल होने के लिए जा रहे थे। पडरौना-पनियहवा मार्ग पर भुजौली शुक्ल गांव के पास कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह से पिचक गई। मौके पर मौजूद लोगों का शोर सुनकर आसपास के गांव वाले मौके पर पहुंचे। कार सवार बुरी तरह फंसे हुए थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गैस कटर से कार को काटकर सभी को बाहर निकाला। 6 लोगों हरेंद्र, जोगिंद्र, ओमप्रकाश, रंजीत, मुकेश और भीम यादव की मौके पर ही मौत हो चुकी थी।

ठाकुरों ने दामाद को बेइज्जत किया, कभी नहीं भूलेंगे

आगरा। हमारे दामाद के साथ जो बर्ताव हुआ, वो जिंदगी भर का दर्द है। उन्हें घोड़ी से खींचकर पीटा और उनके फूफा-बहनोई के साथ भी बदतमीजी की। उन्हें चोटें आई हैं। उन लोगों के इस व्यवहार से हमारी बहुत बेइज्जती हुई। ससुराल वाले पूरी जिंदगी मेरी बेटी को ताने सुनाएंगे' यह कहना उस दुल्हन की मां अनीता देवी का, जिसके पति को ठाकुर बिरादरी के लोगों ने पीटा था। घटना आगरा के छलेसर में 16 अप्रैल को हुई थी। अनीता कहती हैं- वो ठाकुर बिरादरी से हैं, तो क्या हमारी इज्जत उछालेंगे? दुल्हन की मां अनीता देवी बताती हैं- उस दिन घर के पुरुष बारात चढ़वाने गए थे। स्वागत की तैयारी कर रहे थे। तभी पता चला कि बारात में मारपीट हो गई है। सभी लोग भागकर गए। वहां बाराती छिप गए थे। इसके बाद हम लोग सभी रिश्तेदारों और बारातियों को लेकर घर आ गए। घर पर ही फेरे हुए। लड़की को विदा कर दिया। बेटी का सपना भी पूरा नहीं हो पाया। बेटी की इच्छा थी कि सभी भाई चादर लेकर चलें, जिसमें वह स्टेज तक पहुंचे। लेकिन, ऐसा कुछ नहीं हुआ। उस दिन बेटी सजकर ब्यूटी पार्लर में रात 1 बजे तक बैठी रही। दूल्हे को किसी तरह छिपाकर घर लाकर हमने फेरे कराए। मैरिज होम, सजावट, खाना सब कुछ करीब 3 लाख रुपए में बुक था। सारे पैसे यूं ही चले गए। जैसे-तैसे बस बेटी की शादी की है। मेरे दामाद के गले से सोने की चेन भी गायब हो गई। दुल्हन के पिता नाथौली सिंह ने बताया- घुड़चढ़ी की रस्म चल रही थी। हम लोग गेस्ट हाउस में तैयारी कर रहे थे। हमारा दामाद घोड़ी से गेस्ट हाउस की ओर आ रहा था। डीजे बज रहा था, बाराती डांस कर रहे थे। इसी बीच क्षत्रियों के कुछ लड़के आए और हंगामा करने लगे। हमें सूचना मिली कि दामाद के साथ मारपीट कर दी गई है। हम जब वहां पहुंचे, तो देखा दूल्हे को घोड़ी से नीचे खींच दिया गया था। अन्य बारातियों से मारपीट की जा रही थी। वहां सिर्फ डंडे दिख रहे थे, गालियां सुनाई दे रही थीं। बाराती पास में ही एक मैरिज होम श्याम वाटिका में छिप गए थे। हम लोग किसी तरह कृष्णा मैरिज होम पहुंचे। तब तक वहां भीम आर्मी वाले भी पहुंच गए थे। इसके बाद हम अपने बारातियों को लेकर घर आ गए। कई लोग घायल थे। उनका अस्पताल में इलाज कराया। हम चाहते हैं कि जितने लोगों ने मारपीट की है, सभी को अरेस्ट किया जाए। नगला तल्फी में जिस जगह नाथौली सिंह का घर है।

गन्ने साथ भिण्डी, खीरा की सह फसली खेती कर मालामाल हो रहे किसान

प्रगतिशील किसानों को ढाढ़ा चीनी मिल करेगी सम्मानितः अधिशासी अधिकारी

संवाददाता

कुशीनगर। ढाढ़ा चीनी मिल परिक्षेत्र में गन्ने की उन्नत खेती और सह फसली खेती को लेकर उप्र गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केन्द्र पिपराइच, गोरखपुर के पूर्व सहायक निदेशक ओम प्रकाश गुप्ता द्वारा मिल के अधिशासी अधिकारी करन सिंह के निर्देश पर चलाए गए प्रशिक्षण जागरूकता कार्यक्रम का लाभ देखने को मिल रहा है। गन्ने साथ भिण्डी, खीरा आदि की सह फसली खेती कर माला माल हो किसान हो रहे हैं। प्रगतिशील किसानों को मिल के अधिशासी अधिकारी करन सिंह ने सम्मानित करेंगे। ढाढ़ा चीनी मिल द्वारा ग्राम

रामपुर कारखाना में किसान के खेत पर प्रशिक्षण गोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें पूर्व सहायक निदेशक श्री गुप्ता ने किसानों को सहफसली खेती का फोटो ग्राफ दिखाकर गन्ने के साथ आलू, प्याज, लहसून, गोभी, टमाटर, मूंग, मसूर, धनिया, गहुँ, तोरिया, पालक, मूली आदि की खेती का सुझाव दिया। जिससे किसानों को लाभ होगा। युवा किसान मुन्ना सिंह ने बताया कि पिता जी ने 5 कट्ठा पौधा गन्ना प्रगति को 0118 को फरवरी के प्रथम सप्ताह में ट्रेंच विधि से बोया गया। गोबर की सड़ी खाद दो पंक्तियों के बीच में भिंडी बोया गया। 35- 40 दिनों पर भिण्डी निकलना शुरू हुआ। मार्च में 40 से 50 रूपया किलो बिका। आज भी 25 से 30 रूपया किलो बिक रहा है। तीसरे दिन तुड़ाई होती है। आज तक बीस हजार का बिका है। मई तक निकलेगा। गन्ने में लौकी खीरा 1.5 बीघा खेत में खीरा बोया है। प्रतिदिन 5 से 7 हजार रुपए का बिकता है। किसानों ने गन्ने के साथ लौकी, भिण्डी, खीरा की सह फसली खेती दर्जनो किसानों ने देखी।गोष्ठी की अध्यक्षता प्रगतिशील किसान राजाराम पटेल ने की। संचालन करते हुए वरिष्ठ गन्ना प्रबंधक रामदेव शर्मा ने किसानो को बताया कि पापरिला कीट नियंत्रण के लिए कीटनाशक, गन्ना बुआई तथा निराई का यन्त्र अनुदान पर दिया गया है। इस गन्ना प्रजाति को 14201, को 15023, को. 0118 का वीज वितरण हुआ है। एक आंख से पौधा गन्ना तैयार कराया गया है। इस दौरान दिनेश सिंह, रामचन्दर अवधेश विदेशी, सतीश प्रजापति, गुलाव खरवार, अशोक सिंह रविन्द्र सिंह आदि मौजूद रहे।

बिहार चुनाव को लेकर राष्ट्रीय लोक मोर्चा के जिलाध्यक्ष सोनू कुशवाहा ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी की मुलाकात

आगामी चुनाव सहित कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई चर्चा : सोनू कुशवाहा

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । राष्ट्रीय लोक मोर्चा के जिलाध्यक्ष सोनू कुशवाहा ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी से मुलाकात की। इस आत्मीय मुलाकात के दौरान चुनाव सहित कई अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई। सोनू कुशवाहा ने हरियाणा के मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद प्रेस बयान जारी कर बताया कि नायब सिंह सैनी ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर एनडीए को 235 पार करने की योजना पर गंभीरता पूर्वक चर्चा की और विशेष नीति तैयार की गयी। उन्होने बताया कि नायब सिंह सैनी ने कहा है कि बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव में वे खुद प्रचार में शामिल होंगे और एनडीए की जीत के लिए हरसंभव लोगों के बीच जा जा कर सरकार के कार्यों को बताते हुये जनता के बीच जायेंगे। उन्होने कहा कि प्रचार के दौरान नालंदा आने की भी उन्होने आश्वासन दिया। सोनू सैनी

ने कहा कि मुख्यमंत्री से मांग किया कि बिहार के बड़ी संख्या में गरीब मजदूर वर्ग के लोग हरियाणा में रोजगार की तलाश में पहुंचे है और दिहाड़ी रोजगार का भी काम कर रहें है। ऐसे मजदूरों के लिए विशेष व्यवस्था बनायें ताकि बिहार के मजदूर खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें और उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़े। उन्होने यह भी मांग किया कि मजदूरों के साथ घटित किसी प्रकार की हादसा पर उचित मुआवजा मिल सके इस-के लिए सरकारी स्तर पर इंश्योरेंस की व्यवस्था की जाये। साथ हीं छात्रों के लिए भी उचित सब्सिड़ी देकर छात्रों को भी प्रोत्साहन प्रदान करें। उन्होने बताया कि मुख्यमंत्री ने उनकी मांगों को गंभीरता पूर्वक सुना और हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया। उन्होने बताया कि राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा को भी शुभकामना दी।

संक्षिप्त डायरी

पंजाब में 13 आतंकी गिर तार, रा-ॅकेट से चलने वाले ग्रेनेड, आईईडी और आरडीए स मिले

जालंधर बेंगलुरु/ भव्य खबर। पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ढ्ढस्ढ्ढऔर बबर खालसा इंटरनेशनल से जुड़े 13 आतंकी गिर तार किए हैं। इसमें 1 नाबालिग है। 4 दिन से चल रहे पंजाब पुलिस के ऑपरेशन में दो आतंकी मॉड्यूल का सफाया किया गया है। पुलिस का दावा है कि इनके निशाने पर थाने-प्रमुख लोग थे। पकड़े गए आतंकियों से 2 रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड 1 ग्रेनेड लांचर, ढाई-ढाई किलो की दो इंप्रोवाइस्ड ए सप्लोसिव डिवाइस, डेटोनेटर, 2 हथगोले, रिमोट कंट्रोल और 2 किलो रॉयल डिमॉलिशन ए सप्लोसिव, 5 पिस्तौल (बेरेटा और ग्लॉक), 6 मैगजीन, 44 कारतूस, 1 वायरलेस सेट और 3 वाहन मिले हैं। शनिवार को डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि ये लोग आईएसआई के इशारे पर देशविरोधी गतिविधियों में शामिल थे। गिर तार आतंकियों ने कई थानों को भी टारगेट करना था। जल्द सभी को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि पंजाब पुलिस ने खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए दो अभियानों में बबर खालसा इंटरनेशनल द्वारा विदेश से संचालित किए जा रहे आईएसआई समर्थित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है।

प्यार में बच्चे बन रहे थे रोड़ा, दही-चावल में मिलाकर खिला दिया जहर- तीनों बच्चों की मौत, महिला प्रेमी से करना चाहती थी शादी

हैदराबाद/ भव्य खबर। तेलंगाना में एक महिला ने अपने प्रेमी के लिए अपने तीन बच्चों को दही चावल में जहर मिलाकर खिला दिया और किसी को शक न हो इसलिए खुद भी थोड़ा सा जहर खा लिया। बाद में बच्चों के साथ उसे भी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां पर उसकी जान तो बच गई लेकिन तीन बच्चे मौत की आगोश में सो गए। पुलिस के मुताबिक संगारेड्डी में पिछले महीने हुई इस घटना की जांच चल रही थी। आरोपी महिला रजिता एक निजी स्कूल में शिक्षिका थी, जिस रात रजिता ने अपने तीनों बच्चों को जहर खिलाए उस रात उसका पति घर पर नहीं था। तीनों बच्चों और मां पर जहर का असर देख पुलिस का शक पति पर गया। योंकि परिवार में वही अकेला बचा था लेकिन पूछताछ के दौरान पुलिस को उससे ज्यादा कोई जानकारी नहीं लगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रजिता ने तीनों बच्चों की हत्या की योजना बड़ी ही चालाकी और समझदारी से बनाई। पुलिस ने बताया कि स्कूल रियूनियन के दौरान रजिता अपने एक पूर्व लासमेट से मिली..जहां से दोनों की मुलाकात और बातचीत शुरू हो गई और फिर धीरे-धीरे अफेयर हो गया। रजिता अपनी शादी से खुश नहीं थी और वह अपने प्रेमी के साथ एक नई जिंदगी शुरू करना चाहती थी लेकिन उसके बच्चे इसमें सबसे बड़ी समस्या थे..उसे लग रहा था कि बच्चों के साथ वह घर छोड़कर नहीं जा सकती है।

कुख्यात अंडरवर्ल्ड डॉन रहे मुथप्पा के बेटे पर हुआ जानलेवा हमला

बेंगलुरु/ भव्य खबर। कुख्यात अंडरवर्ल्ड डॉन रहे मुथप्पा राय के बेटे रिकी राय पर शुक्रवार देर रात को जानलेवा हमला हो गया। यह हमला बेंगलुरु के पास बिददी इलाके में हुआ है। पुलिस ने जानकारी दी कि हमला तब हुआ जबकि रिकी अपनी कार से ड्राइवर और गनमैन के साथ बेंगलुरु लौट रहा था। इसी बीच उनके घर से महज 200 मीटर की दूरी पर रात करीब 1:30 बजे एक अज्ञात हमलावर ने दो राउंड फायरिंग कर घायल कर दिया। दोनों घायलों को बेंगलुरु के मणिपाल अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करा दिया गया है। डॉ टरों का कहना है कि दोनों घायल खतरे से बाहर हैं। पुलिस सूत्रों की मानें तो रिकी हाल ही में रूस की विदेश यात्रा करके लौटे थे और पारिवारिक मामलों को सुलझाने में लगे हुए थे। ऐसे में रिकी पर हुए हमले की एक वजह रियल एस्टेट कारोबारी से चल रहा विवाद बताया जा रहा है। हमले के पीछे रिकी के ड्राइवर ने एक बिल्डर और रिकी की पहली पत्नी पर शक जाहिर किया है। यहां बताते चलें कि अंडरवर्ल्ड डॉन रहे मुथप्पा राय के एक पुराने दुश्मन पर भी शक की सुई है, जिसकी जांच की जा रही है। रिकी पर हुए जानलेबा हमले के बाद बिददी पुलिस स्टेशन में अटेंप्ट टू मर्डर और आर्स ए ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि हमले की सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है।

भारत की आपत्ति के बाद रद्द हुआ श्रीलंका और पाकिस्तान सैन्य अयास

नई दिल्ली/ भव्य खबर। श्रीलंका के त्रिंकोमाली तट के निकट होने वाला सैन्य अयास रद्द हो गया है। भारत की आपा ि के बाद श्रीलंका और पाकिस्तान का यह प्रस्तावित अयास फिलहाल रोक दिया गया है।यह वही त्रिंकोमाली है जहां भारत, श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) मिलकर एक ऊर्जा हब विक-सित कर रहे हैं। भारत ने इस अयास को लेकर अपनी चिंताओं को श्रीलंका सरकार के समक्ष दृढ़ता से उठाया, जिसके बाद इस योजना को रद्द कर दिया गया। सूत्रों के अनुसार, यह नौसैनिक अयास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की श्रीलंका यात्रा से कुछ सप्ताह पहले प्रस्तावित किया गया था। मोदी की इस यात्रा के दौरान भारत और श्रीलंका के बीच पहली बार एक रक्षा सहयोग समझौता हुआ, साथ ही यूएई के साथ त्रिपक्षीय ऊर्जा परियोजना को लेकर भी एक समझौता हुआ जिसमें मल्टी-प्रोड ट पाइपलाइन और द्वितीय विश्व युद्ध के समय के तेल टैंक फार्म का विकास शामिल है। भारतीय अधिकारियों को जैसे ही इस संयुक्त अयास की जानकारी मिली, कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग ने श्रीलंकाई प्रशासन से संपर्क किया और इस पर गहरी चिंता जताई। भारत ने साफ कहा कि इस क्षेत्र में उसके महत्वपूर्ण रणनीतिक हित हैं और इस तरह के अयास भारत की सुरक्षा चिंताओं को बढ़ा सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि यह अयास पाकिस्तान की ओर से जानबूझकर भारत को उकसाने की कोशिश के रूप में देखा गया। इसके बाद श्रीलंकाई प्रशासन ने चुपचाप इस अयास को रद्द कर दिया, हालांकि पाकिस्तानी पक्ष ने इसका विरोध किया था

गया में युवक की हत्या,बॉडी पर चाकू के 12 निशान

गया। में गला रेतकर अपराधियों ने एक युवक की हत्या कर दी। डेड बॉडी पर चाकू से हमले के 12 निशान मिले हैं। शव गांव से बाहर खेत में मिला है। 18 अप्रैल को चेन्नई से बहन की शादी में शामिल होने के लिए घर आया था। घटना सिंहपुर-फारम की है। मृतक की पहचान सोनू कुमार ठाकुर के तौर पर हुई है। परिजनों के मुताबिक 19 अप्रैल को बहन की थी। 22 अप्रैल को भतीजी की शादी होनी थी। घर पर समारोह की तैयारी चल रही थी। रविवार रात 9 बजे तक दिखा था। उसके बाद वो नजर नहीं आया। फोन भी बंद था। घर के लोगों को लगा कि थककर किसी परिचित के यहां सो गया है। सोमवार सुबह गांव के

पास खेत में उसका शव मिला। गले और बॉडी पर धारदार हथियार से वार किया गया था।घटना की सूचना पर डुमरिया थानाध्यक्ष दिनेश कुमार, इमामगंज एसडीपीओ अमित कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। शव को पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल भेजा गया है। जांच के लिए FSL और डॉग स्क्वायड की टीम को बुलाया गया है।

स्टेयरिंग में फंसा ड्राइवर, टायर में क्लीनर

भागलपुर। सोमवार सुबह मवेशियों से भरी पिकअप और हाइवा के बीच जोरदार टक्कर में 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। बताया जा रहा है कि पिकअप एक ट्रक को ओवरटेक कर रहा था, इसी दौरान सामने से आ रही हाइवा से जा भिड़ा। इस हादसे के बाद पिकअप, हाइवा और ट्रक के बीच फंस गया। इसी दौरान पिकअप ड्राइवर स्टेयरिंग के नीचे, जबकि क्लीनर ट्रक के टायरों में घंटों फंसा रहा। दोनों को निकालने के लिए मौके पर क्रेन बुलानी पड़ी।करीब तीन से चार घंटे की मशक्कत के बाद क्रेन की मदद गाड़ियों के पाट्र्स तोड़कर दोनों को

बाहर निकाला गया। इसका वीडियो भी सामने आया है।वीडियो में टायरों के बीच फंसा युवक दर्द से कराह रहा है। वहीं, पिकअप का ड्राइवर क्रेन की मदद से किसी तरह निकलने की कोशिश कर रहा है। वाहन में दो मवेशी भी फंसे रहे। घटना परबत्ता थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर सुबह 6 बजे की है।स्थानीय लोगों के मुताबिक, 'दोनों गाड़ियों रफ्तार काफी तेज थी। इसी दौरान पिकअप सामने से आ रही हाइवा से टकरा गई। जिसमें पिकअप के परखच्चे उड़ गए।' लोगों ने दोनों को निकालने की कोशिश की, लेकिन कामयाब नहीं हो सके। जिसके बाद पुलिस की मदद से क्रेन बुलाई गई।वहीं, हादसे के कारण ठल्ह पर दोनों लेन में वाहनों की लंबी कतारे लग गई। घंटों सड़क जाम रही। इस दौरान लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को पुलिस ने सड़क से हटाया और यातायात बहाल कराया। घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।घायलों को मायागंज अस्पताल रेफर किया गया थानाध्यक्ष शंभू पासवान ने बताया, 'सोमवार सुबह मवेशी ले जा रही तेज रफ्तार पिकअप ओवरटेक करने के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गई। पिकअप पर सवार 3 लोग इस हादसे में घायल हो गए।'घायलों को पहले नवगछिया अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में गंभीर स्थिति को देखते हुए तीनों को मायागंज के अस्पताल में रेफर कर दिया।'

भोजपुर में शादी में अंधाधुंध फायरिंग, 2 की मौत-5 घायल

भोजपुर। में रविवार देर रात शादी में अंधाधुंध फायरिंग हुई। इसमें 2 युवकों की मौत हो गई, जबकि 2 बच्चे समेत 5 लोगों को गोली लगी है। घायलों में से 2 की हालत गंभीर है। सभी को इलाज के लिए सदर अस्पताल आरा और प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।घटना गड़हनी थाना क्षेत्र के लहरपा गांव का है, जहां बारात के दौरान थार गाड़ी को साइड देने पर विवाद शुरू हुआ। इस विवाद को लोग सुलझा ही रहे थे कि 2 लोगों ने थार सवार युवकों को टारगेट कर गोलियां बरसाईं। बताया जा रहा है कि राइफल से 7 से 8 राउंड फायरिंग की गई। जिसमें गाड़ी पर बैठे दोनों युवकों की मौत हो गई। जबकि वहां मौजूद 5 लोगों को भी बुलेट और छर्रा लगा है।गोलीबारी का आरोप पूर्व मुखिया के बेटे बबलू सिंह पर लगा है, जो लहरपा गांव का रहने वाला है। बबूल पर ही फायरिंग के केस में मारे गए दोनों युवक जेल जा चुके थे।घटना की सूचना पर SP राज, पीरो SDPO अब्बू सैफी मुर्तजा समेत 6 थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।मृतकों की पहचान लहरपा गांव निवासी संजय कुमार सिंह के बेटे राहुल कुमार (24) और सुरेश सिंह के बेटे लवकुश कुमार (23) के तौर पर हुई है।राहुल को दायीं ओर सीने के नीचे गोली मारी गई, जो बाएं तरफ से निकल गई। जबकि लवकुश के चेहरे पर गोली लगी , जो सिर से आर-पार हो गई है। घायलों में अप्पू कुमार, पंकज कुमार, आर्यन उर्फ बिट्टू (5), लवकुश और नारायणपुर थाना क्षेत्र के भलुनी निवासी अक्षय सिंह है।घायल पंकज को सीने में, अक्षय को गोली बाएं पैर में, अप्पू को गोली पेट में गोली लगी है। घायल पंकज ने बताया, 'गांव में किसान सलाहकार कमलेश सिंह की बेटी की शादी हो रही थी। चरपोखरी थाना क्षेत्र के काउप गांव से बारात आई थी। बारात की गाड़ियां सड़क किनारे खड़ी थी। द्वार पूजा का कार्यक्रम हो रहा था। इसी बीच बारात में शामिल होने के लिए लहरपा गांव के दो लोग लवकुश और राहुल थार से गुजर रहे थे।भीड़ होने के कारण उन्होंने साइड मांगा। बारातियों ने साइड भी दे दिया। इस दौरान थार में बैठे दोनों युवकों का गांव के लोगों से विवाद हो गया। थोड़ी देर में मामला शांत होने के बाद दोनों युवक वहां से जाने लगे। इसी बीच रोड पर खड़े अन्य लोगों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी गई। जिसमें थार सवार

लवकुश और राहुल की मौत हो गई। जबकि बारात और लड़की पक्ष तरफ से आए 2 बच्चे समेत 5 लोग गोली लगने से घायल हो गए। घायलों को आनन-फानन में अस्पताल लाया गया।'घायल अप्पू के बड़े भाई परमिंद कुमार ने बताया, 'मेरा भाई अपने दोस्त की बहन की शादी में गया था। बारातियों को खाना खिला रहा था। तभी दो पक्ष आपस में भिड़ गए और जमकर गोलीबारी की गई। उसी गोलीबारी में मेरे भाई को गोली लगी है।'इधर, पीरो SDPO अब्बू सैफी मुर्तजा ने बताया, 'लहरपा गांव में एक बारात के दौरान दो पक्षों के बीच गोलीबारी की घटना सामने आई है। गोलीबारी में दो लोगों की मौत हुई है,जबकि पांच घायल है। सभी का इलाज कराया जा रहा है।' 'इस वारदात के बाद एक टीम का गठन किया गया है। वारदात के पीछे कुछ लोगों का नाम भी सामने आया है। सभी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।'बता दें कि 30 सितंबर 2022 को लहरपा गांव निवासी रमेश सिंह के बेटे ठेकेदार बबलू सिंह को गोली मारने के मामले में राहुल और लवकुश (मृतक) जेल जा जा चुके हैं।बबलू सिंह की मां प्रेमा देवी मुखिया भी रह चुकी हैं। पंचायत में योजना के तहत काम होने के बाद गांव के कुछ लोगों ने योजना में गड़बड़ी का आरोप को लगाया था। इसी बात को लेकर कई दिनों से विवाद चल रहा था। इसी मामले को लेकर सितंबर 2022 को नवादा थाना क्षेत्र के फ्रेंड्स कॉलोनी में टहलने के दौरान बबलू सिंह को गोली मारी गई थी।

JDU नेत्री के हाथ और सीने में मारी गोली

पटना। के बुद्धा कॉलोनी थाना क्षेत्र के दुजरा इलाके में रविवार देर रात अपराधियों ने महिला सोनी देवी (40) को गोली मार दी। सोनी देवी महिला JDU नेत्री हैं। वह वार्ड नंबर 22 की महिला विंग की JDU अध्यक्ष हैं। एक गोली हाथ में लगी है वहीं एक गोली अभी भी सीने में फंसी हुई है। आनन-फानन में घायल महिला को इलाज के लिए स्थानीय लोगों ने PMCH में एडमिट करवाया गया है। सोनी, देवी स्थान के पास ही अंडा का दुकान चलाती हैं। घटना की सूचना मिलते ही बुद्धा कॉलोनी थाने की पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुट गई है। बताया जा रहा है कि अपराधियों ने 2 राउंड फायरिंग की है। एक गोली महिला के हाथ में लगी है। आपसी विवाद में घटना को अंजाम दिया गया है। देर रात पुलिस ने परिजनों के आरोप के आधार पर दानापुर में भी छापेमारी की है। घटना की पुष्टि बुद्धा कॉलोनी के थानेदार सदानंद शाह ने की है। थानेदार ने बताया कि महिला के हाथ में गोली लगी है। फिलहाल वह खतरे से बाहर है। एक शख्स पर पहले के विवाद में गोली मारने का आरोप लगाया गया है। इसकी छानबीन की जा रही है।

बिहार में सी.एम पद खाली नहीं-मंत्री संतोष सिंह

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे की यात्रा पर बोले-उनके आने-जाने से NDA को कोई फर्क नहीं

कैमूर। बिहार के श्रम संसाधन मंत्री संतोष सिंह ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की बिहार यात्रा को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बिहार में खड़गे की यात्रा का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। मंत्री ने कहा कि बिहार में मुख्यमंत्री पद खाली नहीं है। 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव तक कई नेता आएंगे और जाएंगे। उन्होंने कांग्रेस पर संविधान विरोधी होने का

आरोप लगाया। संतोष सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने इमरजेंसी लगाकर संविधान में कई बार संशोधन किए। जब भी संविधान में बदलाव हुआ, वह कांग्रेस के समय में ही हुआ। उन्होंने 2025 के विधानसभा चुनाव को लेकर दावा किया कि एनडीए प्रचंड बहुमत से जीत हासिल करेगी। आगे कहा कि खड़गे साहब सहित कई लोग बिहार में आएंगे और जाएंगे इससे NDA को कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बिहार में एनडीए की सरकार 2025 में सरकार बन रही है। वहीं उन्होंने दावा किया कि एनडीए इस बार 225 का आंकड़ा पार करेगी।

टीचर ने स्टूडेंट से मंदिर में रचाई शादी

लखीसराय। एक प्राइवेट ट्यूटर और उनकी छात्रा की प्रेम कहानी इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा में है। जिसमें एक ट्यूशन शिक्षक और उसकी छात्रा ने अपने प्यार को पाने के लिए समाज और परिवार के बंधनों को तोड़कर शादी कर ली। अगैया गांव के शिक्षक रामप्रवेश कुमार(24) और गुलनी गांव की छात्रा ज्योति कुमारी(22) की मुलाकात ट्यूशन में हुई थी। धीरे-धीरे गुरु-शिष्या का रिश्ता दोस्ती में बदला और फिर वही दोस्ती गहरे प्रेम में बदल गया।चार साल तक डेट करने के बाद कर ली शादीबताया जा रहा है कि दोनों ने एक-दूसरे को चार साल तक डेट किया और अपने प्यार को पाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हो गए। जब परिवार वालों से रिश्ते को मंजूरी नहीं मिली, तो दोनों ने खुद ही शादी करने का फैसला किया। खास बात यह रही कि ज्योति की शादी पहले से तय थी और 6 मई 2025 को उसकी शादी होनी थी। लड़की के घरवालों ने दहेज की तैयारियां भी पूरी कर ली थीं, लेकिन उसने सामाजिक बंधनों के बजाए अपने सच्चे प्यार को चुना।

राजद शासन घोटालों एवं भ्रष्टाचार का पर्याय बन चुका था : राजीव रंजन प्रसाद

पटना/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । तेजस्वी यादव के आरोपों पर पलटवार करते हुए जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव द्वारा राज्य में कानून व्यवस्था एवं कथित भ्रष्टाचार के आरोप राजनीति से प्रेरित है। जेडीयू इतिहास के गड़े मुर्दे नहीं उखाड़ना चाहता है। लेकिन, जब तेजस्वी यादव अनाप-शनाप बोलते रहेंगे, तो उन्हें आईना दिखाना पड़ेगा। उन्हें भूलना नहीं चाहिए कि उनके माताजी एवं पिताजी के कार्यकाल में क्या क्या भोगना पड़ा है ? लोमहर्षक नरसंहारों, फिरौती के लिए अपहरण, जातीय सेनाओं एवं अतिवादी संगठनों के बीच संघर्ष एवं इलाकाई समानांतर सरकारों एवं बाहुबलियों के कहर से त्रस्त राज्य नीतीश शासन में बदलने लगा। अराजकता के स्थानपर सुशासन की सरकार स्थापित हुई। थानों की जीर्णोद्धार, वैज्ञानिक अनुसंधान एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सीधी मॉनीटरिंग की बदौलत बिहार प्रति लाख व्यक्तियों के आधार पर अपराध दर देश के जयादातर राज्यों से अत्यधिक कम हुआ है। वहीं भ्रष्टाचार का आरोप लगानेवाले तेजस्वी जी जमीन दो नौकरी लो के बहुचर्चित घोटाले में लगातार

एजेंसियों के सामने खड़े हो रहे हैं और उनके पिता लालू प्रसाद चारा घोटाला के मामले में सजायाफ्ता होते हुए भी राजद के अध्यक्ष पद पर बने हुए हैं। राजद शासन घोटालों एवं भ्रष्टाचार का पर्याय बन चुका था। पिछले बीस वर्षों के शासनकाल में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य में भ्रष्टाचार को समापत किया। आधारभूत संरचना, सड़क निर्माण, सेतु एवं महासेतुओं फ्लाइओवर्स का जाल बिछाया गया। घर-घर बिजली, पीने का पानी, कमजोर वर्गों का सशक्तीकरण, नौकरी एवं रोजगार, जातीय सर्वे एवं शराबबंदी जैसे मुद्दों पर ऐतिहासिक फैसले लेकर बिहार को विकास की नयी ऊंचाइयों पर पहुंचाने का कार्य किया।

संक्षिप्त डायरी

घर के आगे खड़ी कार में शार्ट सर्किट से लगी आग

फरीदाबाद/ भव्य खबर । एनआईटी क्षेत्र के तीन नंबर इलाके के ई लॉक में सोमवार दोपहर बाद उस समय हड$कंप मच गया, जब एक घर के सामने खड़ी डस्टर डीजल कार में अचानक आग लग गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार से पहले एक जोरदार धमाके जैसी आवाज सुनाई दी। जिसके बाद इंजन की ओर से धुआं निकलता देखा गया। देखते ही देखते धुआं गाढ़ा होता चला गया और कार ने आग पकड़ ली। स्थानीय लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। कुछ ही मिनटों में फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और आग बुझाने का कार्य शुरू किया। हालांकि जब तक दमकल कर्मी पहुंचे, तब तक कार पूरी तरह आग की चपेट में आ चुकी थी। आग की तेज लपटें कार अंदर से बाहर आ रही, कार भी लगभग 50 प्रतिशत जल चुकी थी। पुलिसकर्मी राजपाल ने बताया कि सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर रवाना हो गई थी। प्राथमिक जांच में आग लगने का कारण कार की बैटरी वायरिंग में शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। उन्होंने बताया कि कार मालिक उस समय मौके पर मौजूद नहीं था और उसने वाहन को किसी के घर के सामने गली में खड़ा करके कहीं चला गया था, खड़ी कार में शार्ट सर्किट हुआ है, जिससे कार में आग लगीं है। फायर ब्रिगेड की तत्परता के चलते आग पर समय रहते काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। इस घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। पुलिस और फायर विभाग द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

दूसरे की जगह परीक्षा दे रहा युवक गिर तार

फरीदाबाद/ भव्य खबर । सीबीएसई रिक्रूटमेंट ए जाम में दूसरे की जगह परीक्षा दे रहे युवक को पुलिस ने गिर तार किया है। पुलिस प्रवता के अनुसार एनआईटी ई लाक स्थित गीता बाल निकेतन स्कूल की उपकेंद्र अधीक्षक गीता बत्रा ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि 20 अप्रैल को स्कूल में सीबीएसई रिक्रूटमेंट (जूनियर अस्सिटेंट एवं सुपरीटेंडेंट) के लिए इवनिंग शि ट में एग्जाम था। परीक्षा के दौरान एक कैंडिडेट रिंकू का बायोमेट्रिक फिंगरप्रिंट मिसमैच पाया गया, जिसका दोबारा से फिंगरप्रिंट चैक किया गया तो भी मैच नहीं हुआ, पूछताछ में पाया गया कि रिंकू की जगह कृष्ण परीक्षा देने आया था। जिस शिकायत पर थाना एसजीएम नगर में विभिन्न धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस चौकी टाउन नंबर 3 की टीम ने रिंकू निवासी गांव खरहर बहादुरगढ़ झज्जर व कृष्ण निवासी भीर झुंझुनू राजस्थान को गिर तार कर लिया है। पूछताछ में सामने आया कि रिंकू की बहन की ननद की शादी नारनौल में थी, जहां पर कृष्ण भी आया हुआ था, वहीं पर रिंकू व कृष्ण की मुलाकात हुई। कृष्ण परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। रिंकू ने सीबीएसई रिक्रूटमेंट (जूनियर अस्सिटेंट एवं सुपरीटेंडेंट) के लिए फॉर्म भरा हुआ था। जिसकी 20 अप्रैल को फरीदाबाद में परीक्षा थी। जिस पर रिंकू ने कृष्ण से संपर्क किया और कृष्ण, रिंकू की जगह पेपर देने एग्जाम सेंटर में गया था। दोनों आ-रोपियों को पूछताछ के बाद सोमवार अदालत में पेश कर जेल भेज दिया।

हरिद्वार में विसर्जित होंगी लावारिसों की

फरीदाबाद/ भव्य खबर । फरीदाबाद में 248 लावा-रस शवों की अस्थियों को विसर्जन करने के लिए शि त सेवा दल द्वारा हरिद्वार भेजा गया है। अस्थियों को हरिद्वार विसर्जन के लिए भेजने से पहले न्यू जनता कालोनी के स्वर्गाश्रम में विधिवत रूप से गंगाजल और दूध से धोया गया। फरीदाबाद में पिछले एक साल में मिले लावारिस शवों को अंतिम संस्कार करने के बाद सेवा दल के लोगो ने अस्थियों को संभाल कर रखा हुआ था। न्यू जनता कॉलोनी के स्वर्गाश्रम में इन अस्थियों रखा जा रहा था। साल 2024 से यहां पर ये अस्थियां एकत्रित हो रही थी। अस्थियों को विसर्जन करने के लिए हरिद्वार ले जाने से पहले धार्मिक संगठनों के लोगों ने गंगाजल और दूध से धोया। संगठन के सदस्यों ने बताया कि ये लावारिश लाशों की अस्थियां है। इन अस्थियों का उसी तरीके से गंगा में विसर्जन किया जाएगा। जैसे वो अपने परिवार के लोगों की अस्थियों का करते है। प्रत्येक परंपरा को पूरा किया जाएगा, ताकि सनातन धर्म के हर नियम का पालन हो सके। प्रधान मोहनलाल अरोड़ा बताया कि उनका शि त सेवा दल पिछले 42 साल से यह काम करता आ रहा है। उनकी संस्था शहर में मिलने वाले शवों का विधि के साथ अंतिम संस्कार करती है। एक साल के अंदर जितनी भी अस्थियां एकत्रित हो जाती है। उनको एक साथ गंगा में बहाया जाता है। अस्थियों को हरिद्वार विसर्जन के लिए जाने से पहले हरियाणा की पूर्व शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा भी पहुंची। सीमा त्रिखा ने कहा कि वह पिछले 22 साल से संस्था के साथ इस दिन शामिल होती है। समाज के लिए संस्था अच्छा काम कर रही है।

लाखों की ठगी का आरोपी मुंबई से

फरीदाबाद/ भव्य खबर । जिला साइबर क्राइम पुलिस ने शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर 7.25 लाख रुपए की ठगी के मामले में एक आरोपी को मुंबई से गिर तार किया है। आरोपी की पहचान बिजेंद्र (22) के रूप में हुई है, जो मूल रूप से राजस्थान का रहने वाला है और वर्तमान में मुंबई के मीरा रोड पर रहता है। से टर-19 के एक निवासी ने साइबर थाना सेंट्रल में शिकायत दर्ज कराई। जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता को ठगों ने 182-स्टॉक मार्केट वेल्थ क्रिएशन नाम के वॉट्सऐप ग्रुप में जोड़ा। इस ग्रुप में स्टॉक और ट्रेडिंग की जानकारी साझा की जाती थी।

शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर लाखों की ठगी, दो गिर तार

फरीदाबाद/ भव्य खबर । शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर लाखों रुपए की ठगी करने के मामले में साइबर थाना एनआईटी पुलिस ने दो आरोपियों को गिर तार किया है। पुलिस प्रवता ने सोमवार को बताया कि चार्मवुड विलेज सुरजकुंड रोड फरीदाबाद की रहने वाली एक महिला ने आरोप लगाया कि उसको एक व्हाट्सएप ग्रुप से जोडा गया, जिसका नाम स्टॉक मार्केट प्रॉफिट टिप्स था जिसमें स्टॉक विश्लेषण बारे सिखाया जाता था।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने की घोषणा....

प्रदेश में हुई आगजनी की घटनाओं से फसलों, पशुओं के जान - माल के नुकसान का किसानों को शीघ्र मिलेगा मुआवजा

माधव गौशाला में श्री कृष्ण मंदिर के लोकार्पण उत्सव में सम्मिलित हुए मुख्यमंत्री

गौशाला के लिए 21 लाख रुपए देने की घोषणा, शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा और कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने भी 11-11 लाख रुपए देने की घोषणा की

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी जिला पंचकूला के गांव सुख दर्शनपुर में श्री माधव गौशाला में श्री राधा कृष्ण मंदिर में पूजा अर्चना करते हुए। (21.04.2025)

नई दिल्ली, 21 अप्रैल – हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने किसानों के हित में घोषणा करते हुए कहा कि प्रदेश में पिछले कुछ दिनों में हुई आगजनी की घटनाओं से हुए फसलों के नुकसान की भरपाई सरकार करेगी। अभी तक लगभग 801 एकड़ में नुकसान की जानकारी मिली है। उपायुक्तों को निर्देश दिए गए हैं कि वे इन घटनाओं की रिपोर्ट ले और नुकसान का आकलन करें। इसके अलावा, कुछ स्थानों पर किसानों को पशुधन की हानि या कोई अन्य नुकसान भी हुआ है, उसकी भरपाई भी सरकार करेगी। मुख्यमंत्री ने किसानों से अपील की कि वे उपायुक्त कार्यालय में जाकर अपने नुकसान के सम्बन्ध में आवेदन करें ताकि जल्द से जल्द मुआवजे का पैसा उनके खातों में डाला जा सके। किसानों को किसी प्रकार की चिंता करने की जरूरत नहीं है।

मुख्यमंत्री ने यह घोषणा आज पंचकूला जिले के सुखदर्शनपुर गांव में स्थित श्री माधव गौशाला में श्री राधा कृष्ण मंदिर के लोकार्पण अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए की। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने गौशाला परिसर में बने श्री राधा कृष्ण मंदिर का लोकार्पण कर पूजा अर्चना की और पौधारोपण कर गौ माता को चारा भी खिलाया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने अपने कोष से 21 लाख रुपये तथा शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने भी अपनी और से 11 - 11 लाख रुपये माधव गौशाला को देने की घोषणा की।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री राधा-कृष्ण का यह मंदिर भक्तों के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र बनेगा। यह मंदिर हमें प्रेम, करूणा और भक्ति की भावना से ओतप्रोत करेगा, जिससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा एक ऐसा प्रदेश है जहां गौ माता को माँ के समान पूजा जाता है। गौमाता की सेवा करना हमारे धर्म और संस्कृति का अभिन्न अंग है और यह गौशाला इस परंपरा को सजीव बनाये हुए है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने गौ संरक्षण को प्राथमिकता दी है। इसके लिए गौशालाओं को आर्थिक सहायता, चारा और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु विशेष योजनाएं लागू की हैं। गौवंश की सुरक्षा के लिए सख्त कानून बनाए गए हैं और निगरानी तंत्र को मजबूत किया गया है। उन्होंने कहा कि माधव गौशाला को गायों के संरक्षण एवं रखरखाव के लिए वर्ष 2022 से लेकर 2024-25 तक लगभग 47 लाख रुपये की अनुदान सहायता दी गई है।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। इस वर्ष गौशालाओं का बजट 595 करोड़ रुपये किया गया है, जबकि 2014 से पहले यह बजट मात्र 2 करोड़ रुपये था। चारे के लिए जमीन की की व्यवस्था करने हेतु प्रदेश सरकार ने व्यवस्था की है और अब गौशालाएं चारे के लिए गौ चरान की भूमि उपयोग कर सकेगी। गौ हित को लेकर सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि गौमाता बेसहारा न रहे, इसके लिए तीन गौ अभ्यारण्य स्थापित किए हैं। इनमें एक गांव नैन, जिला पानीपत में और दूसरा गांव ढंढूर, जिला हिसार में और तीसरा पंचकूला में बनाया गया है। इनमें शैड, पानी व चारे की व्यवस्था की गई है। इनके लिए 8 करोड़ रुपये की राशि जारी की जा चुकी है। इनमें लगभग 6,500 बेसहारा गौवंश को आश्रय दिया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेसहारा गौवंश के पुनर्वास के लिए 200 गौशालाओं को शैड बनाने के लिए 10 लाख रुपये प्रति गौशाला अनुदान दिया जाने की घोषणा की थी। ऐसी 50 गौशालाओं में शैड बनाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 तक हरियाणा में 215 पंजीकृत गौशालाओं में केवल 1 लाख 74 हजार गौवंश था लेकिन, इस समय राज्य में 683 पंजीकृत गौशालाएं हैं। इनमें 4 लाख बेसहारा गौवंश का पालन-पोषण हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने पंजीकृत गौशालाओं को पिछले दस वर्षों में चारे के लिए 270 करोड़ रुपये का अनुदान दिया है। पिछले वित्त वर्ष में 608 गौशालाओं को चारे के लिए 166 करोड़ रुपये की राशि दी गई है।

शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा और कृषि मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने भी उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया।

इस अवसर पर श्री श्री 1008 श्री संपूर्णानंद जी महाराज, पंचकूला के महापौर श्री कुलभूषण गोयल, विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद गुप्ता, पंजाब के पूर्व मंत्री मनप्रीत बादल, गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष श्रवण गर्ग सहित माधव गौशाला के विभिन्न पदाधिकारी मौजूद रहे।

मोदी कर रहे बाबा साहेब के सामाजिक न्याय के सपने को साकार : कृष्णपाल

फरीदाबाद। केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि बाबा साहेब के दिखाए रास्ते पर चलकर भाजपा की केंद्र और प्रदेश सरकार समाज हित का कार्य कर रही है और शोषितों, पीड़ितों और दलितों को मजबूत करने का काम कर रही हैं। मोदी जी बाबा साहेब के सामाजिक न्याय के सपने को साकार करने में समर्पित भाव से जुटे हैं। बाबा साहेब जयंती के तहत सोमवार को बल्लभगढ़ में भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर सम्मान सभा में मुख्य वक्ता केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने बाबा साहेब के विचारों व राष्ट्र निर्माण में उनके अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला। गुर्जर ने बल्लभगढ़ के विधायक मूलचंद शर्मा, एन.आई.टी विधायक सतीश फागना, बल्लभगढ़ के जिला अध्यक्ष सोहनपाल सिंह, जिला प्रभारी कमल यादव के साथ बाबा साहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर सहित दलित समाज के वरिष्ठ व प्रबुद्धजन और भाजपा मंडल अध्यक्षगण, एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। गुर्जर ने कहा कि भाजपा की मोदी सरकार ने बाबा साहेब को सम्मान देते हुए उनसे जुड़े 5 स्थलों - पंचतीर्थ- को विकसित करने का काम किया। इस मौके पर विधायक पंडित मूलचंद शर्मा ने कहा कि भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने सामाजिक भेदभाव के खिअलाफ़ अभियान चलाया और दलितों के लिए शिक्षा और समानता का समर्थन किया। बाबा साहेब ने अपने पुरे जीवन समाज के पिछड़े और पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति के सम्मान और अधिकारों के लिए लड़ते रहे और उन्होंने छुआछूत और जाति प्रथा को दूर करने के लिए लंबा संघर्ष किया। एन.आई.टी से विधायक सतीश फागना ने कहा कि भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने भारत के संविधान के माध्यम से देश के हर व्यक्ति को लोकतांत्रिक अधिकार देने का काम किया दिया और उन्होंने समाज के अंतिम व पिछड़े व्यक्ति की लड़ाई लड़ी। इस मौके पर बल्लभगढ़ के जिला प्रभारी कमल यादव, बल्लभगढ़ के भाजपा जिला अध्यक्ष सोहनपाल सिंह, विजय लोहिया, नीरा तोमर, हुकम सिंह भाटी, धर्म चौधरी, आर एन सिंह, स्वराज भाटी, मीना भाटी, जे पी मास्टर, मान सिंह, कवींद्र चौधरी, चाँदनी आज़ाद आदि मौजूद थे।

थाना प्रभारी की गिरफ्तारी के विरोध में हिंदू संगठनों ने किया प्रदर्शन,खेल मंत्री को सौंपा ज्ञापन

पलवल। जिले में शहर थाना प्रभारी राधेश्याम की गिरफ्तारी के विरोध में हिंदू संगठनों ने सोमवार को प्रदर्शन किया। इंस्पेक्टर पर एक आरोपी को प्रताड़ित करने का आरोप है। हिंदू संगठनों ने ताऊ देवीलाल पार्क में एकत्रित होकर इंस्पेक्टर की तत्काल रिहाई और उनके खिलाफ दर्ज मुकदमे को रद्द करने की मांग की। संगठनों ने चेतावनी दी है कि अगर इंस्पेक्टर को रिहा नहीं किया गया, तो नेशनल हाईवे-19 पर आगरा चौक पर चक्का जाम किया जाएगा। खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने मौके पर पहुंचकर आश्वासन दिया कि मामले की जांच की जा रही है। गौ रक्षकों ने मंत्री को सौंपे ज्ञापन में इंस्पेक्टर की रिहाई के साथ एसपी चंद्र मोहन सिंह का तबादला करने की मांग भी रखी।गौ रक्षा दल के बिट्टू बजरंगी ने कहा कि इंस्पेक्टर राधेश्याम की गिरफ्तारी गलत है। उन्होंने बताया कि राधेश्याम की गो रक्षा के प्रति सकारात्मक भावना के कारण यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने मेवात के कांग्रेस नेताओं पर भी आरोप लगाते हुए कहा कि वे इंस्पेक्टर के प्रति गलत भावना रखते थे। गो रक्षकों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही इंस्पेक्टर को रिहा नहीं किया गया, तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। बजरंग दल के मुनीष भारद्वाज एवं अन्य हिंदू संगठनों के नेताओं ने इंस्पेक्टर की गिरफ्तारी को लेकर पार्क में मौजूद गो रक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि इंस्पेक्टर राधेश्याम ने अपनी ड्यूटी के दौरान गो तस्करों पर अपना शिकंजा हमेशा से कसा है। जिसके चलते अंदर खाने उनसे गो तस्करों के समर्थक परेशान थे और अब उन्हें कथित तौर पर झूठे मामले में गिरफ्तार कर लिया गया, जो गलत है।वक्ताओं ने हरियाणा सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि सरकार गो हत्या के प्रति उदासीन है और गो हत्यारों के हौसले बुलंद हैं। सरकार गौवध पर रोक लगाए, ताकि गोरक्षकों को अपनी जान खतरे में न डालनी पड़े। उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि तुरंत राधेश्याम को रिहा किया जाए अन्यथा गम्भीर परिणाम भुगतने को तैयार रहे। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर दो दिनों में उन्हें नहीं छोड़ा गया, तो आगरा चौक पर चक्का जाम के साथ रविवार को एक बड़े आंदोलन की तैयारी गो रक्षक शुरू कर देंगे। जिसका जिम्मेवार जिला प्रशासन स्वयं होगा। खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम ने कहा कि सरकार मामले की जांच करा रही है, जल्द ही जांच पूरी होने पर दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।प्रदर्शन को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय बजरंग दल के क्षेत्रीय महामंत्री मुनीष भारद्वाज, गो रक्षा दल के अध्यक्ष शैलेन्द्र हिन्दू, नारायणी सेना के सोनू ठाकुर, गो रक्षा बजरंग फोर्स के बिट्टू बजरंगी, विक्रम ठाकुर, राम सेना से अनिल कौशिक, भारत भूषण, गोरक्षक प्रवीण गुरुजी, मनोज गौतम, हेमंत, देवेंद्र भगतजी व राजेश भारद्वाज सहित काफी संख्या में हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता व नेता शामिल हुए।

बिजली दरों में वृद्धि अनुचित, उद्योगों के लिए घातक: दीपक मैनी

गुरुग्राम। हरियाणा में हुई बिजली दरों में वृद्धि के विषय पर प्रोग्रेसिव फेडरेशन ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन दीपक मैनी ने कहा कि बिजली दरों में की गई वृद्धि ना केवल आमजन के लिये परेशानी का सबब बन गई है, बल्कि पहले से आर्थिक तंगी झेल रहे उद्योग जगत के लिये पूर्णतया घातक सिद्ध होने जा रही है। मैनी ने बताया कि प्रति यूनिट दरों में बढ़ोतरी के अलावा फिक्स चार्ज में बेतहाशा वृद्धि ने उद्योग जगत की चिंता बढ़ा दी है। विशेषकर छोटे उद्योगों की तो कमर तोड़ कर रख दी है। उन्होंने आगे बताया कि कम खपत वाले उद्योगों को बिजली पहले ही प्रति यूनिट लगभग 11 से 12 रुपये पड़ रही थी, जो अब बढ़ कर लगभग 15 से 16 रुपए प्रति यूनिट हो जाएगी। यदि कोई उद्योग डीजल जनरेटर से बिजली इस्तेमाल करता है तो उसे लगभग 17-18 रुपये प्रति यूनिट का खर्च वहन करना पड़ता है। इस लिहाज से दोनों तरह की बिजली की प्रति यूनिट लागत में कोई अंतर नही रह गया है । पी एफ टी आई की बिजली समिति बिजली दरों में हुई बढ़ोतरी का विस्तृत आंकलन कर रही है और इस बारे में जल्द ही अपना पक्ष हरियाणा विद्युत नियामक आयोग के सामने रखेगी। दीपक मैनी ने आगे बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत हो रहा है कि विद्युत नियामक आयोग ने बिजली दरों में बढ़ोतरी से पहले सभी पहलुओं पर समुचित विचार नहीं किया। विद्युत वितरण कंपनियां 2020-21 में लाभ में थीं और इस बारे में कयास लगाए जाने लगे थे कि हरियाणा में बिजली दरों को कम किया जाएगा परंतु पिछले लगभग 4-5 वर्षों में ही इन कम्पनियों का घाटा लगभग 5000 करोड़ पहुंच गया है। इस घाटे के कारणों की जांच करने के बजाय और घाटे से उबरने के लिए उचित उपायों का आंकलन करने की बजाय बिजली दरों में वृद्धि की अनुमति दे दी गई है जिस पर एक बार पुनर्विचार किया जाना चाहिए।

गुरुग्राम में ओल्ड दिल्ली रोड पर नए मेट्रो रूट में बदलाव की तैयारी

गुरुग्राम। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो रूट में ओल्ड दिल्ली रोड पर बदलाव करने की तैयारी की जा रही है। अगले दो महीने के अंदर इस बदलाव को लेकर फैसला हो जाएगा। इस बदलाव से दो प्रस्तावित मेट्रो स्टेशन के लिए नए सिरे से अब जमीन की तलाश होगी। 28.5 किलोमीटर लंबाई के ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो रूट के तहत 27 मेट्रो स्टेशन का निर्माण किया जाना है। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) के एक अधिकारी ने बताया कि ओल्ड दिल्ली रोड पर मेट्रो रूट में बदलाव किया जा रहा है। पूर्व योजना के तहत सुशील ऐमा रोड (पालम विहार रोड) से निकलने के बाद मेट्रो को सेक्टर-18 और 19 को विभाजित कर रही सड़क से दिल्ली-जयपुर हाईवे पर साइबर सिटी मेट्रो स्टेशन के पास जोड़ा जाए। नई योजना के तहत ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो को दिल्ली रोड पर हनुमान चौक तक लेकर जाएंगे। यहां से सेक्टर-19 और 20 को विभाजित कर रही सड़क से लेकर जाएंगे। ये शंकर चौक के समीप साइबर सिटी मेट्रो स्टेशन से जाकर मिलेगी। उन्होंने बताया कि योजना में बदलाव से ओल्ड दिल्ली रोड पर एसईजेड और सेक्टर-19-20 को विभाजित कर रही कई कंपनियों से यह मेट्रो जुड़ जाएगी। नए रूट से मेट्रो के दो स्टेशन उद्योग विहार के फेज-चार और फेज-पांच की जगह में बदलाव किया जाएगा। ऐसा होने से गांव डूंडाहेड़ा और सेक्टर-21 भी मेट्रो से जुड़ जाएगा।

हरियाणा में 754 महिला चौपाल बनाने की तैयारी, सीएम 24 अप्रैल को पंचायती राज दिवस पर करेंगे ऐलान

चंडीगढ़। हरियाणा के गांवों में बहुत जल्द 754 महिला चौपाल बनाई जाएंगी। इसके लिए विभागीय अधिकारियों की तरफ से ड्राफ्ट बनाना शुरू कर दिया है। इस परियोजना पर करीब 18 करोड़ रुपये का खर्च आएगा।

मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा आगामी 24 अप्रैल को पंचकूला में आयोजित होने वाले पहले राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस कार्यक्रम में घोषणा किए जाने की संभावना है। कार्यक्रम में पंचायती राज संस्थाओं (ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, जिला परिषद) के 6,000 निर्वाचित प्रतिनिधि भाग लेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन इस मौके पर संबोधन होगा। वह राष्ट्रीय स्तर के बिहार के मधुबनी में होने वाले कार्यक्रम में शामिल होंगे, इसका सीधा प्रसारण किया जाएगा।

इस योजना को अमली रूप देने के लिए विकास एवं पंचायत विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, वित्त विभाग के अधिकारियों ने मंथन शुरू कर दिया है।

पहले चरण में, मौजूदा इमारतों वाले गांवों को %चौपाल% के लिए चुना गया है, जो महिलाओं को इकट्ठा होने और तनाव दूर करने के लिए एक विशेष स्थान प्रदान करेगा। चौपाल में महिला सांस्कृतिक केंद्र भी होंगे, जहां गायन, नृत्य और अन्य गतिविधियों सहित मनोरंजन की सविधाएं प्रदान की जाएंगी।

चौपाल खोलने के लिए उपलब्ध इमारतों की पहचान करने के लिए एक फील्ड सर्वे किया गया था। महिला चौपालों के लिए पहले से बनी कई इमारतों का आजतक इस्तेमाल नहीं हुआ और कुछ इमारतें मनोरंजन गतिविधियों के लिए इस्तेमाल की जानी थीं। योजना के अनुसार सरपंचों को इस योजना को तेजी से लागू करने का काम सौंपा जाएगा। हरियाणा में पहले से ही 100 से अधिक महिला चौपालें हैं, जिन्हें इस योजना के तहत फिर से चालू किया जाएगा।

मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा आगामी 24 अप्रैल को पंचकूला में आयोजित होने वाले पहले राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस कार्यक्रम में घोषणा किए जाने की संभावना है। कार्यक्रम में पंचायती राज संस्थाओं (ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, जिला परिषद) के 6,000 निर्वाचित प्रतिनिधि भाग लेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन इस मौके पर संबोधन होगा। वह राष्ट्रीय स्तर के बिहार के मधुबनी में होने वाले कार्यक्रम में शामिल होंगे, इसका सीधा प्रसारण किया जाएगा।

संक्षिप्त डायरी

पंजाब में 13 आतंकी गिर तार, रा-ॅकेट से चलने वाले ग्रेनेड, आईईडी और आरडीए स मिले

जालंधर बेंगलुरु/ भव्य खबर। पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ढ्ढस्ढ्ढऔर बबर खालसा इंटरनेशनल से जुड़े 13 आतंकी गिर तार किए हैं। इसमें 1 नाबालिग है। 4 दिन से चल रहे पंजाब पुलिस के ऑपरेशन में दो आतंकी मॉड्यूल का सफाया किया गया है। पुलिस का दावा है कि इनके निशाने पर थाने-प्रमुख लोग थे। पकड़े गए आर्तकियों से 2 रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड 1 ग्रेनेड लांचर, ढाई-ढाई किलो की दो इंप्रोवाइस्ड ए सप्लोसिव डिवाइस, डेटोनेटर, 2 हथगोले, रिमोट कंट्रोल और 2 किलो रॉयल डिमॉलिशन ए सप्लोसिव, 5 पिस्तौल (बेरेटा और ग्लॉक), 6 मैगजीन, 44 कारतूस, 1 वायरलेस सेट और 3 वाहन मिले हैं। शनिवार को डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि ये लोग आईएसआई के इशारे पर देशविरोधी गतिविधियों में शामिल थे। गिर तार आतंकियों ने कई थानों को भी टारगेट करना था। जल्द सभी को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि पंजाब पुलिस ने खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए दो अभियानों में बबर खालसा इंटरनेशनल द्वारा विदेश से संचालित किए जा रहे आईएसआई समर्थित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है।

प्यार में बच्चे बन रहे थे रोड़ा, दही-चावल में मिलाकर खिला दिया जहर-तीनों बच्चों की मौत, महिला प्रेमी से करना चाहती थी शादी

हैदराबाद/ भव्य खबर। तेलंगाना में एक महिला ने अपने प्रेमी के लिए अपने तीन बच्चों को दही चावल में जहर मिलाकर खिला दिया और किसी को शक न हो इसलिए खुद भी थोड़ा सा जहर खा लिया। बाद में बच्चों के साथ उसे भी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां पर उसकी जान तो बच गई लेकिन तीन बच्चे मौत की आगोश में सो गए। पुलिस के मुताबिक संगारेड्डी में पिछले महीने हुई इस घटना की जांच चल रही थी। आरोपी महिला रजिता एक निजी स्कूल में शिक्षिका थी, जिस रात रजिता ने अपने तीनों बच्चों को जहर खिलाए उस रात उसका पति घर पर नहीं था। तीनों बच्चों और मां पर जहर का असर देख पुलिस का शक पति पर गया। योंकि परिवार में वही अकेला बचा था लेकिन पूछताछ के दौरान पुलिस को उससे ज्यादा कोई जानकारी नहीं लगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रजिता ने तीनों बच्चों की हत्या की योजना बड़ी ही चालाकी और समझदारी से बनाई। पुलिस ने बताया कि स्कूल रियूनियन के दौरान रजिता अपने एक पूर्व लासमेट से मिली..जहां से दोनों की मुलाकात और बातचीत शुरू हो गई और फिर धीरे-धीरे अफेयर हो गया। रजिता अपनी शादी से खुश नहीं थी और वह अपने प्रेमी के साथ एक नई जिंदगी शुरू करना चाहती थी लेकिन उसके बच्चे इसमें सबसे बड़ी समस्या थे..उसे लग रहा था कि बच्चों के साथ वह घर छोड़कर नहीं जा सकती है।

कुख्यात अंडरवर्ल्ड डॉन रहे मुथप्पा के बेटे पर हुआ जानलेवा हमला

बेंगलुरु/ भव्य खबर। कुख्यात अंडरवर्ल्ड डॉन रहे मुथप्पा राय के बेटे रिकी राय पर शुक्रवार देर रात को जानलेवा हमला हो गया। यह हमला बेंगलुरु के पास बिददी इलाके में हुआ है। पुलिस ने जानकारी दी कि हमला तब हुआ जबकि रिकी अपनी कार से ड्राइवर और गनमैन के साथ बेंगलुरु लौट रहा था। इसी बीच उनके घर से महज 200 मीटर की दूरी पर रात करीब 1:30 बजे एक अज्ञात हमलावर ने दो राउंड फायरिंग कर घायल कर दिया। दोनों घायलों को बेंगलुरु के मणिपाल अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करा दिया गया है। डॉ टरों का कहना है कि दोनों घायल खतरे से बाहर हैं। पुलिस सूत्रों की मानें तो रिकी हाल ही में रूस की विदेश यात्रा करके लौटे थे और पारिवारिक मामलों को सुलझाने में लगे हुए थे। ऐसे में रिकी पर हुए हमले की एक वजह रियल एस्टेट कारोबारी से चल रहा विवाद बताया जा रहा है। हमले के पीछे रिकी के ड्राइवर ने एक बिल्डर और रिकी की पहली पत्नी पर शक जाहिर किया है। यहां बताते चलें कि अंडरवर्ल्ड डॉन रहे मुथप्पा राय के एक पुराने दुश्मन पर भी शक की सुई है, जिसकी जांच की जा रही है। रिकी पर हुए जानलेबा हमले के बाद बिददी पुलिस स्टेशन में अटेंप्ट टू मर्डर और आर्स ए ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि हमले की सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है।

भारत की आपत्ति के बाद रद्द हुआ श्रीलंका और पाकिस्तान सैन्य अयास

नई दिल्ली/ भव्य खबर। श्रीलंका के त्रिंकोमाली तट के निकट होने वाला सैन्य अयास रद्द हो गया है। भारत की आपा ि के बाद श्रीलंका और पाकिस्तान का यह प्रस्तावित अयास फिलहाल रोक दिया गया है।यह वही त्रिंकोमाली है जहां भारत, श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) मिलकर एक ऊर्जा हब विक-सित कर रहे हैं। भारत ने इस अयास को लेकर अपनी चिंताओं को श्रीलंका सरकार के समक्ष दृढ़ता से उठाया, जिसके बाद इस योजना को रद्द कर दिया गया। सूत्रों के अनुसार, यह नौसैनिक अयास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की श्रीलंका यात्रा से कुछ सप्ताह पहले प्रस्तावित किया गया था। मोदी की इस यात्रा के दौरान भारत और श्रीलंका के बीच पहली बार एक रक्षा सहयोग समझौता हुआ, साथ ही यूएई के साथ त्रिपक्षीय ऊर्जा परियोजना को लेकर भी एक समझौता हुआ जिसमें मल्टी-प्रोड ट पाइपलाइन और द्वितीय विश्व युद्ध के समय के तेल टैंक फार्म का विकास शामिल है। भारतीय अधिकारियों को जैसे ही इस संयुक्त अयास की जानकारी मिली, कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग ने श्रीलंकाई प्रशासन से संपर्क किया और इस पर गहरी चिंता जताई। भारत ने साफ कहा कि इस क्षेत्र में उसके महत्वपूर्ण रणनीतिक हित हैं और इस तरह के अयास भारत की सुरक्षा चिंताओं को बढ़ा सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि यह अयास पाकिस्तान की ओर से जानबूझकर भारत को उकसाने की कोशिश के रूप में देखा गया। इसके बाद श्रीलंकाई प्रशासन ने चुपचाप इस अयास को रद्द कर दिया, हालांकि पाकिस्तानी पक्ष ने इसका विरोध किया था

विदेशों में जाकर भारत को बदनाम करने वाले राहुल गांधी याद रखें वह जमानत पर हैं

बीजेपी ने बोस्टन में चुनाव आयोग पर की गई टिप्पणी को लेकर बोला हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी ने राहुल गांधी द्वारा बोस्टन में चुनाव आयोग पर की गई टिप्पणी को लेकर हमला बोला। बीजेपी प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि राहुल गांधी की यही निराशा है कि आज वह विदेशी भूमि पर जाकर भारत और महान लोकतंत्र को अपमानित कर उसे बदनाम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुलजी अमेरिका में जाकर कहते हैं कि महाराष्ट्र के चुनाव में जो मतदान हुआ, वह एक प्रकार से फर्जीवाड़ा था। महाराष्ट्र में बीजेपी और उनके सहयोगियों को नहीं जीतना था, लेकिन मैं राहुल गांधी से पूछना चाहता हूं कि उस समय झारखंड में भी चुनाव हुआ था, क्या आपने और हेमंत सोरेन ने इलेक्शन कमीशन से समझौता किया था?

पात्रा ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने 240 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस को केवल 99 सीटें मिलीं। फिर भी, उन्होंने जश्न मनाया और दावा किया कि यह बीजेपी की हार है। तो क्या चुनाव आयोग ने कांग्रेस से समझौता किया? अयोध्या चुनाव में भी उन्होंने जीत का जश्न मनाया। यह कैसे संभव हुआ? उन्होंने कहा कि यह इसलिए संभव हुआ क्योंकि भारत में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव होते हैं। विदेश में भारत का अपमान करने वाले राहुल गांधी को याद रखना चाहिए कि वे 50 हजार की जमानत पर बाहर हैं। जिस थाली में खाते हैं, उसी में राहुल गांधी छेद करते हैं।

उन्होंने कहा कि आज सुबह से हम मीडिया में देख रहे हैं, तो दो खबरें सुर्खियों में हैं। पहली खबर राहुल गांधी विदेशी भूमि पर जाकर वही कर रहे हैं, जो वह कई दशकों से करते आ रहे हैं, भारत की बेइज्जती और अपमान। अमेरिका में राहुल गांधी ने भारत का अपमान किया है। दूसरी खबर है कि आज से कांग्रेस के सभी बड़े नेता चोर मचाए शोर की तर्ज पर देश के अलग-अलग हिस्सों में जाकर मां-बेटे को बचाने के लिए प्रेस कांफ्रेंस करेंगे।

पात्रा ने कहा कि ईडी ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी को अपनी चार्जशीट में नामांकित किया है, उन दोनों के खिलाफ कोर्ट में जो कार्रवाई हो रही है, ऐसे में पूरे देश में एक अशांत माहौल बनाने का प्रयास कांग्रेस कर रही है। उन्होंने कहा कि मैं राहुलजी से और देशवासियों से कहना चाहता हूं कि जो व्यक्ति और उनकी माताश्री 50 हजार के मुचलके पर जमानत पर बाहर हैं, वह विदेशी धरती पर जाकर हिंदुस्तान को अपमानित कर रहा है, लेकिन अगर उन्हें लगता है कि लोग उनपर विश्वास करेंगे, तो ये उनका भ्रम है। देश की चुनावी प्रक्रिया पर राहुल गांधी की आलोचनाओं का जवाब देते हुए बीजेपी के नेता प्रदीप भंडारी ने कहा कि लोकतंत्र विरोधी, भारत विरोधी राहुल गांधी जो भारतीय मतदाताओं का विश्वास नहीं जीत सके, वे

विदेशी धरती पर भारतीय लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल उठाने लगे हैं। राहुल हमेशा विदेशी धरती पर भारत को बदनाम क्यों करते हैं जॉर्ज सोरोस का एजेंट जो भारतीय राज्य से लड़ रहा है। यही आज राहुल गांधी का इरादा है।

राजभर का ममता सरकार पर तंज, बंगाल को भी कानून को मानना पड़ेगा

-जिन्होंने इसकी जमीनों पर कब्जा किया, वे डरे हुए

बलिया । उत्तर प्रदेश के बलिया से फिर पश्चिम बंगाल का मुद्दा उठा है। बंगाल में वक्फ संशोधन कानून को लेकर चल रहे विवाद के बीच उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि केंद्र का वक्फ कानून लागू हो चुका है। बंगाल को भी कानून को मानना पड़ेगा। यह कानून गरीब मुस्लिमों के हित में है। इससे वक्फ की जमीनों पर कब्जा करने वालों की मुश्किलें बढ़ेंगी। राजभर ने कहा कि वक्फ कानून से वहीं लोग घबरा रहे हैं, जिन्होंने इसकी जमीनों पर कब्जा किया है। मंत्री राजभर ने कहा कि नए कानून के तहत वक्फ से जुड़े विवाद के मामलों को न्यायालय में चुनौती दी जा सकेगी। पहले यह व्यवस्था नहीं थी। इतना ही नहीं योगी के मंत्री राजभर ने कहा कि नया कानून आने से वक्फ कमिटी में महिलाओं की भागेदारी होगी। यह कानून गरीब मुस्लिमों के भले के लिए है। उन्होंने बंगाल की स्थिति पर तंज कर कहा कि केंद्र का कानून सर्वोपरि है। इस कानून को लागू करना हर राज्य की जिम्मेदारी है। पश्चिम बंगाल कोई अलग नहीं है। ओपी राजभर ने कहा कि 246 योजनाओं का लाभ जनता को आसानी से मिल रहा है, इसमें पेंशन, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, खसरा-खतौनी जैसे सेवाएं शामिल हैं। 60 प्रतिशत पंचायत सहायक प्रशिक्षित हो चुके हैं। गांवों में जल निकासी के लिए नालियों और सोखों का निर्माण तेजी से हो रहा है।

भाजपा ने साधा ममता पर निशाना और की मुर्शिदाबाद हिंसा की एनआईए जांच की मांग

कोलकाता (एजेंसी)। पिछले कई दिनों से पश्चिम बंगाल में हिंसा, आगजनी और तोड़फोड़ की खबरें आ रहीं हैं। विपक्षी दल भाजपा इस मामले में ममता सरकार पर हमलावर है। भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा कि ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में बांग्लादेश जैसी स्थिति ला रही हैं। राज्य में हिंदुओं की हत्या की जा रही है। लोगों को बांग्लादेश की स्थिति पता है। बनर्जी ने पहले ही पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश को लाइट वर्जन बना दिया है।

वहीं, राज्य में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने मुर्शिदाबाद हिंसा की एनआईए जांच की मांग की। उन्होंने कहा हम अपनी संस्कृति और धर्म को जीवित रखने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल में हिंदू खतरे में हैं। इस तरह की क्रूर हत्या के लिए राज्य पुलिस पूरी तरह जिम्मेदार है।उन्होंने हिंसा के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराने के लिए समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव की भी आलोचना की। अधिकारी ने कहा कि अखिलेश यादव का बयान राजनीति से प्रेरित है।

इधर राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहटकर ने मालदा और मुर्शिदाबाद हिंसा पर पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस से मुलाकात की। राहतकर ने कहा कि मैंने राज्यपाल को महिलाओं और बच्चों की स्थिति के बारे में बताया है। स्थिति बहुत गंभीर है। रहटकर ने कहा- हम पीड़ितों के पुनर्वास के लिए सभी प्रयास करेंगे और पश्चिम बंगाल सरकार को सिफारिशें करेंगे। हम उन महिलाओं और परिवारों के साथ खड़े होना चाहते हैं जो दर्द में हैं। शांति स्थापित करने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की है। उन्होंने कहा कि आयोग अपनी रिपोर्ट में उन सभी महिलाओं के बयान शामिल कर रहा है, जिन्होंने आपबीती सुनाई है। उन लोगों ने कहा कि बीएसएफ ने उनकी जान बचाई। उनके घर बचाए।

क्या पीएम मोदी कमजोर हो चुके हैं उनकी पकड़ अब सरकार और पार्टी पर नहीं?

-बीजेपी सांसद निशिकांत के बयान को लेकर पवन खेड़ा ने प्रधानमंत्री से किया सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे की सुप्रीम कोर्ट को लेकर की गई टिप्पणी पर विवाद थमा नहीं रहा है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने निशिकांत के बयान को लेकर पीएम मोदी से सवाल किया है। उन्होंने कहा कि यह बिना पीएम की स्वीकृति के नहीं हो सकता है। पवन खेड़ा ने कहा कि पीएम अपने आप को बहुत मजबूत मानते हैं और उनके इशारे के बिना बीजेपी का कोई सांसद इस तरह की टिप्पणी कर नहीं सकता है। अगर यह उनकी स्वीकृति के बगैर हुआ है तो पीएम मोदी बहुत कमजोर हो चुके हैं। न उनकी अब सरकार पर पकड़ है और न ही पार्टी पर।

पवन खेड़ा ने कहा कि मैं पूछना चाहता हूं कि अगर पीएम मोदी की पार्टी पर अब भी पकड़ मजबूत है तो उन्हें पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा को बोलकर निशिकांत को कारण बताओ नोटिस जारी करवाना चाहिए, क्योंकि उन्होंने संविधान पर सीधा हमला बोला है। ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है, इससे पहले सभी ने देखा है कि उपराष्ट्रपति धनखड़ ने न्यायपालिका पर टिप्पणी की। मैं पूछना चाहता हूं कि ये हमले कौन करा रहा है?

बता दें बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कहा था कि अगर सुप्रीम कोर्ट कानून बनाता है तो संसद और विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए उन्होंने सीजेआई पर भी टिप्पणी की थी। हालांकि, बीजेपी ने निशिकांत दुबे और पार्टी के राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा की ओर से सुप्रीम कोर्ट और देश के मुख्य न्यायाधीश पर दिए गए बयान से किनारा कर लिया है। दोनों नेताओं ने वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई के संदर्भ में न्यायपालिका पर सवाल उठाए थे।

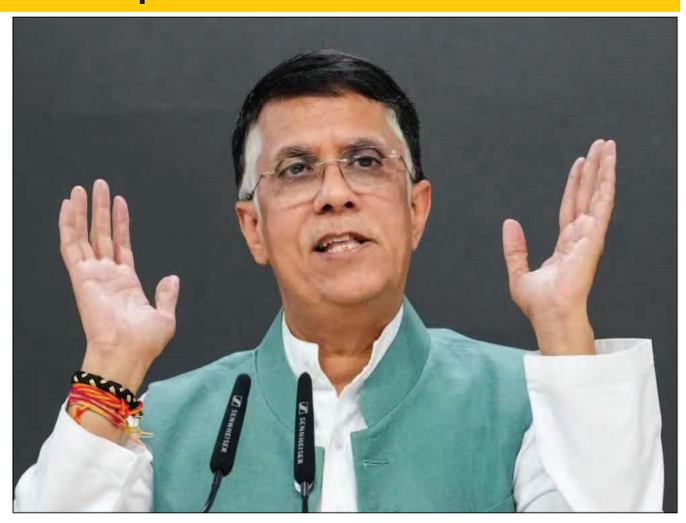

सोनिया, राहुल की प्रतिष्ठा धूमिल करने के लिए किया गया हमला, कांग्रेस लड़ेगी और विफल करेगी : चिदंबरम

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने सोमवार को आरोप लगाया कि पार्टी के शीर्ष नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी की ईमानदारी तथा प्रतिष्ठा की धूमिल करने के मकसद से 'नेशनल हेराल्ड' मामले में आरोप पत्र दाखिल किया गया। पूर्व वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि सोनिया और राहुल गांधी पर इस राजनीतिक हमले का कांग्रेस पुरजोर विरोध करेगी और इसे नाकाम करेगी। चिदंबरम ने संवाददाताओं से बातचीत में 'नेशनल हेराल्ड' मामले का ब्यौरा दिया और सवाल किया, ''अपराध कहां है? कहां हैं अपराध की कमाई ? भ्रष्टाचार का पैसा कहां है? कहां है धनशोधन का अपराध?'' उन्होंने कहा, ''मैं समझता हूं कि पीएमएलए अदालत ने अभी तक ईडी की शिकायत (या आरोप पत्र) का संज्ञान नहीं लिया है।'' उन्होंने दावा किया कि बुनियादी बात यह है कि पैसे का कोई लेन-देन नहीं है। चिदंबरम का कहना था, ''पैसे के बिना 'अपराध की कमाई' नहीं होती, 'अपराध की आय' के बिना, कोई धनशोधन नहीं होता है। धनशोधन हुए बिना ईडी का कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी की ईमानदारी और प्रतिष्ठा को निशाना बनाने के लिए सत्ता का खुला दुरुपयोग किया गया है। कांग्रेस नेता ने कहा, ''इस मामले के तथ्यों से यह स्पष्ट है कि ईडी अपने राजनीतिक आकाओं के इशारे पर प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के नेताओं के खिलाफ प्रतिशोध की कार्रवाई कर रही है।'' चिदंबरम ने इस बात पर जोर दिया कि पूरी कांग्रेस पार्टी अपने नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर इस राजनीतिक हमले का विरोध करेगी, लड़ेगी तथा इसे नाकाम करेगी। उन्होंने कि इस मामले में सत्य की जीत होगी और न्याय होगा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड मामले में कथित तौर पर 988 करोड़ रुपये के धनशोधन के लिए यहां एक विशेष अदालत में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी सहित अन्य के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है।

आप नहीं लड़ेगी मेयर का चुनाव, अब दिल्ली में होगी ट्रिपल इंजन की सरकार

आप नेता सौरभ ने कहा- अब बीजेपी को बिना बहाना बनाए काम करना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में आगामी महापौर चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। चुनाव 25 अप्रैल को होना हैं और सोमवार को नामांकन दाखिल करने का आखिरी तारीख है। आप ने ऐलान किया है कि वह मेयर पद के लिए कोई उम्मीदवार नहीं खड़ा करेगी क्योंकि पार्टी के पास वर्तमान में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में पर्याप्त संख्या नहीं है, जहां बीजेपी बहुमत में है। इसके साथ ही बीजेपी दिल्ली में ट्रिपल इंजन सरकार स्थापित करने के लिए तैयार है जिसका नियंत्रण केंद्र, दिल्ली प्रशासन और अब एमसीडी पर भी होगा।

आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि हमने फैसला किया है कि इस बार मेयर का चुनाव नहीं लड़ेंगे। बीजेपी को अपना मेयर चुनकर अपनी स्थायी समिति बनानी चाहिए और बिना किसी बहाने के दिल्ली पर शासन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस दिन से दिल्ली में एमसीडी चुनाव तय हुए हैं, तब से सत्ता हथियाने की बीजेपी की बेचैनी सबके सामने दिख रही है, चाहे वह चुनाव टालकर एकीकरण करना हो, या परिसीमन के

नाम पर बीजेपी के लिए छोटे-छोटे वार्ड बनाना हो या फिर लगातार भ्रष्ट तरीकों का इस्तेमाल करके मेयर और स्टैंडिंग कमेटी के चुनाव जीतने की कोशिश करना हो। उन्होंने कहा कि अब बीजेपी के पास केंद्र है, उनके एलजी हैं, उनकी दिल्ली सरकार है, और एमसीडी भी उनके पास होगी, इसलिए अब उन्हें दिल्ली की जनता के सामने कोई बहाना नहीं बनाना चाहिए और उन्हें दिखाना चाहिए कि दिल्ली में पूरा प्रशासन कैसे चलाया जाता है। हार झेलने के बाद एमसीडी में बीजेपी की ताकत 119 हो गई है, क्योंकि पिछले कुछ महीनों में कई आप विधायकों ने पार्टी छोड़ दी है। एमसीडी में मनोनीत सांसद और विधायक दोनों ही मेयर और डिप्टी मेयर के पदों के लिए होने वाले चुनावों में वोट देने के पात्र हैं। एमसीडी सचिव कार्यालय द्वारा जारी नोटिस के मुताबिक निगम 25 अप्रैल को अपनी साधारण बैठक आयोजित करेगा। दोपहर 2 बजे मेयर और डिप्टी मेयर के लिए चुनाव कराया जाएगा।

हिमाचल में बारिश, तूफान, और ओलावृष्टि से फसल बर्बाद, किसानों को मुआवजे की आस

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल में मौसम ने कई जगह नुकसान पहुंचाया है। बीते 24 घंटों के दौरान कई इलाकों में बारिश, तूफान, और ओलावृष्टि ने फसलों को बर्बाद किया है, हमीरपुर के भलेठ गांव में तूफान से पेड़ गिर गया, जिसकी चपेट में आने से एक महिला की मौत हुई। मृतक संतोष कुमारी जंगल से लकड़ियां लेने गई थी कि घर से कुछ दूरी पर पेड़ की चपेट में आ गई।

ऊपरी शिमला के सेब बहुल इलाकों रोहड़ू, खड़ापत्थर, ठियोग, जुब्बल, कोटखाई, रोहड़ू और चौपाल में भारी ओलावृष्टि ने सेब की फसल को भारी नुकसान पहुंचाया है। आजकल सेब में फूल रहे हैं लेकिन ओलावृष्टि से फूल झड़ गए हैं। इसके अलावा सब्जियों की फसल भी बर्बाद हुई है।

वहीं सब्जी फूल उत्पादक संघ के अध्यक्ष ने मौसम से हुए नुकसान की भरपाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि हर साल फसलों के नुकसान का आंकलन होता है, लेकिन मुआवजे के

नाम पर कुछ नहीं मिलाता है। साथ ही, बीमा प्रक्रिया किसानों और बागवानों के हितों से खिलवाड़ करती है। जिला बिलासपुर व हमीरपुर में वर्षा के साथ हुई ओलावृष्टि से गेहूं की फसल व फलदार पौधों को नुकसान हुआ। कांगड़ा जिले में वर्षा से गेहूं की फसल प्रभावित हुई। लाहौल स्पीति सहित ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी जारी है। हिमपात के कारण मनाली-जंस्कार मार्ग पर यातायात बंद है। शिंकुला में आधा फीट हिमपात होने से आवाजाही प्रभावित हुई है। भारी वर्षा से लाहुल घाटी के तिंदी व जंगल कैंप के समीप नाले में बाढ़ आ गई। मौसम विभाग ने किसानों, बागवानों और यात्रा करने वालों को सतर्क रहने की सलाह दी है। मौसम विभाग स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है और समय-समय पर अपडेट प्रदान कर रहा है।

अखिलेश का बड़ा दावा बोले- महाकुंभ में योगी को पीएम उम्मीदवार घोषित करने की योजना थी

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के मुखिया और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने दावा करते हुए कहा है कि प्रयागराज का महाकुंभ कोई धार्मिक आयोजन नहीं था। बल्कि एक राजनैतिक आयोजन के लिए बड़ी तैयारियां की गई थी। सब कुछ ठीक रहता तो इसी महाकुंभ में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को प्रधानमंत्री के तौर पर उम्मीदवार घोषित कर दिया जाता। इस तरह की प्लानिक काफी पहले कर ली गई थी।

अखिलेश ने यह भी दावा किया कि कुछ राजनैतिक कारणों के कारण भाजपा का यह मंसूबा पूरा नहीं हो पाया। पत्रकारों से चर्चा करते हुए यादव ने कहा कि वह वक्फ (संशोधन) कानून के जरिए माफिया की तरह जमीन हड़पने की कोशिश कर रही है।यादव ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनावों में पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) राज्य से भाजपा को उखाड़ फेंकेगा। जब उनसे इंडिया गठबंधन के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने दोहराया, गठबंधन है और रहेगा। उन्होंने कहा, भाजपा वक्फ संशोधन कानून लेकर आई है ताकि वह जमीन छीन सके। जहां भी उन्हें जमीन दिखती है, वे उस पर कब्जा कर लेते हैं। उन्होंने भाजपा को भू-माफिया पार्टी करार दिया। यादव ने सत्तारूढ़ पार्टी पर नोटबंदी और जीएसटी (माल एवं सेवा कर) के जरिए लोगों का पैसा छीनने और आरक्षण के अधिकार को कम करने का आरोप लगाया।

राणा सांगा पर सपा सांसद रामजी लाल सुमन के बयान को लेकर पूछे गए प्रश्न पर उन्होंने कहा जो इतिहास एक दूसरे को ऊंचा-नीचा दिखाए, जो इतिहास हमारी प्रगति को रोकता हो, उस इतिहास को इतिहास ही रहने देना चाहिए।सपा प्रमुख ने संवाददाता सम्मेलन में प्रयागराज महाकुंभ 2025 को लेकर सोशल मीडिया मंच एक्स पर स्वयं द्वारा दिए गए सुझावों को एक पुस्तिका के रूप में तब्दील कर पत्रकारों को उपलब्ध कराया। साथ ही उन्होंने 2013 में हुए प्रयागराज कुंभ मेले को लेकर हावर्ड विश्वविद्यालय द्वारा किए गए अध्ययन की रिपोर्ट भी उपलब्ध कराई। अखिलेश यादव, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल की पुत्री के विवाह समारोह में शामिल होने प्रयागराज आए थे।

सपा प्रमुख ने दावा किया कि सरकार ने घटना के दौरान हताहतों की संख्या और वित्तीय लाभ के बारे में गलत आंकड़े दिए, और आरोप लगाया कि जनवरी में भगदड़ के दौरान ड्रोन और सीसीटीवी निगरानी विफल रही। उन्होंने कहा, भाजपा सच्चे आंकड़े छिपाने और झूठे आंकड़े दिखाने में माहिर है। भाजपा की पूरी सरकार प्रोपेगेंडा पर चल रही है। इस डिजिटल कुंभ में सरकार ने कोई भी डेटा कुछ ही सेकेंडों में उपलब्ध कराने की बात कही थी। ड्रोन से पूरी निगरानी के दावे किए गए थे।

यादव ने कहा, जिस समय (भगदड़ के समय) ड्रोन और सीसीटीवी की सबसे अधिक जरूरत थी, उस समय ये या तो बंद थे या बंद करा दिए गए थे। इन्होंने संगम नोज पर भगदड़ में मारे गए लोगों की सही संख्या नहीं बताई और मौत के कारण बदलने के लिए परिजनों पर दबाव बनाया।

भारत के लिए ऑस्कर जीतना चाहते हैं बाबिल

बाबिल खान अपने पिता और दिग्गज अभिनेता इरफान खान के नक्शेकदम पर चलते हुए बॉलीवुड में अपना एक अलग मुकाम बनाने की राह पर हैं। हालांकि, बाबिल अपने पिता इरफान खान को ये बताने से भी डरते थे कि वो एक्टिंग में जाना चाहते हैं। क्योंकि बाबिल को डर था कि उनके पिता इतने महान और बड़े कलाकार हैं और कहीं अगर बाबिल असफल हो गए, तो क्या कहेंगे। जबकि इरफान खान भी अपने बेटे के एक्टिंग डेब्यू को लेकर डरे हुए थे। बाबिल ने एक इंटरव्यू में अपने करियर और अपने पिता इरफान खान को लेकर काफी बातें कीं। बाबिल ने यूके से सिनेमेटोग्राफी का कोर्स किया है। उन्होंने बताया, मैं यूनिवर्सिटी से वापस आकर बाबा के साथ समय बिताने वाला था। मुझे वाकई नहीं लगा कि वह जाएंगे, मां को भी लगा कि वह 100 प्रतिशत ठीक हो जाएंगे। उन्होंने अपने कैंसर को हराया और फिर चले गए। उन्हें इस दुनिया को छोड़ना पड़ा क्योंकि कीमो ने उनके शरीर को नष्ट कर दिया था। उन्होंने कैंसर को हराया, इसलिए यह भी एक खूबसूरत बात है कि उन्होंने अपनी आखिरी चुनौती पूरी की। पिता के अलावा बाबिल ने अपने एक्टिंग और अपने सपने को लेकर भी बात की। बाबिल ने कहा, मैं भारत में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का ऑस्कर ट्रॉफी लाना चाहता हूं। मैं खुद को एक अभिनेता के तौर पर साबित करना चाहता हूं। तब मैं अभिनय से एक कदम पीछे हटकर संगीत की खोज कर पाऊंगा। हालांकि, उन्होंने ये भी कहा कि वो किसी भी एक ही पेशे में नहीं बंधे रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा, कभी-कभी हम पहले से ही तय कर लेते हैं कि हमें जीवन में क्या करना है। मैं सिर्फ 26 साल का हूं, मैं यह कहकर खुद पर दबाव नहीं डालना चाहता कि मैं अपने जीवन के बाकी हिस्सों में यही करूंगा।

लॉग आउट में नजर आएंगे बाबिल

बाबिल जल्द ही जी5 की फिल्म 'लॉग आउट' में नजर आएंगे। इसमें वह एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की भूमिका में हैं, जिसका जीवन तब अस्त-व्यस्त हो जाता है जब वह अपना फोन खो देता है, ये युवा वयस्क क्षेत्र में अधिक हैं। बाबिल ने कहा कि असल में वह 'लॉगआउट' के अपने किरदार से बिल्कुल अलग हैं। जिसका जीवन सोशल मीडिया और उसके फोन के इर्द-गिर्द घूमता है, वह अब दोस्तों के साथ ऑफलाइन कनेक्शन के बारे में अधिक सोचता है।

चरण सिंह सपरा द्वारा आयोजित बैसाखी की रात पंजाबी आइकन अवार्ड्स 2025 ने मुंबई को बेजोड़ चमक, वैभव और पंजाबी भावना से जगमगा दिया

सपनों के शहर ने सांस्कृतिक गौरव, सिनेमाई चमक और प्रतिष्ठित उत्कृष्टता से भरी एक रात देखी, जब पंजाबी संस्कृतिक विरासत बोर्ड ने चरण सिंह सपरा के दूरदर्शी नेतृत्व में मुंबई में बैसाखी की रात - पंजाबी आइकन अवार्ड्स 2025 की मेजबानी की - एक ऐसी शाम जो पंजाब की भावना जितनी ही शानदार थी! जी.एस. बावा / जी.एन. खालसा कॉलेज द्वारा प्रस्तुत, बैसाखी की रात का यह वर्ष का संस्करण उद्योगों में पंजाबी उत्कृष्टता के लिए एक शानदार श्रद्धांजलि थी, जो समुदाय को आगे बढ़ाने और प्रेरित करने वाले अग्रदूतों का जश्न मनाता है। पंजाबी आइकॉन अवॉर्ड्स 2025 ने मनोरंजन, नेतृत्व और व्यवसाय के क्षेत्र में कुछ सबसे उल्लेखनीय नामों को सम्मानित किया: बॉबी देओल - भारतीय सिनेमा में उनके स्थायी योगदान और एक पावरहाउस कलाकार के रूप में उनके पुनरुत्थान के लिए, रवीना टंडन - एक कालातीत दिवा और सिनेमाई आइकन के रूप में सम्मानित, अंगद बेदी - मनोरंजन में उनकी गतिशील उपस्थिति और बहुमुखी प्रतिभा के लिए, ओंकार सिंह - प्रगतिशील परिवर्तन को आकार देने वाले एक दूरदर्शी नेता के रूप में पहचाने गए, संदीप बत्रा - एक कॉर्पोरेट ट्रेलब्लेजर के रूप में उनकी उत्कृष्टता और प्रभाव के लिए स्वीकार किए गए। अनुभवी अभिनेता और राजनीतिक दिग्गज राज बब्बर, सुंदर अभिनेत्री गीता बसरा, हमेशा बहुमुखी सुशांत सिंह, एक्शन हीरो मुकेश ऋषि, महान संगीतकार अनु मलिक, कॉमेडी क्वीन उपासना सिंह, हिटमेकर और संगीत सनसनी रामजी गुलाटी, टेलीविजन के प्रिय सितारे ईशा सिंह और अविनाश मिश्रा और कई अन्य प्रसिद्ध हस्तियों ने इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। शाम को शानदार और वाक्पटु सतिंदर सत्ती ने शानदार तरीके से मंच पर अपनी प्रस्तुति दी, जिन्होंने मंच पर पंजाबी गौरव और संयम का परिचय दिया। बॉलीवुड की दिलकश गायिका अफसाना खान ने जब एक दमदार लाइव परफॉरमेंस दी, तो दर्शकों की ऊर्जा चरम पर पहुंच गई। पंजाबी सांस्कृतिक विरासत बोर्ड के अध्यक्ष चरण सिंह सपरा के शब्दों में, ह्यह कार्यक्रम केवल पुरस्कारों के बारे में नहीं है। यह हमारी जीवंत संस्कृति, अदम्य पंजाबी भावना और अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्टता और प्रेरणा की विरासत को आगे बढ़ाने वाले व्यक्तियों का उत्सव है बैसाखी की रात - पंजाबी आइकन अवार्ड्स 2025 ने एक बार फिर साबित कर दिया कि पंजाब का दिल दुनिया के हर कोने में जोर से और गर्व से धड़कता है - खास-कर मुंबई में, जहां समुदाय, संस्कृति और करिश्मा उत्सव और गौरव की रात के लिए एक साथ आए।

एक्स बॉयफ्रेंड के साथ शॉर्ट फिल्म में नजर आएंगी पवित्रा पुनिया

पवित्रा पुनिया इन दिनों एक बार फिर चर्चा में हैं। जल्द ही उनकी एक शॉर्ट फिल्म 'नफ्ज' रिलीज होगी। इस फिल्म में उन्होंने अपने एक्स बॉयफ्रेंड के साथ काम किया है। शॉर्ट फिल्म 'नफ्ज' को दलजीत कौर ने प्रोड्यूस किया है। इसमें लीड रोल में पवित्रा पुनिया और एजाज खान हैं। एजाज से पवित्रा का ब्रेकअप साल 2024 में हुआ। अब एजाज और पवित्रा की शॉर्ट फिल्म रिलीज हो रही है लेकिन ब्रेकअप के चलते ये दोनों इसके प्रमोशन का हिस्सा शायद ही बने। हाल ही में बातचीत में एजाज खान ने बताया कि उन्होंने यह शॉर्ट फिल्म तीन साल पहले शूट की थी। एजाज का कहना था, 'हमने ये तीन साल पहले शूट किया था, इससे ज्यादा मैं इस बारे में कुछ नहीं कहना चाहता हूं। प्रोड्यूसर दलजीत से जाकर पूछो।' पवित्रा पुनिया ने अब तक इस शॉर्ट फिल्म के बारे में कुछ नहीं कहा है। प्रोड्यूसर दलजीत ने भी एक एंटरटेनमेंट पोर्टल को बताया कि शॉर्ट फिल्म 'नफ्ज' में एजाज और पवित्रा की केमिस्ट्री काफी अच्छी है। पवित्रा और एजाज की मुलाकात 'बिग बॉस 14' में हुई। इस शो में ही ये दोनों करीब आए। शो से बाहर आने के बाद अपने रिश्ते को पब्लिक भी किया।

मुझे गर्व है कि मैं वर्सेटाइल अभिनेत्री हूं

फिल्म के साथ टेलीविजन और म्यूजिक वीडियो के लिए काम करने वाली अभिनेत्री ईशा मालवीय हर भूमिका को जुनून के साथ निभाती हैं। अभिनेत्री ने बात की। उन्होंने बताया कि स्क्रीन पर कोई भी किरदार निभाने में उन्हें खुशी मिलती है। ईशा ने कहा कि उन्हें गर्व है कि वह वर्सेटाइल अभिनेत्री हैं। इस बारे में पूछे जाने पर कि उन्हें काम के दौरान क्या मुश्किल लगता है, खुद से बिल्कुल अलग किरदार निभाना या अभिनेत्री से मिलता-जुलता किरदार निभाना, ईशा ने बताया, मुझे काम से एक अलग तरह की खुशी मिलती है और इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ता है। मुझे गर्व महसूस होता है कि मैं एक वर्सेटाइल अभिनेत्री हूं, जो कोई भी भूमिका निभा सकती है। ईशा ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो, किसी भी किरदार को निभाते समय मेरे मन में कभी दूसरे विचार नहीं आए। मैं बस काम पर फोकस करती हूं। 21 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा कि इंडस्ट्री में उनसे बेहतर काम की अपेक्षाएं की जाती है। हालांकि, यह उनके लिए अच्छा है और वह इससे दबाव महसूस नहीं करती हैं। उन्होंने कहा, मैं काम को लेकर खुद पर प्रेशर नहीं लेती क्योंकि मेरा मानना है कि हम सभी को खुश नहीं कर सकते। इसलिए दूसरों के सामने कुछ साबित करने के लिए काम करना मेरा तरीका नहीं है। मैं अपने लिए काम करती हूं। मेरे लिए, एक स्पष्ट लक्ष्य होना बहुत जरूरी है। इसके बिना, कोई दिशा नहीं है। मैं हमेशा ध्यान में रखती हूं कि मैं क्या हासिल करना चाहती हूं, चाहे वह अगले 30 दिनों में हो, 30 महीनों में या फिर 30 सालों में। यही स्पष्टता मुझे आगे बढ़ने में मदद करती है। ईशा ने साल 2021 में टेलीविजन शो उड़ारियां से अभिनय की शुरुआत की थी, जिसमें उनके किरदार का नाम जैस्मीन रहता है। शो में उनके साथ अभिनेता अंकित गुप्ता और प्रियंका चाहर चौधरी भी मुख्य भूमिकाओं में थे।

प्रियंका चाहर ने ब्रेकअप की अफवाहों के बीच रिश्ते में आए बदलाव पर की बात

अभिनेत्री प्रियंका चाहर चौधरी ने बॉम्बे टाइम्स फैशन वीक में नियारा इंडिया के लिए रैंप वॉक किया। इस इवेंट में वह बेहद खूबसूरत और आकर्षक दिखीं, उन्होंने एक शानदार ब्लैक ड्रेस पहनी थी। फैशन में हुए बदलाव के बारे में पूछे जाने पर प्रियंका ने कहा कि उनके अनुसार, चाहे रिश्तों की बात हो या फैशन की, विकास करना हमेशा अच्छा होता है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि विकास करना हमेशा अच्छा होता है, बदलाव हमेशा अच्छे होते हैं। बदलाव के लिए आगे बढ़ना पड़ता है। इसलिए, निश्चित रूप से बदलाव अच्छी बात है, चाहे रिश्तों में बदलाव हो या फैशन में बदलाव हो। अभिनेता अंकित गुप्ता के साथ उनके ब्रेकअप की खबरों के बीच उनका यह बयान आया है। अटकलबाजी को और हवा देते हुए, अंकित ने हाल ही में शो तेरे हो जाएं हम से बाहर निकलने की घोषणा की। इस शो में वह मुख्य भूमिका में हैं। प्रियंका और अंकित पहली बार शो उड़ारियां में साथ नजर आए थे और प्रशंसकों के पसंदीदा बन गए थे। बाद में ये दोनों लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस 16 में एक साथ दिखाई दिए, जहां वह अभूतपूर्व परिस्थितियों में एक-दूसरे का समर्थन करते नजर आए। शो से बाहर निकलने के बाद, उन्होंने कई म्यूजिक वीडियो में साथ काम किया। इंस्टाग्राम पर प्रियंका और अंकित द्वारा एक-दूसरे को अनफॉलो करने के बाद उनके ब्रेकअप की अटकलें शुरू हो गईं। पुरानी यादों को ताजा करते हुए प्रियंका ने बातचीत में अंकित के साथ अपनी केमिस्ट्री के बारे में बताया था, जिसे दर्शक खूब पसंद कर रहे थे। प्रियंका ने कहा था, मुझे लगता है कि हम बहुत सच्चे हैं। मुझे लगता है कि यही एक खासियत है, जिसकी वजह से हम एक-दूसरे से जुड़े हैं। हम बहुत सामान्य हैं। हमें दिखावा करना नहीं आता, शायद यही बात हमें जोड़े रखती है। प्रियंका ने कहा, हम दोनों में कोई सेलिब्रिटी वाइब नहीं है, हम दोनों में ऐसा नहीं है कि हम बहुत सामान्य हैं और यही हमें जोड़े रखता है। यही कुछ ऐसा है जो हमें उन लोगों से जोड़े रखता है जो हमसे प्यार करते हैं।

सोहेल खान की नई फिल्म में नजर आएंगे संजय दत्त और आयुष शर्मा

पिछले कुछ वर्षों सोहेल खान ने औजार, प्यार किया तो डरना क्या, हैलो ब्रदर, मैंने दिल तुझको दिया, जय हो और फीकी अली जैसी कई फिल्मों का निर्देशन किया है। पिछले एक दशक से फिल्म निर्माता शेर खान पर काम कर रहे हैं, जिसका नेतृत्व उनके भाई सलमान खान करेंगे। हालांकि, अब सोहेल एक और फिल्म की ओर बढ़ रहे हैं, जो कॉमेडी जॉनर की बताई जा रही है। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, सोहेल ने इस फिल्म में संजय दत्त और आयुष शर्मा को लिया है।

कॉमेडी फिल्म का निर्माण कर रहे सोहेल

संजय दत्त और आयुष शर्मा, सोहेल खान द्वारा निर्देशित एक नई कॉमेडी फिल्म में नजर आएंगे। इस अनाम प्रोजेक्ट संजय दत्त एक बड़े किरदार में और आयुष शर्मा अभिनेता संजय दत्त के साथ स्क्रीन साझा करेंगे। संजय और सोहेल के बीच पहले ही कई मीटिंग हो चुकी हैं और दोनों इस कहानी पर सहयोग करने के लिए उत्साहित हैं। कब शुरू होगी फिल्म की शूटिंग इस फिल्म के जरिए संजय और सोहेल दूसरी बार साथ काम करेंगे। इससे पहले दोनों ने मैंने दिल तुझको दिया के लिए हाथ मिलाया था। फिल्म अभी भी प्री-प्रोडक्शन में है और संभवत: 2025 की दूसरी छमाही में फ्लोर पर आएगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह आज की संवेदनाओं के अनुसार बनाई गई फिल्म है। फिल्म में गैंगस्टर शैली की झलक है और यह पंजाब में सेट है। जल्द ही एक स्टूडियो भी बनने की संभावना है। सोहेल खान अपने भाई सलमान खान के लिए अपने ड्रीम प्रोजेक्ट शेर खान पर काम कर रहे हैं, लेकिन यह प्रोजेक्ट अभी तक शुरू नहीं हुआ है।

रणबीर कपूर की इमेज बदलने वाले डायरेक्टर संग फिल्म करेंगे राम चरण

साउथ के मशहूर एक्टर राम चरण इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'पेद्दी' को लेकर चर्चा में हैं। 'पेद्दी' के अलावा वह एक और फिल्म करने वाले हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि वह एक नामी डायरेक्टर के साथ अपनी अगली फिल्म करेंगे। फिल्म 'एनिमल', 'अर्जुन रेड्डी' और 'कबीर सिंह' जैसी फिल्म बनाने वाले निर्देशक के साथ राम चरण फिल्म करने वाले हैं। राम चरण के फैंस यह जानकर खुश हैं कि वह निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के साथ फिल्म करेंगे। संदीप रेड्डी वांगा अपनी फिल्मों में हीरो को अलग अंदाज में दिखाने के लिए जाने जाते हैं। रणबीर कपूर को 'एनिमल' में संदीप ने एक अल्फा मेल के रोल में दिखाया। इन दिनों संदीप रेड्डी वांगा प्रभास के साथ एक साउथ इंडियन फिल्म 'स्पिरिट' में व्यस्त हैं। वहीं राम चरण अपनी फिल्म

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अमृता आर पंडित द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, बी- 868, न्यू अशोक नगर दिल्ली 110096 से मुद्रित तथा ए-115, गली नंबर 13, नई अशोक नगर, दिल्ली 110096 से प्रकाशित।
संपादक - अमृता आर पंडित, मो 8587969284, Mail ID - live18newsnetworktv@gmail.com सभी विवादों के न्याय क्षेत्र दिल्ली न्यायालय में होगा।